RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:218। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (सोमवार) 30 मार्च 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

•पारंपरिक मुंडू पहनकर पलक्कड़ पहुंचे पीएम मोदी, बोले-

केरल में अब चुनावी माहौल नहीं, जनआंदोलन की लहर

एजेंसी

पलक्कड़। केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को केरल के पलक्कड़ पहुंचे, जहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री पारंपरिक केरल वेशभूषा मुंडू (धोती) पहने नजर आए। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'उन्हें केरल में एक नई ऊर्जा और बदलाव की लहर महसूस हो रही है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय राज्य की जनता और भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं

की मेहनत को दिया।' उन्होंने कहा कि कई कार्यकर्ताओं ने राजनीतिक हिंसा के कारण अपने प्राण गंवाए हैं और उन्होंने मंच से उन सभी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल अब बदलाव का संदेश दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और लोगों का भरोसा भाजपा पर मजबूत हो रहा है। उन्होंने सभा में मौजूद भारी भीड़ को इस बदलाव का संकेत बताते हुए कहा कि यह सिर्फ चुनावी माहौल नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य के युवा, महिलाएं और किसान अब भाजपा और एनडीए के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने पलक्कड़ की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि पलक्कड़ को केरल का प्रवेश द्वार कहा जाता है और यहां की हरियाली, परंपराएं और मेहनतकश लोग इसे विशेष बनाते हैं।

उन्होंने कल्पथी मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी तुलना अक्सर काशी से की जाती है और काशी से सांसद होने के नाते यह उनके लिए विशेष महत्व रखता है।

असम से हर घुसपैठिए की पहचान कर हटाएंगे : अमित शाह

●जो लोग अवैध रूप से घुसे हैं, उन्हें भी असम से हटाया जाए। -अमित शाह

एजेंसी

सोनितपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को असम के सोनितपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम अभी तक असम से घुसपैठियों को हटाने में सफल नहीं हुए हैं। अगले 5 सालों में हम अपने राज्य से हर घुसपैठिए की पहचान करने और उसे हटाने का संकल्प लेते हैं। सोनितपुर रैली में भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगते हुए अमित शाह ने जनता से कहा, 'आपको ऐसे असम के लिए वोट देना चाहिए जो घुसपैठियों से मुक्त हो। आपको एक शांतिपूर्ण और विकसित असम के लिए वोट देना चाहिए। आपको असम के युवाओं के लिए अवसरों और रोजगार के लिए वोट देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'एक तरफ भाजपा है, जिसने पिछले दस सालों में असम को आतंकवाद से मुक्त किया है।

इसके विपरीत, कांग्रेस के शासन के दौरान असम ने बम धमाके, गोलीबारी और कई युवाओं की दुखद मौतें देखीं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमने असम में शांति स्थापित की है और 10,000 युवाओं को हथियार छोड़ने और एक बेहतर भविष्य अपनाने में मदद की है।' जनसभा में अमित शाह ने घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा, 'हम अभी तक असम से घुसपैठियों को हटाने में सफल नहीं हुए हैं। हालांकि, पिछले दस सालों में हम और घुसपैठ रोकने में कामयाब रहे हैं। लेकिन सिर्फ घुसपैठ रोकना ही काफी नहीं है। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जो लोग अवैध रूप से घुसे हैं, उन्हें भी असम से हटाया जाए। ये घुसपैठिए हमारे युवाओं से रोजगार के अवसर छीन रहे हैं और उन संसाधनों का उपभोग कर रहे हैं जो सही मायने में असम के लोगों के हैं।' उन्होंने कहा कि असम की जमीन पर घुसपैठियों का कोई वैध दावा नहीं है। जनता से समर्थन मांगते हुए अमित शाह ने कहा कि अगले 5 सालों में हम अपने राज्य से हर घुसपैठिए की पहचान करने और उसे हटाने का संकल्प लेते हैं।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में मुठभेड़, पांच लाख का ईनामी नक्सली कमांडर मूचाकी कैलाश ढेर

सुकमा। सुकमा जिले के पोलमपल्ली थाना क्षेत्र के जंगलों में रविवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। मुठभेड़ में 5 लाख का इनामी नक्सली कमांडर मारा गया है।सुकमा के एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इसी दौरान जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में जवानों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई। मुठभेड़ के बाद इलाके की तलाशी लेने पर एक नक्सली का शव हथियार सहित बरामद किया गया। मृत नक्सली की पहचान 5 लाख रुपये के इनामी पीपीसीएम कैडर के प्लाटून नंबर 31 के सेक्शन कमांडर मूचाकी कैलाश के रूप में हुई है। वह पूलनपाड़ गांव, चिंतलनार थाना क्षेत्र का निवासी था।

संक्षिप्त समाचार

हादसे के बाद कार में लगी आग

●एक ही परिवार के तीन लोगों की जलकर मौत

एजेंसी

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में दुर्घटना के बाद कार में आग लगने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। हालांकि, 3 लोगों को राहगीरों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बचा लिया। यह दुखद घटना शनिवार देर रात बैहर-मलजखंड सड़क पर केवलारी चौराहे के पास घटी। जानकारी के मुताबिक, कार को सीताम केलकर (30) चला रहे थे, तभी कार एक मोड़ पर अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और एक ढलान से नीचे गिर गई। कार में तुरंत आग लग गई और लपटें इतनी तेजी से फैली कि उसमें सवार लोगों को बचने का समय नहीं मिला। प्रत्यक्षदर्शियों का संदेह है कि चालक को शायद कुछ क्षणों के लिए झपकी आ गई थी, जिसके कारण उसने नियंत्रण खो दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सीताम केलकर अपने पैतृक गांव पोंडी (परसवाड़ा) से पौनी लौट रहा था, जहां वह एक वेल्डिंग की दुकान चलाता है। वह तीन दिन पहले अपनी पत्नी और बच्चे के साथ पुडुचेरी गया थे और देर रात अपने माता-पिता के साथ लौट रहा था। उनके साथ एक 8 वर्षीय पड़ोसी की बच्ची भी थी जो पौनी स्थित अपने घर लौट रही थी। मौके पर पहुंचे लोगों ने खिड़की के शीशे तोड़ दिए और भीषण आग के बीच तीन लोगों को बाहर निकाला। तीनों बुरी तरह झुलस गए थे और पुलिस ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

भारत ने श्रीलंका को 38,000 मीट्रिक टन फ्यूल भेजा

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में भारी तनाव का असर दुनिया के अलग-अलग देशों में देखने को मिल रहा है। इस बीच भारत ने अपने पड़ोसी देश श्रीलंका की मदद के लिए उसे 38 हजार मीट्रिक टन फ्यूल की मदद भेजी है। भारत की ओर से इस मदद के लिए श्रीलंकाई नेताओं ने धन्यवाद किया। वहीं सांसद और श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) पार्टी के राष्ट्रीय आयोजक और पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे ने श्रीलंकाई सरकार को फ्यूल टैक्स एडजस्टमेंट जैसे मॉडल पर काम करने की सलाह दी। उन्होंने भारत की नीतियों की जमकर सराहना की। नमल राजपक्षे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के लोगों ने

श्रीलंकाई नेताओं ने जताया आभार

एक बार फिर श्रीलंका को 38,000 टन पेट्रोलियम की समय पर शिपमेंट करके नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी को बनाए रखा है। भारत हमेशा संकट के समय में श्रीलंका के लिए सबसे पहले खड़ा रहा है। जरूरी सप्लाई से लेकर आर्थिक मदद तक, जो उसकी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी की सच्ची झलक है। एक क्षेत्र के तौर पर यह जरूरी है कि देश क्षेत्र की बेहतरी के लिए रणनीतिक साझेदार के तौर पर मिलकर काम करें।' उन्होंने श्रीलंकाई सरकार से भारत का मॉडल अपनाने की सलाह दी और कहा कि हम श्रीलंका सरकार से अपील करते हैं कि वह भारत के हालिया फ्यूल टैक्स एडजस्टमेंट जैसे मॉडल पर विचार करे। भारत ने एक्साइज ड्यूटी इसलिए कम नहीं की, ताकि कीमतें तुरंत कम हों, बल्कि मार्केट को स्थिर करने और ग्लोबल तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के दौरान और बढ़ोतरी को रोकने के लिए ऐसा किया। नमल राजपक्षे ने कहा, 'जैसे-जैसे श्रीलंका आगे बढ़ेगा, सरकार को अपनी आर्थिक नीतियों को भी मजबूत करना होगा। हालांकि फिस्कल डिसिप्लिन जरूरी है, लेकिन भारत के ज्यादा ग्रोथ-ओरिएंटेड अप्रोच में देखा गया ज्यादा टैक्स बोझ कम करने से निवेश को बढ़ावा देने, नागरिकों पर दबाव कम करने और लंबे समय की रिकवरी में मदद मिल सकती है।

भारत कई बार कर चुका श्रीलंका की मदद

भारत ने यह पहली बार आगे आकर श्रीलंका की मदद नहीं की है, इससे पहले भी कई बार भारत ने 'नेबरहुड फर्स्ट' की नीति को अपनाते हुए अपने पड़ोसी की मदद की है। ऐसे में भारत जैसे एक अच्छे और मददगार पड़ोसी की अहमियत पर जोर देते हुए नमल राजपक्षे ने कहा, 'मजबूत साझेदारी बनानी और बचानी चाहिए, उनका राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।'

पीएम मोदी की रैली में भीड़ जुटाने को सरकारी कर्मचारियों व संसाधनों का लेना पड़ा सहारा : अखिलेश यादव

●अखिलेश ने सपा नेता राजकुमार भाटी की सराहना भी की।

एजेंसी

दादरी। समाजवादी पार्टी ने दादरी में 'समाजवादी समानता भाईचारा' रैली के जरिए शक्ति प्रदर्शन किया, जहां पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए पीएम मोदी की रैलियों में भीड़ जुटाने के तौर-तरीकों से लेकर विकास के दावों तक कई सवाल खड़े किए।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि पीएम मोदी की रैली में भीड़ जुटाने के लिए सरकारी कर्मचारियों और संसाधनों का सहारा लेना पड़ा है। दादरी में आयोजित सपा की रैली में बड़ी संख्या में जुटे समर्थकों को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने मंच से कहा कि पूरे पंडाल में पार्टी के झंडे का लाल रंग छाया हुआ दिख रहा है, जो कार्यकर्ताओं के उत्साह का प्रतीक है। आयोजन को सफल बनाने के लिए उन्होंने सपा नेता राजकुमार भाटी की सराहना भी की। अपने संबोधन में उन्होंने बिना नाम लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा की इस रैली की चर्चा ने विरोधियों को असहज कर दिया। उनका आरोप था कि इसी दबाव में विपक्षी दलों ने सपा की रैली से पहले अपनी रैली आयोजित की लेकिन वहां भीड़ स्वाभाविक नहीं थी बल्कि लोगों को जुटाया गया था। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कैमरों से कुछ भी छिपा नहीं रह सकता और सच्चाई सामने आ ही जाती है।

मल्लिकार्जुन खड़गे के असम दौरे को लेकर मुख्यमंत्री ने साधा निशाना

●चुनाव 26 : कार्बी आंगलोंग के चार विस क्षेत्रों में विजय संकल्प सभाओं में डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने लिया हिस्सा

एजेंसी

कार्बी आंगलोंग। असम विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के असम दौरे को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को तंज कसा। उन्होंने पार्टी के नेतृत्व चुनाव और खड़गे के पुराने रुख पर गंभीर सवाल उठाए। ज्ञात हो कि, आज राज्य के पहाड़ी जिला कार्बी आंगलोंग के बोकाजान विधानसभा, डिफू विधानसभा, हावराघाट विधानसभा और आमरी विधानसभा क्षेत्र में कुल चार चुनावी विजय संकल्प सभाओं में मुख्यमंत्री ने हिस्सा लिया। सभाओं में उपस्थित लोगों की उपस्थिति को

देखकर मुख्यमंत्री काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत पूरी तरह से सुनिश्चित है। इस दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. सरमा ने कहा कि कांग्रेस ने असम में खड़गे को प्रचार के मुख्य चेहरे के तौर पर पेश करके एक रणनीतिक गलती की है। मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि खड़गे को लाकर कांग्रेस ने अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि खड़गे ने पहले असम के सांस्कृतिक प्रतीक भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिए जाने का विरोध किया था। डॉ. सरमा ने यह भी कहा कि खड़गे ने असम में प्रस्तावित सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट की स्थापना का भी विरोध किया था। राज्य सरकार ने इस पहल को औद्योगिक और तकनीकी प्रगति की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। कांग्रेस पार्टी की प्रचार रणनीति पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या यह उस तरह का व्यक्ति है जिसे आप असम में स्टार प्रचारक बनाते हैं?

'मन की बात' में स्थिरता का भरोसा, वैश्विक चुनौतियों से निपटने को तैयार भारतः नितिन नवीन

'वैश्विक तनावों के बावजूद भारत पूरी तरह स्थिर हैं'

एजेंसी

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 132वें एपिसोड को सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि वैश्विक तनावों के बावजूद भारत पूरी तरह स्थिर है और किसी भी उभरती चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से जनता से अपील की है कि घबराने की कोई आवश्यकता

नहीं है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि भारत के विभिन्न देशों के साथ मजबूत कूटनीतिक संबंधों के कारण स्थिति सामान्य बनी हुई है। उन्होंने जानकारी दी कि 20 से अधिक तेल और गैस ले जाने वाले जहाज सुरक्षित रूप से भारत पहुंच चुके हैं, जबकि कई अन्य रास्ते में हैं, जिससे देश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है।

चंडीगढ़ में हल्की बूंदाबांदी से सुहावना हुआ मौसम

●पंजाब के कई जिला में बारिश का अलर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब और चंडीगढ़ में रविवार को अचानक मौसम बदलने से लोगों का संडे सुहावना हो गया। चंडीगढ़ में बूंदाबांदी हुई। वहीं जालंधर, मोहाली, लुधियाना, पठानकोट के कई इलाकों में सुबह से बारिश हो रही है। बाकी जिलों में भी बादल छाए हुए हैं और हवाएं चल रही हैं। मौसम में आए बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने 29 और 30 मार्च के लिए पंजाब के सभी जिलों समेत चंडीगढ़ में बारिश और गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस पहाड़ों पर पहुंच गया है। इस वजह से यह बदलाव आया है। बारिश के बीच

जालंधर के पंजाबी बाग, बसंत नगर, कपूरथला रोड, लेदर कॉम्पलैक्स समेत कई इलाकों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली कट लगा दिया गया है। हालांकि इसके पीछे मेंटिनेंस का हवाला दिया गया है। पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, होशियारपुर, नवांशहर (शहीद भगत सिंह नगर), रूपनगर और मोहाली में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं तरनतारन, कपूरथला, जालंधर, फिरोजपुर, फाजिल्का, फरीदकोट, मुक्तसर, मोगा, बठिंडा, लुधियाना, बरनाला, मानसा, संगरूर, फतेहगढ़ साहिब, पटियाला में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

अहमदाबाद में मसाज स्पा की आड़ में पनप रहा देह व्यापार का काला कारोबार, युवा पीढ़ी खतरे में

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद, (पवन माकन)। शहर में इन दिनों स्पा और मसाज सेंटरों की बाढ़ सी आ गई है। बाहर से देखने में लग्जरी और रिलैक्सिंग लगने वाले ये केंद्र अब शहर के लिए एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुके हैं। महानगर मेट्रो की एक विस्तृत पड़ताल में यह खुलासा हुआ है कि कई स्पा सेंटरों की आड़ में सुनियोजित तरीके से देह व्यापार का धंधा फल-फूल रहा है।

पुलिस की कथित मिलीभगत और कानून की विफलता

सूत्रों और स्थानीय जानकारियों के अनुसार, शहर के पॉश इलाकों में चलने वाले इन अवैध अड्डों को कुछ भ्रष्टाचारी पुलिस अधिकारियों का सीधा संरक्षण प्राप्त है। इस संरक्षण के चलते ही शिकायतें मिलने के बावजूद इन पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो पाती। ऐसा प्रतीत होता है कि "सांठ-गांठ" का यह तंत्र इतना

मजबूत है कि कानून का भय इन ऑपरेटरों में समाप्त हो गया है।

हमारी रिपोर्ट के अनुसार, इन स्पा सेंटरों में बंगाल, बॉम्बे, बिहार और थाईलैंड सहित कई विदेशी मूल की महिलाओं को काम पर रखा जा रहा है। गिरोह के सरगना इन महिलाओं को बेहतर रोजगार का प्रलोभन देकर बुलाते हैं और फिर उन्हें अपनी मजबूरी और जाल में फंस-ाकर अनैतिक गतिविधियों में झोंक देते

हैं। यह न केवल मानव तस्करी के गंभीर मामलों की ओर इशारा करता है, बल्कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है। इस गोरखधंधे का सबसे दुखद पहलू यह है कि इससे हमारा युवा वर्ग प्रभावित हो रहा है। सुलभ उपलब्धता और विज्ञापन के चमक-धमक वाले जाल के कारण युवा पीढ़ी अनैतिकता और आपराधिक प्रवृत्ति की ओर तेजी से झुक रही है। यह न केवल नैतिक मूल्यों का पतन है, बल्कि भविष्य के समाज के लिए एक बड़ी चुनौती है। महानगर मेट्रो शासन और प्रशासन से यह सवाल पूछना चाहता है कि आखिर ये स्पा सेंटर इतने बेखौफ कैसे हैं? क्या जनहित और भविष्य की सुरक्षा के लिए इन अवैध अड्डों को जड़ से खत्म करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने चाहिए? हम मांग करते हैं कि ऐसे सभी स्थानों पर त्वरित छापेमारी की जाए और भ्रष्ट अधिकारियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। जब तक प्रशासन ईमानदारी से कार्य नहीं करेगा, तब तक अहमदाबाद का यह काला सच शहर को अंदर से खोखला करता रहेगा।

देहगाम में महिला से छेड़छाड़ और धमकी का मामला दर्ज, आरोपी फरार

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर के चांदखेड़ा क्षेत्र में सुबह के समय चेन लूट की एक घटना सामने आई है, जिसमें बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता सेल्वीबेन, जो अहमदाबाद एयरपोर्ट पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) विजय कुमार की पत्नी हैं, अपने बेटे के साथ चांदखेड़ा स्थित उत्सव कॉर्नर के पास प्रातः भ्रमण के लिए निकली थीं। इसी दौरान हेलमेट पहने दो युवक मोटरसाइकिल पर वहां पहुंचे। मौका देखते ही मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे आरोपी ने अचानक सेल्वीबेन के गले से लगभग 48 ग्राम वजनी सोने की चेन झपट ली। महिला ने साहस दिखाते हुए आरोपी का विरोध किया, जिससे दोनों के बीच कुछ समय तक हाथापाई हुई। इस झड़प के दौरान पीछे बैठे आरोपी का हेलमेट उतर गया, जिससे उसकी पहचान होने की संभावना बढ़ गई है। हालांकि, वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मोटरसाइकिल पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। लूटी गई चेन की कीमत लगभग 1.70 लाख रुपये बताई जा रही है।घटना की सूचना मिलने पर चांदखेड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

पीएसआई परीक्षा 19 अप्रैल को, 13 अप्रैल से डाउनलोड होंगे प्रवेश पत्र

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। गुजरात पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा संचालित भर्ती प्रक्रिया के तहत पीएसआई (पुलिस उपनिरीक्षक) और लोकरक्षक (एलआरडी) संवर्ग के लिए शारीरिक परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस चरण में कुल 1,10,665 अभ्यर्थी सफल हुए हैं, जो अब आगामी लिखित परीक्षा में सम्मिलित होंगे। भर्ती बोर्ड द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पीएसआई संवर्ग की लिखित परीक्षा रविवार, 19 अप्रैल, 2026 को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में दो प्रश्न पत्र—पेपर-1 और पेपर-2—शामिल होंगे। अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश पत्र (कॉल लेटर) 13 अप्रैल, 2026 को दोपहर 2 बजे से बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

बेमौसम बारिश का अलर्ट, कई जिलों में गरज-चमक के साथ होगी बारिश

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। जिले के देहगाम क्षेत्र के एक गांव में 30 वर्षीय विवाहित महिला के साथ छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है।

पीड़िता की शिकायत के आधार पर देहगाम पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़ित महिला अपने परिवार के साथ गांव में रहती है और गृहकार्य करती है। अपनी शिकायत में महिला ने बताया कि गांव की सड़क और खेत के पास रहने वाला विक्रम कल्याणसिंह राठौड़ पिछले कुछ दिनों से उस पर बुरी नजर रख रहा था और अशोभनीय इशारे कर रहा था। सामाजिक बदनामी के डर से वह अब तक चुप रही, लेकिन घटना के बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। घटना 25 मार्च की शाम करीब 6 बजे की बताई जा रही है, जब महिला घर के बाहर काम कर रही थी। उस समय उसका पति काम पर गया हुआ था और परिवार के अन्य सदस्य खेत पर थे। इसी दौरान आरोपी वहां पहुंचा और महिला का हाथ पकड़कर उसे जबरन खींचने लगा। आरोप है कि उसने महिला पर अनुचित संबंध बनाने का दबाव डाला और मना करने पर उसके पति को जान से मारने की धमकी दी। महिला के शोर मचाने पर उसके परिजन मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गया। रात में पति के घर लौटने पर पीड़िता ने पूरी घटना की जानकारी दी। परिवार के सहयोग से महिला ने हिम्मत जुटाकर आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। देहगाम पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

|| आवश्यकता ||

दैनिक समाचार पत्र के लिए गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के विभिन्न जिलों के गाँवों, नगरों एवं कस्बों में जिला ब्यूरो चीफ, सर्किल ब्यूरो चीफ, संवाददाता अथवा पत्रकार प्रतिनिधि इसके वे ही पात्र होंगे जो:-

➤ समाचारों को सुव्यवस्थित ढंग, शुद्ध व सरल हिन्दी भाषा एवं अच्छे अक्षरों में लिखकर भेज सकें।

➤ अपने स्वयं के गाँव के साथ आस-पास के भी समाचारों का संकलन कर भेज सकें।

➤ समाचारों के साथ-साथ पत्र के सदस्य बना सकें और विज्ञापन भी भेज सकें।

अपने परिचय सहित पत्र या पत्र व्यवहार द्वारा सम्पर्क करें:

महानगर मेट्रो

पत्रव्यवहार

सी-8- रिची हाउस, स्वामीनारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

मो.: 9638877700,9662420070

mahanagarmetro7@gmail.com

बड़ा खुलासा : अशोक खरात के मोबाइल से मिले 35 अश्लील वीडियो

कई हाई-प्रोफाइल महिलाओं के शिकार होने की आशंका

थाईलैंड की युवतियों से सज रहा बाजार, एक्यम स्पा में मसाज नहीं, अनैतिकता का खुला खेल !

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद, (पवन माकन)। यहां कथित बापू अशोक खरात के खिलाफ सामने आया मामला राज्यभर में सनसनी का कारण बन गया है। धर्म और तंत्र-मंत्र की आड़ में महिलाओं के यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोपों ने समाज को झकझोर दिया है। पुलिस जांच में उसके मोबाइल और अन्य डिजिटल उपकरणों से 35 आपत्तिजनक वीडियो बरामद होने के बाद इस पूरे नेटवर्क का पदार्फाश हुआ है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, अशोक खरात महिलाओं को अघोरी विद्या और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर अपने प्रभाव में लेता था। इसके बाद डर और अंधविश्वास का माहौल बनाकर उनके साथ दुष्कर्म करता और पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर उन्हें ब्लैकमेल करता था। अब तक 8 महिलाओं के इस जाल में फंसने की पुष्टि सामने आई है, हालांकि पुलिस को आशंका है कि पीड़ितों की संख्या इससे अधिक हो सकती है। जांच में एक और चौंकाने वाला पहलू यह सामने आया है कि खरात के संपर्क में समाज के कई हाई-प्रोफाइल लोग भी थे। इनमें सरकारी उच्च अधिकारी, राजनेता, बड़े कारोबारी और डॉक्टर जैसे प्रभावशाली वर्ग के लोग शामिल बताए जा रहे हैं। इन लोगों की मौजूदगी ने उसे लंबे समय तक सामाजिक संरक्षण प्रदान किया, जिससे उसका नेटवर्क बिना किसी बाधा के चलता रहा। पुलिस अब बरामद वीडियो की फॉरेंसिक जांच कर रही है और पीड़ित महिलाओं के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या इन तथाकथित ह्यभक्तोंह्न को खरात की करतूतों की जानकारी थी या वे भी किसी स्तर पर इसमें शामिल थे। यह मामला केवल एक व्यक्ति के अपराध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अंधविश्वास, सामाजिक चुप्पी और प्रभावशाली लोगों के संभावित संरक्षण पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। प्रशासन के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन गया है कि दोषियों को सख्त सजा दिलाने के साथ-साथ ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति को रोका जाए।

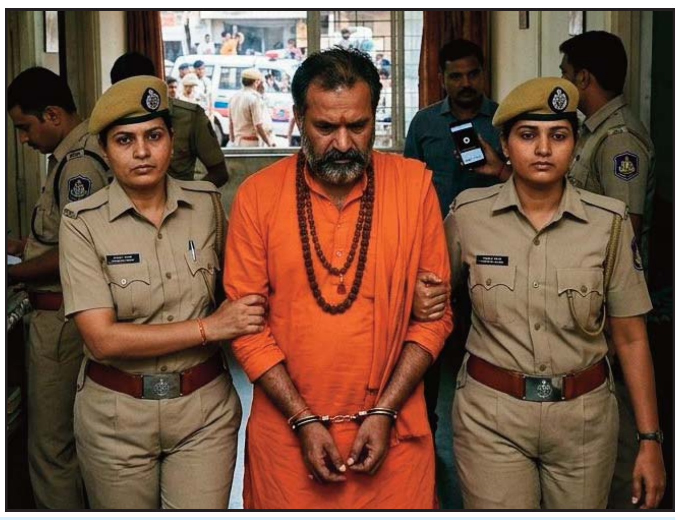

भीषण गर्मी में प्यासे परिंदों के लिए आदि फाउंडेशन की पहल

1000+ जल-पात्र वितरित, शहरवासियों ने पक्षियों को पानी पिलाने का लिया संकल्प

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर की भीषण गर्मी में जहां तापमान लगातार बढ़ रहा है, वहीं बेजुबान पक्षियों के सामने पानी का संकट गहराता जा रहा है। ऐसे कठिन समय में ह्यआदि फाउंडेशनह्न द्वारा एक सराहनीय और मानवीय पहल की गई, जिसने शहरवासियों को संवेदनशीलता और सेवा का संदेश दिया। गुरुकुल क्षेत्र स्थित ऑक्सफोर्ड टॉवर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्था ने पक्षियों के लिए मिट्टी के 1000 से अधिक जल-पात्र (परिंडे) वितरित किए। इन पात्रों को नागरिकों को इस उद्देश्य से दिया गया कि वे अपने घरों, छतों, बालकनी और आसपास के क्षेत्रों में पानी भरकर रखें, ताकि प्यास से जूझ रहे पक्षियों को राहत मिल सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और इस

पहल की खुले दिल से सराहना की। उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे पूरे ग्रीष्मकाल के दौरान नियमित रूप से इन जल-पात्रों में पानी भरेंगे और पक्षियों की देखभाल करेंगे। संस्था के सदस्यों ने बताया कि गर्मी के इस मौसम में पानी की एक छोटी सी व्यवस्था भी पक्षियों के लिए जीवनदान साबित हो सकती है। इस अवसर पर हार्दिक संघवी, अल्पेश शाह, चिराग भाई, रवि चौहान, जीवदया प्रेमी दीक्षित भाई और मेहुल भाई सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। एएमसी के पूर्व स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन देवांग दानी और पीआई मेमनगर ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर इस सामाजिक पहल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में ह्यआदि फाउंडेशनह्न ने शहरवासियों से अपील की कि वे अपने घरों और आसपास जल-पात्र रखकर प्यासे पक्षियों की मदद करें। साथ ही समाज में करुणा, संवेदना और सह-अस्तित्व की भावना को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया गया।

बोडकदेव में स्पा की आड़ में संदिग्ध गतिविधियां, पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

विदेशी कनेक्शन और अवैध नेटवर्क की जांच की मांग

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद, (पवन माकन)। यहां के पॉश बोडकदेव इलाके में स्थित एक स्पा को लेकर उठे गंभीर आरोपों ने पुलिस व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि यह स्पा केवल मसाज सेंटर नहीं, बल्कि अवैध गतिविधियों का केंद्र बन चुका है, जो कथित रूप से पुलिस स्टेशन के नजदीक होने के बावजूद बिना किसी बाधा के संचालित हो रहा है।

सूत्रों और स्थानीय निवासियों के अनुसार, लंबे समय से इस स्पा को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर चुप्पी बनी हुई है। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि कुछ प्रभावशाली तत्वों के संरक्षण के चलते यह कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। ह्यवहीवतह्न या कथित कलेक्शन सिस्टम के जरिए अवैध कमाई के लेन-देन की बातें भी सामने आ रही हैं, जिससे पूरे तंत्र की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि इस स्पा नियमित रूप से संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही हैं।

में विदेशी मूल की युवतियों की मौजूदगी को लेकर संदेह जताया जा रहा है।

उनके दस्तावेजों और वीजा की वैधता को लेकर भी स्थानीय लोगों ने चिंता व्यक्त की है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला केवल अवैध कारोबार ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की मानव तस्करी और कानूनी उल्लंघन का रूप ले सकता है। शाम के समय क्षेत्र में लगने वाली महंगी गाड़ियों की कतारें और बढ़ती गतिविधियां यह संकेत देती हैं कि यहां इससे आसपास रहने वाले लोगों में असुरक्षा और आक्रोश का माहौल बनता जा रहा है। अब स्थानीय नागरिक प्रशासन और पुलिस से पारदर्शी जांच की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और गंभीर हो सकती है। यह मामला केवल एक स्पा तक सीमित नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था, नैतिकता और सार्वजनिक विश्वास से जुड़ा मुद्दा बन चुका है, जिस पर त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई आवश्यक है।

दूध की गुणवत्ता पर घमासान, आप नेता युवराज सिंह जडेजा का सरकार पर तीखा प्रहार

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। गुजरात में दूध की गुणवत्ता को लेकर राज्य सरकार द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के बाद राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के युवा नेता युवराज सिंह जडेजा ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रस्तुत की गई रिपोर्ट ह्यभ्रामकह्न है और इसमें तथ्यों को शब्दों के जाल में उलझाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया गया है। युवराज सिंह जडेजा ने कहा कि सरकार ने दावा किया है कि राज्यभर में अब तक 11,684 दूध के नमूने लिए गए हैं और उनमें कोई भी नमूना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं पाया गया। उन्होंने इस दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। उनके अनुसार, बड़ी मात्रा में दूध निम्न गुणवत्ता का है, जो उपभोग के योग्य नहीं है, लेकिन उसे ह्यरसायन मुक्तह्न बताकर सुरक्षित दशार्या जा रहा है, जो आम जनता के साथ छल है। उन्होंने आगे कहा कि एक ओर सरकार यह स्वीकार करती है कि कई स्थानों पर दूध की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है, वहीं दूसरी ओर यह दावा किया जा रहा है कि उसमें किसी प्रकार का हानिकारक रसायन नहीं पाया गया। यह स्थिति पूरी तरह विरोधाभासी है और इससे सरकार की नीतियों तथा जांच प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं। आप नेता ने हाल ही में प्रांतिज और गिर सोमनाथ क्षेत्रों में हुई छापेमारी का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां दूध में यूरिया, रसायन और अन्य हानिकारक तत्व पाए गए थे। यह तथ्य स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि राज्य में दूध में मिलावट एक गंभीर समस्या बनी हुई है। इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे को स्वीकार करने के बजाय आंकड़ों के माध्यम से स्थिति को सामान्य दिखाने का प्रयास कर रही है। युवराज सिंह जडेजा ने

सरकार पर आरोप लगाया कि इस प्रकार के बयान और रिपोर्ट मिलावटखोरों को अप्रत्यक्ष रूप से संरक्षण प्रदान करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इस समस्या पर कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो इसका सीधा असर जनता के स्वास्थ्य पर पड़ेगा, जो अत्यंत गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकता है। उन्होंने बोटाद शराब कांड का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भी सरकार ने सच्चाई को स्पष्ट रूप से सामने लाने के बजाय शब्दों के माध्यम से स्थिति को संभालने की कोशिश की थी, और अब दूध के मामले में भी वही रणनीति अपनाई जा रही है। अंत में आम आदमी पार्टी ने राज्य सरकार से मांग की है कि दूध में मिलावट के मामलों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए, दोषियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए तथा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त व्यवस्था लागू की जाए, ताकि प्रदेश की जनता को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

हिलवुड स्कूल पर गंभीर आरोप, होनहार छात्र और 8 साल की बच्ची के साथ कथित टॉर्चर

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। सेक्टर-25 स्थित हिलवुड स्कूल एक बड़े विवाद में घिर गया है, जहां एक होनहार छात्र और उसकी छोटी बहन के साथ कथित मानसिक उत्पीड़न और दस्तावेजों में छेड़छाड़ के गंभीर आरोप सामने आए हैं। मामले ने शिक्षा जगत में हलचल मचा दी है और अभिभावकों में चिंता का माहौल बना दिया है। पीड़ित छात्र के पिता चतुर्भुज रमानी ने पुलिस में दी शिकायत में आरोप लगाया है कि उनका बेटा, जो कक्षा 8 का छात्र है और अब तक 63 अवॉर्ड जीत चुका है, स्कूल प्रशासन की प्रताड़ना का शिकार हुआ है। उनका कहना है कि इंटरनेशनल और नेशनल स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद स्कूल ने बच्चे को प्रोत्साहित करने के बजाय उसे नजरअंदाज किया और मानसिक रूप से परेशान

किया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि बच्चे के एकेडमिक रिकॉर्ड, रिजल्ट और ड्राइंग बुक में छेड़छाड़ की गई। पेरेंट्स का दावा है कि पुलिस शिकायत के बाद सबूत मिटाने के लिए रिजल्ट में बदलाव तक किया गया। इतना ही नहीं, कक्षा 2 में पढ़ने वाली उसकी 8 वर्षीय बहन को भी कथित तौर पर मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। मामले में स्कूल के आर्ट टीचर, एग्जामिनेशन विभाग के कर्मचारी, प्रिंसिपल और अन्य प्रशासनिक स्टाफ के खिलाफ सेक्टर-21 पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दी गई है। अभिभावकों ने जिला शिक्षा अधिकारी सहित उच्च अधिकारियों से भी न्याय की गुहार लगाई थी, लेकिन संतोषजनक कार्रवाई न होने पर मामला पुलिस तक पहुंचा। वहीं, स्कूल प्रबंधन ने सभी आरोपों से इनकार किया है। प्रिंसिपल स्मिता लौर का कहना है कि स्कूल की ओर से किसी प्रकार का टॉर्चर नहीं किया गया और रिजल्ट सीबीएससी के नियमों के अनुसार ही तैयार किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि गार्जियन द्वारा ट्रांसफर सर्टिफिकेट में मनमाफिक बदलाव की मांग की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी भगवान प्रजापति ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है और दोनों पक्षों को बुलाकर मामले की जांच की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सरखेज में पार्सल की आड़ में शराब तस्करी का भंडाफोड़, 4,401 बोतलों के साथ आरोपी गिरफ्तार

गोवा से सप्लाई, फर्जी बिल के सहारे पुलिस को देता था चकमा; 5.83 लाख का माल जब्त

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। सरखेज इलाके में पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। राज्य में शराबबंदी के बावजूद तस्कर नए-नए हथकंडे अपनाकर कानून को चुनौती दे रहे हैं। इस बार पार्सल की आड़ में विदेशी शराब की तस्करी का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, सरखेज पुलिस को गश्त के दौरान एक खास सूचना मिली थी कि नरीमनपुरा नहर के पास से एक लोडिंग रिक्शा में भारी मात्रा में शराब ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका।

तलाशी के दौरान रिक्शे के ऊपर पार्सल रखे मिले, लेकिन जब नीचे जांच की गई तो उसमें 4,401 विदेशी शराब की बोतलें छिपाई गई थीं। पुलिस ने मौके से आरोपी कालूराम बिश्नोई को गिरफ्तार किया, जो मूल रूप से राजस्थान का निवासी है और वर्तमान में अहमदाबाद के सीटीएम क्षेत्र में रह रहा था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी गोवा से शराब मंगवाकर शहर में सप्लाई करता था। पुलिस को गुमराह करने के लिए वह पार्सल और कूरियर का तरीका अपनाता था तथा जांच के दौरान फर्जी बिल दिखाकर खुद को वैध परिवहनकर्ता साबित करने की कोशिश करता था। रेड के दौरान पुलिस ने कुल 5.83 लाख रुपये का सामान जब्त किया है, जिसमें करीब 4.78 लाख रुपये की शराब, एक लाख रुपये का लोडिंग टेम्पो और एक मोबाइल फोन शामिल है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले भी 2017 में ओधव पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज हो चुका है। फिलहाल सरखेज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और इस नेटवर्क से

जुड़े अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और शहर में इसका नेटवर्क कितना बड़ा है।

CMYK

पश्चिम बंगाल चुनावः ममता बनर्जी बनाम भाजपा, कल्याण बनाम परिवर्तन की सीधी लड़ाई

क्षेत्रीय समीकरण और महिला मतदाता होंगे निर्णायक; सर्वे में टीएमसी आगे, भाजपा दे रही कड़ी टक्कर

महानगर मेट्रो

कोलकत्ता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राज्य की राजनीति एक बार फिर ध्रुवीकरण, आक्रामक चुनाव प्रचार और जटिल सामाजिक समीकरणों के दौर से गुजर रही है। मौजूदा स्थिति में मुकाबला मुख्य रूप से ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सिमटता नजर आ रहा है, जबकि वाम मोर्चा और कांग्रेस भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने में जुटे हैं। चुनावी प्रचार में दोनों प्रमुख दलों की रणनीतियां पूरी तरह अलग दिखाई दे रही हैं। तृणमूल कांग्रेस जहां ह्नबंगाल की बेटीह्न की छवि, क्षेत्रीय अस्मिता और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए मतदाताओं से भावनात्मक जुड़ाव बनाने की कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, औद्योगिक पिछड़ेपन और प्रशासनिक अक्षमता को प्रमुख मुद्दा बनाकर आक्रामक अभियान चला रही है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व, विशेषकर अमित शाह की सक्रियता ने चुनावी माहौल को और तीखा बना दिया है। इस चुनाव में कई अहम मुद्दे भी उभरकर सामने आए हैं। मतदाता सूची के संशोधन को लेकर विवाद ने चुनावी पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं। वहीं नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), एनआरसी, सीमा सुरक्षा और घुसपैठ जैसे मुद्दों ने धार्मिक ध्रुवीकरण को और तेज कर दिया है। इसके अलावा भ्रष्टाचार बनाम कल्याणकारी राजनीति की बहस चुनावी विमर्श का केंद्र बनी हुई है। चुनावी समीकरणों की बात करें तो दक्षिण बंगाल—जिसमें कोलकाता, हावड़ा, हुगली और दक्षिण 24 परगना शामिल हैं—में तृणमूल कांग्रेस की पकड़ मजबूत मानी जा रही है। इसके विपरीत उत्तर बंगाल के कूच बिहार, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग जैसे क्षेत्रों में भाजपा की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत है।

जंगलमहल क्षेत्र को इस बार ह्नस्विंग जोनह्न माना जा रहा है, जहां दोनों दल पूरी ताकत झोंक रहे हैं। वहीं मुर्शिदाबाद और मालदा जैसे अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में टीएमसी का प्रभाव अधिक है, हालांकि कांग्रेस और वाम दल भी यहां कुछ प्रभाव बनाए हुए हैं। जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस अभी बढ़त बनाए हुए है, लेकिन भाजपा धीरे-धीरे अंतर कम कर रही है। अनुमानित वोट शेयर में टीएमसी को 43 से 47 प्रतिशत और भाजपा को 38 से 42 प्रतिशत तक समर्थन मिलने की संभावना जताई जा रही है। सीटों के लिहाज से टीएमसी को 190 से 230 सीटें और भाजपा को 70 से 110 सीटों के बीच रहने का अनुमान है। इस चुनाव के परिणाम को कई महत्वपूर्ण कारक प्रभावित करेंगे। महिला मतदाता इस बार सबसे बड़ा निर्णायक वर्ग माने जा रहे हैं। इसके अलावा युवाओं में रोजगार के मुद्दे, सीमावर्ती क्षेत्रों में धार्मिक ध्रुवीकरण और स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता भी अहम भूमिका निभाएगी। समग्र रूप से देखा जाए तो पश्चिम बंगाल का यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का संघर्ष नहीं है, बल्कि दो अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं का टकराव है।

एक ओर तृणमूल कांग्रेस का कल्याणकारी और क्षेत्रीय मॉडल है, तो दूसरी ओर भाजपा का परिवर्तन और विकास आधारित एजेंडा। अब यह निर्णय मतदाताओं के हाथ में है कि राज्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा।

सोमनी पुलिस की कार्रवाई, शांति भंग करने वाले एक बदमाश पर केस दर्ज

महानगर मेट्रो

राजनांदगांव। जिले के सोमनी थाना क्षेत्र में पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई करते हुए एक बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वाद-विवाद कर क्षेत्र में अशांति फैलाने की आशंका के चलते आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंडर किरो के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।

संभागायुक्त का दौरा, अस्पताल निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

महानगर मेट्रो

साल्हेवारा। जिला के.सी.जी. अंतर्गत ग्राम साल्हेवारा में दुर्ग संभाग के आयुक्त मान सत्यनारायण राठौर ने बीते दिन पहुंचकर विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। दौरे के दौरान आयुक्त राठौर ने सबसे पहले साल्हेवारा में निमार्णाधीन 50 बिस्तर वाले नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय उन्होंने वहां पदस्थ एमबीबीएस डॉक्टर प्रकाश वर्मा को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इसके बाद आयुक्त ने साल्हेवारा तहसील कार्यालय का भी निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित एसडीएम अविनाश ठाकुर को शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान हल्का पटवारी राजेन्द्र साहू, साल्हेवारा सरपंच दसरथ पटेल तथा लैब टेक्नीशियन प्रवीण गायकवाड सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे। आयुक्त के इस निरीक्षण से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, वहीं स्थानीय लोगों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं के शीघ्र उपलब्ध होने की आशा बढ़ी है।

युवा मोर्चा मंडल साल्हेवारा की नई कार्यकारिणी का विस्तार

महानगर मेट्रो

साल्हेवारा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देश एवं भाजपा जिलाध्यक्ष विशेषर साहू तथा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष आयश सिंह बोनी भाजपा मंडल अध्यक्ष शत्रुहन साहू, भाजपा मंडल महामंत्री महेंद्र यादव की अनुशंसा पर साल्हेवारा मंडल युवा मोर्चा के अध्यक्ष चमन वर्मा ने अपनी नई कार्यकारिणी का विस्तार किया है। नई कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर युवाओं को जिम्मेदारी दी गई है। जिसमें उपाध्यक्ष पद पर राजेश पटेल, ओमप्रकाश वर्मा, दीपू मानिकपुरी और मुकेश साहू को शामिल किया गया है। वहीं महामंत्री पद पर उमेश मरकाम एवं करण पटेल को जिम्मेदारी दी गई है। मंत्री पद पर नोहर सोनवानी, तेजूराम मार्ते, अभिषेक श्रीवास्तव एवं धर्मेश सिन्हा को शामिल किया गया है। कोषाध्यक्ष के रूप में सुरेश यादव को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा सोशल मीडिया प्रभारी पवन मरावी एवं मीडिया प्रभारी खेम साहू को बनाया गया है। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद संगठन में उत्साह का माहौल है और युवा कार्यकर्ता पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। इस विस्तार का उद्देश्य संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना, भाजपा की विचारधारा को युवाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना तथा कार्यकताओं में ऊर्जा और समर्पण को बढ़ावा देना बताया गया है।

ठाणे के वर्तक नगर में अपराध का 'समानांतर शासन'? सरकारी इमारत में जुआ, ड्रग्स और अवैध गतिविधियों का खुलासा

महानगर मेट्रो

ठाणे। यहां के वर्तक नगर क्षेत्र से सामने आई एक विशेष खोजी रिपोर्ट ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्र में कथित तौर पर संगठित अपराध का नेटवर्क सक्रिय है, जो खुलेआम अवैध गतिविधियों को अंजाम दे रहा है और कानून-व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। सबसे बड़ा खुलासा जिला उद्योग केंद्र की इमारत को लेकर हुआ है, जिसे औद्योगिक विकास और रोजगार के उद्देश्य से बनाया गया था। आरोप है कि यह सरकारी इमारत अब जुए, नशीले पदार्थों और अन्य अवैध गतिविधियों का केंद्र बन चुकी है। यदि ये आरोप सही हैं, तो यह न केवल सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग का मामला है, बल्कि प्रशासनिक निगरानी पर भी गंभीर सवाल उठाता है। जांच में यह भी सामने आया है कि इस कथित नेटवर्क के तार अन्य राज्यों, विशेषकर गुजरात से जुड़े हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, कुछ बाहरी तत्व स्थानीय सहयोगियों के साथ मिलकर वित्तीय लेन-देन और अवैध कारोबार को संचालित कर रहे हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि यह मामला केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि एक बड़े संगठित तंत्र का हिस्सा हो सकता है। इस पूरे प्रकरण में पुलिस की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों की जानकारी होने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। देर रात तक खुले रहने वाले प्रतिष्ठान, नशीले पदार्थों की कथित उपलब्धता और अन्य नियमों के उल्लंघन को लेकर भी प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके अलावा, इलाके में जुए के अड्डों के संचालन और कथित रूप से प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता की भी चर्चा है, जिससे सामाजिक और आर्थिक स्तर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। यह मामला केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा हुआ है। आवश्यकता है कि संबंधित एजेंसियां इन आरोपों की निष्पक्ष और गहन जांच करें तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो यह स्थिति और गंभीर रूप ले सकती है, जिससे जनता का विश्वास व्यवस्था से उठ सकता है।

विशेष पड़ताल में चौंकाने वाले आरोप
जिला उद्योग केंद्र बना कथित अपराध का अड्डा; पुलिस की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

चुनावी बयानों का मेडिकल बुलेटिनः ममता बनर्जी और अमित शाह के बीच जुबानी जंग तेज

महानगर मेट्रो

पुरुलिया/कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति अपने चरम पर है। रविवार को पुरुलिया में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लगाए गए आरोपों का कड़ा जवाब दिया। यह विवाद ममता बनर्जी के पैर में लगी चोट और उस पर पट्टी बांधकर प्रचार करने को लेकर शुरू हुआ है।

अमित शाह का तंजः 'चुनाव आते ही पैर में चोट'

हाल ही में एक चुनावी रैली के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिना नाम लिए ममता बनर्जी पर निशाना साधा था। शाह ने कहा था, "दीदी, आप घबराइए मत, आप सुरक्षित हैं। चुनाव आते ही दीदी का पैर टूट जाता है और वो व्हीलचेयर पर आ जाती हैं। यह जनता की सहानुभूति बटोरने का एक पुराना 'विक्टिम कार्ड' है।" शाह के इस बयान ने राज्य की राजनीति में भूचाल ला दिया था।

ममता का पलटवारः 'मैं मौत से लड़कर आई हूं'

पुरुलिया की जनसभा में ममता बनर्जी ने अपना आपा खोए बिना लेकिन बेहद सख्त लहजे में जवाब दिया। उन्होंने अपनी चोट को 'राजनीतिक स्टंट' बताने वालों पर बरसते हुए कहाः

"मौत को करीब से देखा है": ममता ने कहा, "बीजेपी के लोग कहते हैं कि मैं सहानुभूति के लिए पट्टी बांधकर घूम रही हूं। उन्हें शर्म आनी चाहिए। मैंने जो शारीरिक पीड़ा सही है, वह मौत के मुंह से वापस आने जैसा है। यह कोई नाटक नहीं है।"

"डॉक्टर की रिपोर्ट देख लें": मुख्यमंत्री ने चुनौती भरे अंदाज में कहा कि यदि अमित शाह या बीजेपी को मेरी चोट पर संदेह है, तो वे अस्पताल के मेडिकल बुलेटिन और डॉक्टर की रिपोर्ट को देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है।

जनता की अदालतः उन्होंने पुरुलिया की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी बाहरी लोगों की पार्टी है और वे बंगाल की महिलाओं का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "क्या एक घायल महिला को इस तरह अपमानित करना बंगाली संस्कृति है?"

राजनीतिक गलियारों में चर्चा

ममता बनर्जी की इस प्रतिक्रिया ने चुनावी समीकरणों को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी इस मुद्दे को 'बंगाली स्वाभिमान' और 'महिला सम्मान' से जोड़कर मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश कर रही हैं। वहीं, बीजेपी इसे एक 'बहाने' के रूप में पेश कर यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि टीएमसी अपनी विफलताएं छुपाने के लिए भावनात्मक मुद्दों का सहारा ले रही है।

महानगर मेट्रो की राय

चुनाव आयोग की नजरें इन बयानों पर टिकी हैं। यह स्पष्ट है कि जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, राजनीतिक मयार्दाएं भी कम होती जा रही हैं। देखना यह होगा कि जनता इस 'विक्टिम कार्ड' और 'मेडिकल रिपोर्ट' की राजनीति पर किसका साथ देती है।

स्वर्ण दुर्गा मंदिर में नवदुर्गा महापूजा सम्पन्न, सेल्फ अवेकनिंग मिशन ट्रस्ट के तत्वावधान में हुआ आयोजन

महानगर मेट्रो

टोंक। हाईवे स्थित स्वर्ण दुर्गा मंदिर में शनिवार, 28 मार्च 2026 को Self Awakening Mission Trust, नई दिल्ली के तत्वावधान में भव्य नवदुर्गा महापूजा, महायज्ञ, कन्या पूजन एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व श्री संजीव मलिक के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नवदुर्गा महापूजा और महायज्ञ से हुई। पंडित नरेन्द्र शर्मा के सानिध्य में विद्वान पंडितों द्वारा विधि-विधानपूर्वक हवन और पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और मां दुर्गा के जयकारों से माहौल गुंजायमान हो उठा।

मंदिर के पुजारी राजाराम गौत्तम ने संपूर्ण आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। उन्होंने बताया कि नवरात्रि के पावन अवसर पर कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है, जिसे श्रद्धा और आस्था के साथ निभाया गया। कार्यक्रम के दौरान छोटी कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन करवाया गया तथा वस्त्र और स्टेशनरी सामग्री का वितरण भी किया गया।

कन्या पूजन के दौरान श्रद्धालुओं ने कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनके चरण स्पर्श किए और आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर सैकड़ों कन्याओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। आयोजन के अंत में मां भगवती के चरणों में विश्व शांति, समृद्धि और जनकल्याण की प्रार्थना की गई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों को समाज में सकारात्मक ऊर्जा और संस्कारों के प्रसार का माध्यम बताया।

कार्यक्रम ने न केवल भक्ति और श्रद्धा का संदेश दिया, बल्कि सेवा और संस्कार की भावना को भी मजबूत किया। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर आयोजित यह महोत्सव क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र रहा।

रघुनाथ मंदिर में रामनवमी महोत्सव का भव्य समापन

महानगर मेट्रो

टोंक। बड़ा तख्ता स्थित श्री रघुनाथ जी मंदिर में रामनवमी महोत्सव के तहत शनिवार को समापन कार्यक्रम का आयोजन भक्ति और उल्लास के साथ किया गया।

इस अवसर पर भजन रसिकों द्वारा बधाई भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिसका उपस्थित श्रद्धालुओं ने भाव-विभोर होकर आनंद लिया।

कार्यक्रम में भजन सम्राट मोहन लाल सोनी सहित मुन्ना नामा, बद्रीनारायण सोनी, महेंद्र बंसल, राजू बंसल, मोनू बंसल, विजयरत्न सोनी, नरेश सोनी, विष्णु अग्रवाल, महेश (जग्गू) सोनी, अर्जुन सोनी, कलावती जी, धनराज कवर, ललिता सोनी, रेखा, सीमा, रीतू, पूनम सहित सैकड़ों रामभक्त उपस्थित रहे। समापन कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के जयकारों के साथ महोत्सव का समापन किया।

मेष ARIES (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — आज का दिन आनंददायक सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। प्रभावशाली लोगों से बातचीत बहुत ही सकारात्मक रहेगी।	**वृष** TAURUS (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो) — वृषभ राशि वालों के लिए समय के अनुसार अपने व्यवहार में बदलाव लाना जरूरी है। बच्चों के साथ व्यवहार करते समय उन्हीं के नजरिए से देखना उचित रहेगा।
मिथुन GEMINI (का की कू घ ङ छ के को हा) — जातकों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। जीवन से जुड़े कुछ बदलाव होंगे।सहकर्मियों के साथ तालमेल मजबूत रहेगा।	**कर्क** CANCER (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — कर्क राशि के जातकों को आज के दिन व्यवसाय में फायदा मिलने के अवसर प्राप्त होंगे। पैसों से संबंधित मामलों में भी प्रगति होगी।
सिंह LEO (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आज का दिन मिश्रित रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी भी प्रकार का मतभेद हो सकता है।पिछली कुछ गलतियों से सीख कर आप अपनी कार्यप्रणाली में कुछ परिवर्तन लाएंगे।	**कन्या** VIRGO (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा काम लेकर आएगा। जीवनसाथी की ओर से सहयोग मिलेगा। घर के सदस्यों में आपसी तालमेल प्रेम पूर्ण बना रहेगा।
तुला LIBRA (रा री रू रे रो ता ती तू ते) — तुला राशि के लोगों के लिए आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको आपके फंसे हुए पैसे वापस मिल सकते हैं।नौकरी में आपके बेहतरीन कार्य की सराहना होगी।	**वृश्चिक** SCORPIO (तो ना नी नू ने नो या यी यू) — वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। सहकर्मियों के साथ विवाद हो सकता है।काम में नेतृत्व, योजना और तेज निर्णय की अपेक्षा रहेगी।
धनु SAGITTARIUS (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आप अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अधिक मेहनत करेंगे।जीवनसाथी आपकी किसी सख्त बात को गलत समझ सकते हैं, इसलिए संवाद को शांत रखें।	**मकर** CAPRICORN (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं और आज आपका अपने जीवनसाथी के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।
कुंभ AQUARIUS (गु गो सा सी सू से सो दा) — आज के दिन आप किसी भी प्रकार की यात्रा या प्रवास पर जा सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।काम में सफलता मिलेगी।	**मीन** PISCES (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — मीन राशि के लोगों के लिए आज का दिन आनंद लेकर आएगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में पार्टनर के साथ सामंजस्य बढ़ सकता है।

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है।

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है। लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

चिकित्सा और बीमा-दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो मूलतः मानव जीवन की सुरक्षा, राहत और सेवा से जुड़े हुए माने जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज ये दोनों क्षेत्र आमजन के लिए सबसे अधिक जटिल, महंगे और अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। एक ओर रियायती जमीन पर बने निजी अस्पताल गरीबों को मुफ्त इलाज देने के अपने दायित्व से बचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा के नाम पर बीमा कंपनियां ऐसी शर्तें और प्रक्रियाएं थोप देती हैं कि जरूरत के समय मरीज को बीमा का लाभ मिलना कठिन हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतीक बनती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के रियायती जमीन पर बने अस्पतालों को नोटिस जारी करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने जैसा है। जब अस्पताल रियायती जमीन लेते समय गरीबों के इलाज का वायदा करते हैं, तो वह केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि लाभ तो निजी अस्पताल उठा रहे हैं और दायित्व निभाने से बच रहे हैं। यही स्थिति बीमा क्षेत्र में भी दिखाई देती है, जहां पॉलिसी बेचते समय बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं, लेकिन क्लेम के समय छोटी-छोटी तकनीकी वजहों से दावे खारिज कर दिए जाते हैं।

आम आदमी सालों तक प्रीमियम भरता रहता है, लेकिन जरूरत के समय उसे राहत नहीं मिलती। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है। जिस प्रकार अदालत ने अस्पतालों से जवाब मांगा है, उसी प्रकार बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी सख्त निगरानी और स्पष्ट नियम बनने चाहिए, ताकि बीमा वास्तव में सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल। सरकारों की जिम्मेदारी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके क्रियान्वयन की सख्त निगरानी भी होनी चाहिए। यदि रियायती जमीन लेने वाले अस्पताल गरीबों का मुफ्त इलाज नहीं करते तो उनसे जमीन का बाजार मूल्य वसूला जाना चाहिए या उनकी मान्यता पर पुनर्विचार होना चाहिए। इसी तरह बीमा कंपनियों को भी क्लेम प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। स्वास्थ्य और बीमा दोनों ही आम आदमी की जीवन सुरक्षा से जुड़े विषय हैं, इसलिए इनमें मुनाफाखोरी की मानसिकता पर नियंत्रण आवश्यक है। यदि सरकार, न्यायपालिका और नियामक संस्थाएं मिलकर सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित करें, तो चिकित्सा और बीमा दोनों क्षेत्रों में आमजन का विश्वास फिर से स्थापित हो सकता है। अन्यथा सेवा के ये क्षेत्र केवल व्यवसाय बनकर रह जाएंगे और गरीब आदमी इलाज और बीमा दोनों के बीच पिसता रहेगा।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

भारत में 'तेल आपातकाल' नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद और विमर्श किया। यह हमारे लोकतंत्र का संघीय चरित्र है। प्रधानमंत्री ने ईरान युद्ध से उपजे पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक हालात पर चर्चा की होगी। ऐसे ही संघीय संवाद कोरोना महामारी के दौरान भी किए गए थे। तब एक खास किस्म का विषैला, जानलेवा संक्रमण दुनिया भर में फैला था। भारत में लॉकडाउन के साथ-साथ कई सख्त कदम भी उठाए गए थे। हमारी अर्थव्यवस्था नकारात्मक हो गई थी। बेहद भयावह माहौल और हालात थे। बहरहाल आज वैसे हालात नहीं हैं। तेल-गैस, उर्वरक आदि की आपूर्ति अवरुद्ध हुई है, लिहाजा किल्लत महसूस हो रही है। कुछ संकट का दौर तो है। अफवाहों और दुष्प्रचार की ह्यकाली भेड़ोंह्व ने लॉकडाउन की फर्जी खबरें चलाना भी शुरू कर दिया है। मीडिया के एक वर्ग में यह विश्लेषण भी छापा गया कि देश में तेल-गैस का स्टॉक मात्र 7-9 दिन का है। शायद उसी से आम आदमी घबराया है और पेट्रोल पंपों पर जन-सैलाब की स्थितियां हैं। मारा-पीटी भी हुई है। पुलिस पर भी प्रहार किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने हकीकत का खुलासा किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस (एलपीजी) का 60 दिन का स्टॉक सुरक्षित है। अगले 60 दिन के कच्चे तेल की बुकिंग सरकार ने कर ली है। करीब 8 लाख टन एलपीजी कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं। वे रूस, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों से आ रहे हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, रूस आदि देशों से कच्चा तेल आ रहा है। यह आपूर्ति 60 दिन के लिए सुनिश्चित कर ली गई है। देश के एक लाख पेट्रोल पंपों में से एक पर भी पेट्रोल-डीजल खत्म नहीं हुए हैं। लगातार सप्लाई जारी है। देश में करीब 3.3 करोड़ मीट्रिक टन एलपीजी की सालाना खपत होती है और हमारी रिफाइनरियां हररोज औसतन 50,000 टन एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं। उत्पादन 40 फीसदी बढ़ाया गया है। यदि जमाखोर, कालाबाजारी, मुनाफाखोर, चोर-लुटेरे, देश-विरोधी लोग सरकार के इस खुलासे से आश्वस्त नहीं हैं, तो देश में दूसरा कौनसा वैकल्पिक माध्यम है, जो तेल-गैस की अपडेट वस्तुस्थिति देश को बता सके? आप सरकार-विरोधी, प्रधानमंत्री-विरोधी, नीति-विरोधी हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दुराग्रह भारत-विरोध की हद तक नहीं पहुंचना चाहिए।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं।

वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

आसमान से गिरे, खजूर में अटके ट्रंप

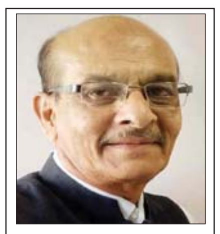

सनत जैन

बड़बोले ट्रम्प को ईरान ने दिखाया आईनाह्व राजनीति में ताकत का प्रदर्शन ही सबसे बड़ी रणनीति माना जाता है। इतिहास गवाह है, अति-आत्मविश्वास कई बार सबसे बड़ी कमजोरी और नुकसान का करण बन जाता है। वर्तमान में कुछ ऐसी ही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संदर्भ में देखने को मिल रही है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से उन्होंने दुनिया के देशों को टैरिफ युद्ध के माध्यम से हड़काकर स्वयंभू शांतिदूत के रूप में सारी दुनिया में स्थापित होना चाह रहे थे। 1 साल में ही वह ह्यआसमान से गिरे, खजूर में अटकेह्व वाली कहावत को चरितार्थ करते नजर आ रहे है। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में खुद को एक आक्रामक और निर्णायक नेता के रूप में सारे विश्व के देशों पर अपना वर्चस्व बनाने की कोशिश कर रहे थे। वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। मध्य-पूर्व देशों की जटिल राजनीति में उनका यह रवैया पिछले 1 वर्ष में चचाओं में बना रहा। इजराइल और फिलिस्तीन की लड़ाई में वह इजरायल के पक्ष में खड़े थे। गाजा में हजारों मासूम बच्चों और महिलाओं की हत्या हुई। रूस और यूक्रेन के युद्ध में वह नाटो देश और अमेरिका के मित्र देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे, इसका असर सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला। इसराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव और इजराइल के साथ उनकी नजदीकी ने हालात को पेचीदा बना दिया है। इजराइल और ईरान के युद्ध मे अमेरिका को झोंक देने के कारण समय-समय पर तरह-तरह की बयानबाजी करने से आज ट्रंप सारी दुनिया में अलग-थलग पढ़ते चले जा रहे हैं।

कहा जाता है, ह्यऊंट जब पहाड़ के नीचे आता है तब उसे अपनी असलियत समझ आती है। ट्रंप के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। जो नेता खुद को विश्व राजनीति का निर्णायक मानकर अहंकार दिखा रहा था, अपने आपको दुनिया का सर्वशक्तिमान मानकर चल रहा था, आज वही ट्रम्प ऐसी स्थिति में फंस गये हैं, जहां से वह आगे भी नहीं बढ़ पा रहे हैं और नाही पीछे हट पा रहे हैं। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह स्थिति ह्यधोबी का कुत्ता, न घर का न घाट काह्व जैसी होती हुई दिख रही है।

मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष ने सवाल खड़ा कर दिया है। क्या अमेरिका अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहा है, या वह इजरायल के हितों के कारण स्वयं और अमेरिका को उलझाता जा रहा है। ईरान की ओर से हाल ही में मुस्लिम देशों को दिया गया संदेश इस पूरे परिदृश्य मे अमेरिका की स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। अरब देशों के साथ अमेरिका का कई दशकों से सुरक्षा संबंधी समझौता था। खाड़ी के अधिकांश देशों में अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बनाए हुए थे। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पूरा कारोबार डॉलर मुद्रा में होता था, जिसके कारण अमेरिका का एकाधिकार था। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को तबाह किया है, उसने असलियत सामने ला दी है। खाड़ी देशों को ईरान ने चेतावनी दी है वे अमेरिका की मदद नहीं करें। ईरान ने इस्लामी ब्रदरहुड की भावना को जागृत करते हुए कहा है जो देश अपनी जमीन को ईरान के ऊपर हमला करने के लिए उपलब्ध नहीं कराएंगे उनसे ईरान की कोई दुश्मनी नहीं है। हम सब मिलकर काम करेंगे। अमेरिका की दादागिरी नहीं सहेंगें। अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं या आक्रामक बयानों से नहीं चलती है। इसमें संतुलन, कूटनीति और दीर्घकालिक सोच और लाभ-हानि की आवश्यकता से जुड़ी होती है। ट्रंप की नीतियाँ, उनके तरह-तरह के बयान, धमकी तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए जो दादागिरी और अहंकार कर रहे थे, ईरान ने अब उस पर तगड़ा वार किया है। अमेरिका ने जिन देशों को सुरक्षा देने का वचन दिया था वह सुरक्षा तो अमेरिका कर नहीं पाया। इस स्थिति में उठ रहे सवाल इसी बात की ओर इशारा करते हैं। केवल शक्ति प्रदर्शन से ना तो किसी देश पर कब्जा किया जा सकता है, नाही किसी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने क्या सोचकर ईरान के ऊपर हमला किया था यह तो अमेरिका और इजराइल ही जानते हैं लेकिन अब जिस तरीके की स्थिति बन गई है, उसमें ट्रंप ना तो वहां से निकल पा रहे हैं और आगे बढ़ने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। वर्तमान स्थिति का घटनाक्रम अहंकारी राजनेताओं को महत्वपूर्ण सीख देता है। राजनीति और सत्ता के वैश्विक मंच पर हर कदम को सोच-समझकर उठाना जरूरी होता है। बड़बोलेपन और अहंकार की राजनीति लंबे समय तक टिक नहीं पाती है। जब हकीकत सामने आती है, तो सबसे ताकतवर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भी असहज स्थिति में फंसते हैं। इस युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है, अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अमेरिका का आर्थिक संकट बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब उन्हें अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। उनके लिए अब राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। युद्ध के लिए अर्थतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश से उन्हें इस तरह की चुनौती मिलेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो यह दोनों कहावतें सत्य होती प्रतीत हो रही हैं।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

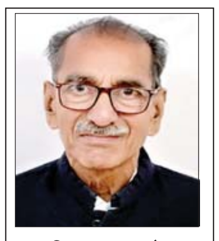

विजय कुमार जैन

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 30 मार्च दिन सोमवार को मना रहे हैं। भगवान महावीर का 2552 वाँ निवार्णोत्सव हमने कार्तिक कृष्णा अमावस्या 21अक्टूबर 25 मंगलवार को मनाया है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो विगत वर्षों सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज थी, हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कव्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।

युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2625 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,मध्य पूर्व में चल? रहे भयाभय युदू,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की एकाधिकार नीति से पूरी दुनिया पर निरंकुश भावना पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निवार्णोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।

भगवान महावीर के उपदेश को जैन धर्म की मेरी भावना नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं:-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

(लेखक स्थायी अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक है)

CMYK

अधिकारी बनकर वसूली करने वाले गिरोह का भंडाफोड़,

कुशीनगर पुलिस ने दो को पकड़ा

महानगर मेट्रो

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के पटहेरवा थाना क्षेत्र में पुलिस ने फर्जी जीएसटी अधिकारी बनकर ट्रक चालकों से अवैध वसूली करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। मामले में दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक और कार भी बरामद की गई है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है। ट्रक चालक से वसूली मामे में इस प्रकार के एक्शन की बात सामने आई है।

क्या है पूरा मामला?

कुशीनगर के पटहेरवा थाना क्षेत्र में फर्जी जीएसटी अधिकारी बनकर ट्रक चालकों से वसूली का मामला सामने आया। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों गोविंद शर्मा और संदीप यादव को गिरफ्तार किया है। आरोपी एनएच–28 पर ट्रकों को रुकवाकर जीएसटी चेकिंग के नाम पर पैसे मांगते थे। हरियाणा से नेपाल जा रहे ट्रक चालक से 1.80 लाख रुपये मांगने की शिकायत पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने बाइक एवं कार बरामद कर अन्य साथियों की तलाश शुरू कर दी है।

चालक की तहरीर पर खुलासा

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त बाहरी राज्यों से गुजरने वाले ट्रकों को निशाना बनाते थे। ये लोग पहले ट्रकों की फोटो खींचकर उनके नंबर नोट कर लेते थे। इसके बाद चालक को फोन कर खुद को जीएसटी अधिकारी बताते थे। इसके बाद एनएच–28 पर वाहन रुकवाकर जीएसटी चेकिंग के नाम पर डराते–धमकाते हुए मोटी रकम की मांग करते थे। मामले का खुलासा तब हुआ, जब हरियाणा से नेपाल जा रहे एक ट्रक चालक को आरोपियों ने फोन कर जीएसटी जांच का हवाला देते हुए 1.80 लाख रुपये की मांग की। चालक को शक होने पर उसने थाना पटहेरवा में शिकायत दर्ज कराई। मुकदमा दर्ज होते ही पुलिस सक्रिय हुई। सर्विलांस एवं मुखबिर की मदद से आरोपियों की पहचान कर दबिश दी। फर्जी जीएसटी अफसर बनकर वसूली मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ट्रक चालकों और परिवहन से जुड़े लोगों से अपील की है कि अगर कोई खुद को अधिकारी बताकर वसूली करने का प्रयास करे तो तुरंत नजदीकी थाने को सूचना दें। जयंत यादव, सीओ

दो आरोपी किए गए गिरफ्तार

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान गोविंद शर्मा और संदीप यादव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे संगठित तरीके से गिरोह बनाकर ट्रक चालकों से अवैध वसूली करते थे। पुलिस ने उनके पास से घटना में इस्तेमाल की गई बाइक और कार भी बरामद कर ली है। क्षेत्राधिकारी जयंत यादव का कहना है कि गिरोह के मास्टरमाइंड दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

पूर्व अग्निवीरों के लिए खुशखबरी!

दिल्ली पुलिस में मिलेगी भर्ती, वो भी बिना फिजिकल टेस्ट

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस में भर्ती को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है. गृह मंत्रालय की नई अधिसूचना के मुताबिक अब कॉन्स्टेबल (एग्जीक्यूटिव) के 20 प्रतिशत पद पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित होंगे. यह फैसला दिल्ली पुलिस (नियुक्ति और भर्ती) नियम, 1980 में संशोधन के तहत लागू किया गया है. इसका मकसद सेना में चार साल की सेवा पूरी कर चुके अग्निवीरों को सुरक्षा बलों में समायोजित करना है.

नियमों के अनुसार, पूर्व अग्निवीरों को भर्ती में अधिकतम उम्र सीमा में तीन साल की छूट दी जाएगी. फिलहाल कॉन्स्टेबल पद के लिए आयु सीमा 18 से 25 वर्ष है. वहीं, अग्निवीर योजना के पहले बैच के उम्मीदवारों को अतिरिक्त पांच साल की छूट मिलेगी, जिससे उनकी अधिकतम उम्र सीमा 30 साल तक हो सकती है.

न्यूज एजेंसी के मुताबिक सबसे बड़ी राहत यह है कि पूर्व अग्निवीरों को फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट से छूट दी गई है. यह भर्ती प्रक्रिया का सबसे कठिन चरण माना जाता है, जिसमें दौड़ जैसे शारीरिक परीक्षण शामिल होते हैं. हालांकि, उन्हें फिजिकल मेजरमेंट और मेडिकल जांच के नियमों का पालन करना होगा, जो सभी उम्मीदवारों के लिए समान रहेंगे.

गौरतलब है कि इससे पहले दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी. अब तक दिल्ली पुलिस में कॉन्स्टेबल की भर्ती 100% सीधे तौर पर की जाती थी, लेकिन इस बदलाव के बाद पूर्व अग्निवीरों को प्राथमिकता दी जाएगी. यह कदम केंद्र सरकार की उस व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसमें अग्निवीरों को सेवा के बाद विभिन्न सुरक्षा बलों में रोजगार देने पर जोर दिया जा रहा है.

संभल के कथावाचक के बयान पर सियासी संग्राम

यदुनंदन लाल वर्मा की जीभ काटने पर 50 हजार का इनाम

महानगर मेट्रो

संभल। रामनवमी पर समाजवादी पार्टी नेता यदुनंदन लाल वर्मा की कथित टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद अब तक थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस पूरे प्रकरण में अब नया ट्विस्ट और सामने आया है। संभल के भागवत कथावाचक ऋतुपूर्ण शर्मा ने मंच से विवादित बयान देते हुए यदुनंदन लाल वर्मा की जीभ काटने वाले को 50 हजार रुपये नगद इनाम देने की घोषणा कर दी। कथावाचक का यह बयान सामने आते ही मामले ने और तूल पकड़ लिया। संभल के कथावाचक का बयान व्यासपीठ से सामने आया। बाद में उन्होंने मीडिया से बातचीत दौरान भी अपने बयान को दोहराया। मामले को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से भी गंभीरता से नजर रखी जा रही है।

क्या है पूरा विवाद?

हरदोई के सपा नेता यदुनंदन लाल वर्मा ने भगवान श्रीराम और माता कौशल्या पर अभद्र टिप्पणी की थी। इससे संबंधित वीडियो सोशल

मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही न सिर्फ हरदोई बल्कि आसपास के जिलों में हलचल तेज हो गई। धार्मिक संगठनों में जहां पहले से आक्रोश दिखा। वहीं अब कथावाचक के बयान ने इस पूरे विवाद को और उग्र बना दिया है। दरअसल, सपा नेता यदुनंदन लाल वर्मा की भगवान श्रीराम, माता कौशल्या और देवी–देवताओं पर अमर्यादित टिप्पणी के बाद हरदोई में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला शुरू हो गया। हरदोई पुलिस ने मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए यदुनंदन लाल वर्मा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद भी मामला यहीं शांत होता नहीं दिख रहा है। संभल के कथावाचक ऋतुपूर्ण शर्मा के बयान ने अब इस विवाद को नया आयाम दे दिया है।

कथावाचक के बयान पर माहौल गर्म

कथावाचक के मंच से दिए गए इस ऐलान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई लोग इसे कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बता रहे हैं। वहीं, कुछ लोगों ने इसे भड़काऊ और असंवैधानिक करार दिया है। प्रशासनिक स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। पुलिस का कहना कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

इस बीच समाजवादी पार्टी ने भी यदुनंदन लाल से किनारा कर लिया है। हरदोई के सपा जिलाध्यक्ष ने साफ कर दिया है कि पार्टी इस तरह के बयानों का समर्थन नहीं करती है। उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। यदुनंदन लाल के बयान से उपजे विवाद ने कानून–व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा कर दिया ादुनंदन लाल के बयान से उपजे विवाद ने कानून–व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

निकाह में परोस दिया जहर!

खाना खाते ही 40 से अधिक लोगों बिगड़ी तबीयत, पहुंच गए अस्पताल

महानगर मेट्रो

बाराबंकी। जिले में उस समय हड़कंप मच गया, जब निकाह की दावत खाने से 40 से अधिक लोगों की हालत बिगड़ गई। शादी कार्यक्रम में बने नॉनवेज (मछली, मीट, पुलाव) खाने के कुछ देर बाद से लोगों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द शुरू हो गया। गंभीर रूप से बीमार लोगों को अलग–अलग सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सीएमओ डॉ. अवधेश यादव ने बताया फिलहाल सभी की हालत स्थिर है। जिला अस्पताल में भर्ती लोगों का इलाज जारी है।

क्या है पूरी घटना?

जानकारी के मुताबिक, देवा कोतवाली क्षेत्र के लालापुर गांव निवासी मोहम्मद मुफीद की पुत्री सलमा का निकाह था। निन्दूरा ब्लॉक के खिंझना गांव से बारात आई थी। शनिवार दोपहर करीब 2 बजे शादी की सभी रस्में पूरी होने के बाद भोजन का आयोजन किया गया। इसमें नॉनवेज के कई व्यंजन परोसे गए थे। भोजन करने के लगभग आधे घंटे बाद ही लोगों को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत शुरू हो गई।

निकाह की दावत खाने के बाद देखते ही देखते बीमारों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी। खुशियों का माहौल देखते ही देखते चीख–पुकार में बदल गया। एक–एक कर लोग उल्टी, पेट दर्द और चक्कर की शिकायत के साथ गिरने लगे।

40 अधिक लोग हुए बीमार

खाना खाने के बाद लोगों की हालत बिगड़ते देख परिजनों ने आनन–फानन में करीब 31 लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) देवा में भर्ती कराया। करीब 20 लोगों को निजी अस्पताल और जिला अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचाया गया। जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में मोहम्मद शरिक, मोहम्मद सफात, वारिश, जिया, फाहरुन निशा, मो. अनीश, रफिया, मो. जावेद, रहमा, मो.

इरफान, जब्बार और असमीन रजा, रजिया, जावेद, समीर, सबनम, इरफान, जबीर, अलीम, फैजुर्रहमान, अलीजा, असलम, अरमान, रिजवान सहित अन्य लोग भर्ती कराए गए ।डॉक्टरों ने बताया सभी बीमार मरीजों का प्राथमिक उपचार किया गया। जानकारी के बाद सीएमओ डॉ. अवधेश कुमार यादव सीएचसी देवा पहुंचे। उन्होंने मरीजों का हालचाल जाना।

जांच के लिए भेजे गए खाने के सैंपल

मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर तहसील नवाबगंज एसडीएम और क्षेत्राधिकारी नगर संगम कुमार भी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। प्रशासन ने भोजन के सैंपल जांच के लिए भेजने की बात कही है। पुलिस प्रशासन ने पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद शादी समारोह की खुशियां अचानक चिंता और अफरा–तफरी में बदल गईं।सीएमओ डॉ. अवधेश यादव ने बताया कि मरीजों की हिस्ट्री के आधार पर प्रथम दृष्टया फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आ रहा है। सभी मरीजों को ऑब्जर्वेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है। फिलहाल सभी की हालत स्थिर है। मरीजों की हिस्ट्री के आधार पर प्रथम दृष्टया फूड पॉ–इजनिंग का मामला सामने आ रहा है। सभी मरीजों को ऑब्जर्वेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है। फिलहाल सभी की हालत स्थिर है। डॉक्टरों ने बताया सभी बीमार मरीजों का प्राथमिक उपचार किया गया। जानकारी के बाद सीएमओ डॉ. अवधेश कुमार यादव सीएचसी देवा पहुंचे। उन्होंने मरीजों का हालचाल जाना।

बिना लाइसेंस ढाबा, चाय की दुकान चलाना और सड़कों पर मवेशी बांधने जैसे मामलों में जुर्माना कई गुना बढ़ाया

सड़क पर पेशाब करने और बिना लाइसेंसी दुकानों पर लगेगा भारी जुर्माना

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। दिल्ली में सार्वजनिक जगहों पर पेशाब करना या बिना लाइसेंस के ढाबा या चाय की दुकान चलाना जल्द ही बहुत भारी पड़ने वाला है ।एमसीडी जल्द ही जुमार्ने की व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए जुमार्ने की राशि में कई गुना बढ़ोतरी करने जा रही है, जिसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी पेनल्टी लगेगी। सार्वजनिक स्थानों पर पेशाब करने पर अभी जो 50 रुपये की पेनल्टी लगी है, उसे बढ़ाकर 500 रुपये करने का प्रस्ताव है। इसी तरह बिना लाइसेंस के ढाबे या चाय की दुकानें चलाने पर जुर्मना 100 रुपये से बढ़कर 1000 रुपये हो सकता है, वहीं सार्वजनिक सड़कों पर जानवरों को बांधने या मवेशियों का दूध निकालने पर

जुमार्ना 100 रुपये से बढ़कर 1000 रुपये हो सकता है ।एमसीडी अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, ये बदलाव दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 में प्रस्तावित उन संशोधनों का हिस्सा हैं, जिन्हें लोकसभा में पेश किए गए जनविश्वास विधेयक में शामिल किया गया है। इन संशोधनों का उद्देश्य नाममात्र के जुमार्ने (जिनमें से कुछ 25 रुपये जितने कम थे) की जगह वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप जुमार्ना तय करना है। हालांकि, इन प्रस्तावों में कई छोटे–मोटे नागरिक उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का भी प्रस्ताव है, जिनमें कारावास के प्रावधान भी हटा दिए गए हैं ।प्रस्ताव के मुताबिक, गंदगी फैलाने पर पहली बार चेतावनी और दोबारा उल्लंघन पर 500 रुपये पेनल्टी लगाने का प्रावधान किया गया है।

रात में बॉयफ्रेंड आया... 3 बच्चों की मां से था अफेयर...

घरवालों ने सुबह तक पीटा, मुंह किया काला

महानगर मेट्रो

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा में प्रेमी के साथ जाने पर महिला और उसके प्रेमी को परिवार वालों ने बंधक बनाकर पीटा. इसके बाद दोनों का मुंह काला कर अपमानित किया. इस मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है.इटावा से शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है. यहां एक महिला और उसके प्रेमी को परिवार वालों ने बंधक बना लिया. इसके बाद बेरहमी से पीटा, दोनों का मुंह काला कर पूरे गांव में घुमाने की कोशिश की. इस मामले में पुलिस ने महिला के पति, देवर समेत सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. ये कहानी वैदपुरा थाना क्षेत्र के बर्रा गांव की है. महिला तीन बच्चों की मां है और उसका पिछले करीब पांच साल से मौसी की जेठानी के बेटे से अफेयर चल रहा था. बीती रात करीब एक बजे महिला का प्रेमी उसे अपने साथ ले जाने के लिए गांव पहुंचा था. इसी दौरान परिवार और गांव के लोगों ने दोनों को पकड़ लिया. आरोप है कि इसके बाद दोनों को बंधक बनाकर रातभर मारपीट की गई. महिला और उसके प्रेमी का मुंह काला कर दिया गया और उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया. सुबह होते–होते दोनों को गांव में घुमाने की भी तैयारी थी. इसी बीच किसी ग्रामीण ने पुलिस को सूचना दे दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया. महिला के ससुर का कहना है कि उनके बहू का प्रेम प्रसंग चल रहा था और युवक रात में उसे लेने आया था, तभी गांव वालों ने दोनों को पकड़ लिया. वहीं पड़ोसी ने कहा कि दोनों की पिटाई की गई और उनका मुंह काला किया गया. पड़ोसी ने बताया कि दोनों को पकड़कर रातभर पिटाई की गई और मुंह काला किया गया. सुबह इनको पूरे गांव में घुमाने की चर्चा थी तो गांव के किसी व्यक्ति ने पुलिस को बुला लिया. इसके बाद पुलिस ने उनके घर के लोगों को गिरफ्तार कर लिया है.प्रेमी के जीजा का आरोप है कि मेरे साले को फोन करके बुलाया गया था. उसके बाद घर में बंद करके मारा पीटा और बांध कर डाल दिया. साले का और उस महिला का मुंह काला करके गांव में घुमाया भी है.

ड्रग्स तस्कर बाबू की 80 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त

महानगर मेट

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में पुलिस ने अंतरजनपदीय ड्र् स तस्कर बाबू उर्फ रियाज उर्फ अशफाक की करीब 80 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त कर ली है। यह कार्रवाई ऑपरेशन सवेरा के तहत की गई। इसे प्रदेश में एनडीपीएस एक्ट के तहत अब तक की सबसे बड़ी संपत्ति जब्ती माना जा रहा है।

एसएसपी संजय कुमार वर्मा के अनुसार, आरोपी लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त था और उसने इसी अवैध कारोबार के जरिए करोड़ों की संपत्ति अर्जित की थी। जांच में सामने आया कि उसने यह संपत्तियां अपने परिजनों और रिश्तेदारों के नाम पर खरीद रखी थीं, ताकि कानून की नजर से बच सके। पुलिस ने गहन जांच के बाद इन संपत्तियों का पूरा ब्योरा तैयार कर सक्षम अदालत को भेजा, जिसके बाद 24 मार्च, 2026 को 34 संपत्तियों को जब्त करने के आदेश जारी किए गए।

पुलिस टीम ने कराई मुनादी

एसपी ग्रामीण आदित्य बंसल के नेतृत्व में एक टीम गठित कर इस पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। 26 और 27 मार्च को थाना बुढ़ाना पुलिस ने बरेली और शाहजहांपुर सहित विभिन्न जिलों में पहुंचकर पहले मुनादी कराई और फिर संपत्तियों को कब्जे में लिया।

दिल्ली, बरेली और शाहजहांपुर में दर्ज हैं मुकदमे

आरोपी की जब्त की गई संपत्तियों में कृषि भूमि, प्लॉट, आलीशान मकान, बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स, ईंट भट्टे, शोरूम और वाहन शामिल हैं। ये संपत्तियां मुख्य रूप से बरेली के फरीदपुर और शाहजहांपुर के कटरा क्षेत्र में स्थित बताई जा रही हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ दिल्ली, बरेली और शाहजहांपुर में एनडीपीएस एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं और वहां भी हिस्ट्रीशीटर है। एसएसपी ने बताया कि यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट की धारा 68ऋके तहत की गई है, जिसके अंतर्गत अपराध से अर्जित संपत्तियों को जब्त किया

डेटिंग ऐप से बुलाकर युवक का अपहरण, 7 लाख की लूट

'शेरी' बनकर महिला ने फंसाया शिकार, कार में बंधक बनाकर मारपीट; पांच आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। दक्षिण–पूर्वी इलाके कालकाजी में हनीट्रैप का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां डेटिंग ऐप के जरिए एक युवक को जाल में फंसाकर उसका अपहरण किया गया और फिर मारपीट कर उससे करीब 7 लाख रुपये लूट लिए गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस गिरोह का पदार्फाश कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है ।पीड़ित युवक की पहचान अनुरूप नारूला के रूप में हुई है। शिकायत के अनुसार 25 मार्च को वह डेटिंग ऐप पर ह्यशेरीह्ल नाम की प्रोफाइल से संपर्क में आई महिला से मिलने नेहरू प्लेस पहुंचे थे। तय स्थान पर पहुंचते ही महिला के साथ मौजूद तीन युवकों ने अचानक हमला कर दिया और जबरन उसे कार में बैठाकर अगवा कर लिया।

पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने कार में उसका गला दबाया, बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपियों ने उससे यूपीआई, एटीएम और क्रेडिट कार्ड के जरिए करीब 7 लाख रुपये अपने खातों में ट्रांसफर करवा लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक को नेहरू प्लेस के पास ही छोड़कर फरार हो गए और पुलिस में शिकायत न करने की धमकी भी दी।

घटना के बाद पीड़ित ने हिम्मत जुटाकर कालकाजी थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस

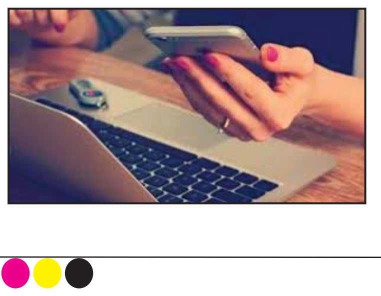

ने गंभीरता से जांच शुरू करते हुए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में एक संदिग्ध वाहन की पहचान हुई, जिसके आधार पर पुलिस ने तकनीकी निगरानी तेज कर दी।

कॉल डिटेल रिकॉर्ड, ऑनलाइन लेनदेन, फास्टैग और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण से पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। इसके बाद अलग–अलग स्थानों पर छापेमारी कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों में ऋषभ, नबोजीत डे, संजय उर्फ जोई, हरलीन कौर उर्फ जेनी और साहिल चौहान शामिल हैं।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि हरलीन कौर ही ह्यशेरीह्ल बनकर डेटिंग ऐप पर लोगों को फंसाती थी। वह उन्हें मिलने के लिए बुलाती और उसके साथी मौके पर पहुंचकर लूटपाट की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो कारें और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं ।पुलिस के अनुसार लूटी गई रकम का पूरा वित्तीय रिकॉर्ड भी आरोपियों के खातों में ट्रैक कर लिया गया है। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है और इस गिरोह से जुड़े अन्य संभावित सदस्यों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो कारें और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं ।पुलिस के अनुसार लूटी गई रकम का पूरा वित्तीय रिकॉर्ड भी आरोपियों के खातों में ट्रैक कर लिया गया है। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है और इस गिरोह से जुड़े अन्य संभावित सदस्यों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो कारें और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं ।पुलिस के अनुसार लूटी गई रकम का पूरा वित्तीय रिकॉर्ड भी आरोपियों के खातों में ट्रैक कर लिया गया है। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है

नागपुर में बदमाशों पर सख्त कार्रवाई: गाड़ियों की तोड़फोड़ करने वालों की सड़कों पर परेड

महानगर मेट्रो

नागपुर। नागपुर के हिंगना इलाके में वाहनों की तोड़फोड़ कर आतंक फैलाने वाले बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने कड़ा संदेश देने वाली कार्रवाई की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की उसी इलाके में सरेआम पैदल परेड निकाली गई और उनसे हाथ जोड़कर लोगों से माफी मंगवाई गई।

मामला हिंगना थाना क्षेत्र के इंदिरा माता नगर का है, जहां 23 मार्च की रात कुछ कुख्यात बदमाशों ने सुनियोजित तरीके से खड़ी गाड़ियों को निशाना बनाया। आरोपियों ने कई वाहनों के शीशे तोड़े, बॉडी पर लात-घूंसे मारकर भारी नुकसान पहुंचाया और इलाके में दहशत फैलाने की कोशिश की। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी, जिसके बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ गया।

पुलिस ने फुटेज के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी पहले से ही आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे हैं और उनके खिलाफ हत्या, अवैध वसूली समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने एक अलग रणनीति अपनाई। रविवार को आरोपियों को उसी इलाके में ले जाकर सड़कों पर घुमाया गया, जहां उन्होंने तोड़फोड़ की थी। इस दौरान आरोपियों से हाथ जोड़कर स्थानीय लोगों से माफी मंगवाई गई।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आरोपियों को सजा देना नहीं, बल्कि इलाके में फैले डर को खत्म करना और आम जनता का कानून पर विश्वास मजबूत करना है।

स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस कार्रवाई का समर्थन किया और कहा कि इससे अपराधियों में भय पैदा होगा। पुलिस ने साफ किया है कि आगे भी इस तरह की घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी, ताकि शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे।जहां 23 मार्च की रात कुछ कुख्यात बदमाशों ने सुनियोजित तरीके से खड़ी गाड़ियों को निशाना बनाया। आरोपियों ने कई वाहनों के शीशे तोड़े, बॉडी पर लात-घूंसे मारकर भारी नुकसान पहुंचाया और इलाके में दहशत फैलाने की कोशिश की। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी, जिसके बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ गया।

पुलिस ने फुटेज के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी पहले से ही आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे हैं और उनके खिलाफ हत्या, अवैध वसूली समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने एक अलग रणनीति अपनाई। रविवार को आरोपियों को उसी इलाके में ले जाकर सड़कों पर घुमाया गया, जहां उन्होंने तोड़फोड़ की थी। इस दौरान आरोपियों से हाथ जोड़कर स्थानीय लोगों से माफी मंगवाई गई।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आरोपियों को सजा देना नहीं, बल्कि इलाके में फैले डर को खत्म करना और आम जनता का कानून पर विश्वास मजबूत करना है।

तहसील कार्यालय बना चर्चा का केंद्र

'बंद' दरवाजे पर बवाल: अंधविश्वास या सुरक्षा कारण?

महानगर मेट्रो

नांदेड़ । जिले के किनवट तहसील कार्यालय का एक बंद दरवाजा इन दिनों चर्चा और विवाद का विषय बन गया है। कई वर्षों से बंद पड़े इस पश्चिमी दरवाजे को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और किसान संगठनों ने प्रशासन पर अंधविश्वास के आधार पर निर्णय लेने का आरोप लगाया है।

ग्रामीणों का कहना है कि तहसील की नई इमारत बनने के बाद से ही यह दरवाजा बंद रखा गया है। शेतकरी संगठन के पदाधिकारी रमेश कदम के अनुसार, यह दरवाजा उस दिशा में है जहां लोगों की दैनिक जरूरतों से जुड़ी दुकानें स्थित हैं। इसके बावजूद दरवाजा बंद होने से आम लोगों को लंबा चक्कर लगाकर पूर्वी प्रवेश द्वार से आना-जाना पड़ता है, जिससे समय और परेशानी दोनों बढ़ रहे हैं। कदम ने आरोप लगाया कि किसी अज्ञात निर्देश के चलते अधिकारियों ने इस दरवाजे को खोलने से मना कर रखा है और यह फैसला अंधविश्वास से जुड़ा हो सकता है। उनका कहना है कि यदि ऐसा है तो यह सरकारी व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है और जनता की सुविधा की अनदेखी है।वहीं जिला प्रशासन ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। अधिकारियों का कहना है कि यह पश्चिमी दरवाजा मुख्य प्रवेश द्वार नहीं है और इसे बंद रखने के पीछे स्पष्ट प्रशासनिक कारण हैं।प्रशासन के अनुसार, इस दरवाजे के पास महिलाओं के लिए शौचालय स्थित है। ऐसे में महिलाओं की सुरक्षा और गोपनीयता को ध्यान में रखते हुए इस दरवाजे को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। अधिकारियों ने साफ कहा कि इसमें किसी भी प्रकार के अंधविश्वास की कोई भूमिका नहीं है। फिलहाल इस मुद्दे ने स्थानीय स्तर पर बहस को जन्म दे दिया है। एक ओर लोग इसे अंधविश्वास से जोड़ रहे हैं, वहीं प्रशासन इसे सुरक्षा से जुड़ा जरूरी कदम बता रहा है

बालाघाट में भीषण हादसा: गड्ढे में गिरी कार बनी आग का गोला, एक ही परिवार के तीन जिंदा जले

महानगर मेट्रो

बालाघाट। जिले में शनिवार देर रात दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक ही परिवार के तीन लोगों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। बैहर-मलाजखंड मार्ग पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरी और देखते ही देखते आग की लपटों में घिर गई।यह हादसा केवलारी चौराहे के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार गिरते ही इंजन में आग लग गई, जो कुछ ही पलों में पूरी गाड़ी में फैल गई। कार के दरवाजे लॉक होने के कारण अंदर बैठे लोग बाहर नहीं निकल सके। इस भयावह हादसे में नगारची केलकर (65), उनकी बहू सविता केलकर (28) और तीन साल के मासूम अभि केलकर की मौके पर ही जलकर मौत हो गई।आग इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह जलकर लोहे के ढांचे में बदल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।इस बीच राहगीरों ने साहस दिखाते हुए बड़ा कदम उठाया। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे लोगों ने जान जोखिम में डालकर कार के शीशे तोड़े और अंदर फंसे तीन लोगों को बाहर निकाला। कार चला रहे सीतम केलकर और उनकी मां नाना बाई गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए गोंदिया रेफर किया गया है। वहीं 8 साल की बच्ची पूर्वी राहांगडाले इस हादसे में सुरक्षित

बच गई, जिसे चमत्कार माना जा रहा है।चीख-पुकार सुनकर पहुंचे लोगों ने जान जोखिम में डालकर कार के शीशे तोड़े और अंदर फंसे तीन लोगों को बाहर निकाला। कार चला रहे सीतम केलकर और उनकी मां नाना बाई गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए गोंदिया रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में आशंका है कि देर रात चालक को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। पेट्रोल वाहन होने से आग तेजी से फैल गई।

100 से ज्यादा शिकायतें, 2 एफआईआर दर्ज

महानगर मेट्रो

नासिक । बलात्कार के आरोपी स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ दो और मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ जांच कर रही विशेष जांच टीम को फोन पर 100 से अधिक शिकायतें मिली हैं। इसके साथ ही, शहर के सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में खरात के खिलाफ कुल 10 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इनमें से आठ यौन उत्पीड़न या शोषण और दो धोखाधड़ी से संबंधित हैं। अशोक खरात को 18 मार्च को एक महिला द्वारा आरोप लगाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। महिला ने आरोप लगाया था कि अशोक खरात ने तीन साल में उसके साथ कई बार बलात्कार किया। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को एक महिला की शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ एक और प्राथमिकी दर्ज की गई।

अशोक खरात के खिलाफ एक और महिला आई आगे

आरोप लगाने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि पति के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण थे

और परिवार आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा था, इसलिए उसने अशोक खरात से सलाह लेने के लिए सपर्क किया था। खरात ने कथित तौर पर उससे कहा था कि अगर वह अपनी समस्याओं का समाधान चाहती है, तो महिला को उसकी हर बात माननी होगी और उसने मार्च 2022 से 2024 के बीच उसका यौन शोषण किया।

कपड़ा कारोबारी ने की अशोक खरात के खिलाफ शिकायत अशोक खरात से काफी समय से महाराष्ट्रके कई प्रमुख राजनेता मिलने आते रहे थे। शुक्रवार को दर्ज की गई दूसरी प्राथमिकी नेवासा के कपड़ा व्यापारी राजेंद्र भागवत द्वारा दायर धोखाधड़ी की शिकायत पर आधारित थी। भागवत ने पुलिस को बताया कि वह अपना कारोबार में तरक्की की चाहत रखता था और एक रिश्तेदार की सलाह पर खरात से मिला था।आरोप है कि खरात ने राजेंद्र भागवत से एक सोने की अंगूठी और कुछ रत्न ले लिए और बदले में उसे एक अंगूठी और एक रत्न देकर पहनने को कहा। भागवत के अनुसार, उन्होंने इसके लिए 2.62 लाख रुपये का भुगतान किया, लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि खरात द्वारा दी गई अंगूठी और रत्न नकली थे, और उनके साथ धोखाधड़ी हुई थी।

पुलिस ने जारी किए हैं नंबर

एसआईटी ने खरात की आपराधिक गतिविधियों के बारे में कोई भी जानकारी देने के इच्छुक लोगों के लिए दो फोन नंबर प्रकाशित किए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एसआईटी को पिछले पांच दिनों में 100 से अधिक शिकायतें मिली हैं, जिनमें से अधिकतर महिलाओं की हैं।

इंदौर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का शुभारंभ, कहा- अकल्पनीय

अब हवाई सुविधाओं का होगा विस्तार

महानगर मेट्रो

इंदौर। सीएम मोहन यादव ने इंदौर में एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का लोकार्पण किया है। यह टर्मिनल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इस टर्मिनल की शुरूआत से इंदौर एयरपोर्ट पर सुविधाओं का विस्तार होगा। सीएम मोहन यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन हमें लोककल्याण का मार्ग दिखाता है। लोकमाता के पद चिन्हों पर चलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम जनसेवा के नए कदम बढ़ा रहे हैं।

हवाई सेवाओं का विस्तार अकल्पनीय

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता ने ही देश के विमानन क्षेत्र का कायाकल्प कर दिया है। प्रधानमंत्री की दूरगामी सोच और दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि आज समाज के हर तबके के लिए हवाई यात्रा संभव हुई है। अब हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई जहाज की यात्रा करने में समर्थ्य हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में हवाई सेवाओं का विस्तार जितनी तेजी से हो रहा है वह अकल्पनीय है। नये टर्मिनल के लोकार्पण कार्यक्रम में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारापु राममोहन नायडू ने भी वर्चुअली शामिल हुए।

लगातार बढ़ रही हैं सेवाएं

मोहन यादव ने कहा कि यात्रियों की सुविधाओं को लगातार बढ़ाया जा रहा है, जिससे हवाई यात्रा और भी अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनेगी। यह नया टर्मिनल इंदौर को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर और मजबूती के साथ प्रतिस्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एयर एंबुलेंस सेवा की शुरूआत भी की गई है, इससे गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को त्वरित उपचार के लिए हायर सेंटर पहुंचाया जा रहा हैं। इंदौर शहर की बेहतरीन हवाई सुविधाओं को अमेरिका क्वॉलिटी काउंसिल ने क्वॉलिटी सर्टिफिकेट से सम्मानित किया है। मुख्यमंत्री यादव ने कांउसिल की ओर से दिया गया क्वालिटी सार्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन इन्दौर एयरपोर्ट के पदाधिकारियों को सौंपकर बधाई दी।

नए टर्मिनल में मिलेंगी यात्रियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं

सीएम ने कहा कि इस नए टर्मिनल में यात्रियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इंदौर पुनर्संरचना परियोजना के तहत करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से हुए विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों से एवं पुरानी टर्मिनल इमारत के नवीनीकरण के बाद अब यह नया टर्मिनल प्रति घंटे लगभग 400 यात्रियों को संभालने में सक्षम हो गया है। इसमें 14 चेक-इन काउंटर्स बनाए गए हैं

25 में से 17 नदी पुल तैयार, नर्मदा और वैतरणा पर सबसे बड़े निर्माण; मुंबई में भूमिगत स्टेशन बन रहा

महानगर मेट्रो

मुंबई। मुंबई से अहमदाबाद तक बनने वाली देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। 508 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर अधिकांश हिस्सों में ऊंचे पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है या अंतिम चरण में है।केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना के तहत कुल 25 नदियों पर पुल बनाए जाने हैं, जिनमें से 17 पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है।गुजरात में इस परियोजना ने सबसे अधिक रफ्तार पकड़ी है। यहां मेश्वा नदी पर 120 मीटर, वात्रक नदी पर 280 मीटर, मोहर नदी पर 160 मीटर और कावेरी नदी पर 120 मीटर लंबे पुल बनकर तैयार हो चुके हैं। वहीं दमन गंगा नदी पर 360 मीटर लंबा पुल भी पूरा हो गया है।इसके अलावा साबरमती नदी पर 480 मीटर लंबा पुल निमार्णाधीन है। माही नदी पर 720 मीटर लंबे पुल के अधिकांश नींव कार्य पूरे हो चुके हैं। खास बात यह है कि नर्मदा नदी पर 1,366 मीटर लंबा विशाल पुल तैयार किया जा रहा है, जो इस परियोजना का एक प्रमुख

आकर्षण होगा। वहीं पूरे रूट का सबसे लंबा पुल वैतरणा नदी पर करीब 2 किलोमीटर लंबा बनाया जाएगा।महाराष्ट्र में इस बुलेट ट्रेन के चार स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में भूमिगत स्टेशन का निर्माण तेजी से चल रहा है और इसकी नींव तैयार हो चुकी है।गुजरात में साबरमती स्टेशन की छत का निर्माण जारी है, जबकि अहमदाबाद सहित अन्य स्टेशनों पर भी काम तेज गति से चल रहा है। इस रूट पर साबरमती, आनंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, बोईसर, विरार और ठाणे जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं।परियोजना पूरी होने के बाद मुंबई से अहमदाबाद के बीच यात्रा समय में भारी कमी आएगी और देश को अत्याधुनिक रेल परिवहन की नई पहचान मिलेगी।गुजरात में साबरमती स्टेशन की छत का निर्माण जारी है, जबकि अहमदाबाद सहित अन्य स्टेशनों पर भी काम तेज गति से चल रहा है। इस रूट पर साबरमती, आनंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, बोईसर, विरार और ठाणे जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं।परियोजना पूरी होने के बाद मुंबई से अहमदाबाद के बीच यात्रा समय में भारी कमी आएगी और देश को अत्याधुनिक रेल परिवहन की नई पहचान मिलेगी।

बिना ड्राइवर के 100 मीटर दौड़ा शराब से भरा ट्रक, बैंक की कैश वैन को मारी टक्कर

महानगर मेट्रो

शाजापुर। जिले के शुजालपुर शहर में शनिवार सुबह एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वाकया सामने आया। यहां रोकड़िया हनुमान मंदिर चौराहे के पास शराब से भरा एक ट्रक बिना ड्राइवर के ही करीब 100 मीटर तक सड़क पर दौड़ता रहा। इस मानवरहित ट्रक ने बैंक ऑफ इंडिया के बाहर खड़ी एक कैश वैन को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत रही कि सुबह का वक्त होने के कारण सड़क पर भीड़ कम थी, जिससे एक बड़ा नरसंहार टल गया।ड्राइवर की छोटी सी भूलघटना सुबह करीब 7 बजे की है, जब आबकारी

विभाग के गोदाम पर शराब की सप्लाई लेकर दो ट्रक पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार, एक ट्रक का ड्राइवर वाहन को न्यूट्रल गियर में ही छोड़कर नीचे उतर गया और दूसरे ट्रक के स्टाफ से बात करने लगा। इसी बीच, ढलान पाकर ट्रक अचानक लुढ़कने लगा। क्लीनर ने ट्रक को रोकने के लिए पीछे दौड़ भी लगाई, लेकिन भारी-भरकम वाहन बेकाबू होकर आगे बढ़ता गया।**कैश वैन के उड़े परखच्चे** बिना ड्राइवर के दौड़ रहा यह ट्रक सीधे जाकर बैंक ऑफ इंडिया के बाहर खड़ी कैश वैन से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कैश वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और पास लगा बिजली का खंभा भी उखड़कर गिर गया। ट्रक में करीब 1200 पेटी शराब लोड थी। अगर ट्रक बैंक की दीवार या किसी राहगीर से टकराता, तो परिणाम और भी घातक हो सकते थे। ट्रक को न्यूट्रल में छोड़ना एक गंभीर लापरवाही है। चालक के खिलाफ जांच की जा रही है और यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई होगी।

एमपी में 30 मार्च को रहेगी महावीर जयंती की छुट्टी, सरकार ने जारी किया आदेश

महानगर मेट्रो

भोपाल। मध्य प्रदेश में महावीर जयंती की छुट्टी को लेकर संशय की स्थिति थी। छुट्टी कब रहेगी इसे लेकर कुछ साफ नहीं था। रविवार को छुट्टी के दिन आदेश जारी कर सामान्य प्रशासन विभाग ने यह साफ कर दिया है कि मध्य प्रदेश में अब 30 मार्च को महावीर जयंती की छुट्टी रहेगी। हालांकि कलेक्टर अपने जिले की परिस्थिति के अनुसार फैसला ले सकते हैं।

30 मार्च को रहेगी छुट्टी

दरअसल, सरकारी छुट्टियों को लेकर 29 दिसंबर 2025 को घोषित अवकाशों की सूची में महावीर जयंती की छुट्टी 31 मार्च को थी। इस दिन पूरे प्रदेश में सार्वजनिक और समान्य अवकाश घोषित किया गया था। अब सामाजिक संगठनों के ज्ञापन के बाद सरकार ने यह निर्णय लिया है कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार महावीर जयंती की छुट्टी 31 मार्च की जगह 30 मार्च को घोषित करने के लिए जिला कलेक्टर को अधिकृत किया गया है। वहीं, अगर जिले में 31 मार्च को महावीर जयंती मनाया जा रहा हो तो अलग से आदेश जारी करने की जरूरत नहीं है।

महावीर जयंती की छुट्टी पर संशयमध्य प्रदेश में महावीर जयंती की छुट्टी को लेकर संशय की स्थितिसरकारी लिस्ट में 31

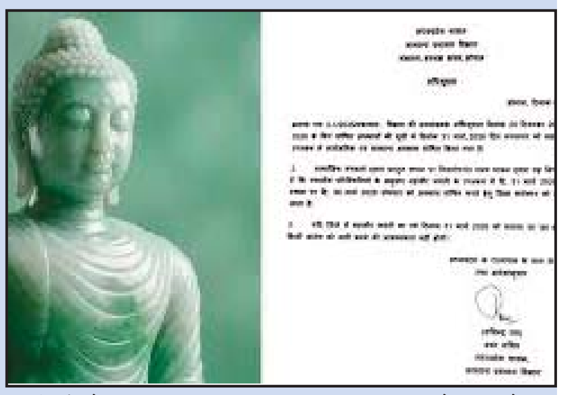

मार्च को है महावीर जयंती की छुट्टीजैन समाज के लोगों 30 मार्च को छुट्टी की मांग की है

राज्य सरकार ने इसमें किया संशोधन स्थानीय कलेक्टर अलग से आदेश जारी कर 30 मार्च को दे सकते हैं छुट्टी 31 मार्च के लिए अलग से आदेश जारी करने की जरूरत नहीं

बदलाव की हो रही थी मांग

मध्य प्रदेश में महावीर जयंती की छुट्टी को लेकर संशय की स्थिति थी। समाज के लोगों के साथ-साथ विधायकों ने भी मांग की थी कि छुट्टी की तारीख में बदलाव किया जाए। पृथ्वीपुर से विधायक नितेंद्र बृजेंद्र सिंह राठौर ने सीएम को पत्र लिखकर इसमें संशोधन की मांग की थी। विधायक ने कहा था कि जैन धर्म की धार्मिक परंपराओं और रीति रिवाजों के अनुसार, भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक इस साल 30 मार्च को ही मनाया जाएगा।गौरतलब है कि इससे पहले एमपी हाईकोर्ट ने भी छुट्टियों की सूची में बदलाव किया था। महावीर जयंती की छुट्टी 30 मार्च को घोषित की थी। अब राज्य सरकार ने भी इसमें संशोधन किया है। साछ ही छुट्टी 30 को देना है या 31 को यह निर्णय स्थानीय कलेक्टर पर छोड़ दिया है।पृथ्वीपुर से विधायक नितेंद्र बृजेंद्र सिंह राठौर ने सीएम को पत्र लिखकर इसमें संशोधन की मांग की थी। विधायक ने कहा था कि जैन धर्म की धार्मिक परंपराओं और रीति रिवाजों के अनुसार, भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक इस साल 30 मार्च को ही मनाया जाएगा।इससे पहले एमपी हाईकोर्ट ने भी छुट्टियों की सूची में बदलाव किया था। महावीर जयंती की छुट्टी 30 मार्च को घोषित की थी। अब राज्य सरकार ने भी इसमें संशोधन किया है।

CMYK

वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अत- प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एक्जाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहा पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

ड्राई फ्रूट्स और दवाइयां महंगी, रेडी-टू-ईट फूड की मांग बढ़ी

– पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम की कीमतें 30-40 फीसदी तक बढ़ी

नई दिल्ली ।

दिल्ली की खारी बावली मंडी में ड्राई फ्रूट्स और जड़ी-बूटियों की कीमतों में 20 फीसदी से 50 फीसदी तक उछाल आया है। व्यापारियों के अनुसार, काजू को छोड़कर ज्यादातर ड्राई फ्रूट्स मिडल ईस्ट, खासकर ईरान से आते हैं, जिसकी सप्लाई अब रुक गई है। पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम की कीमतें 30-40 फीसदी तक बढ़ गई हैं। त्योहारों पर खजूर की मांग बढ़ने के बावजूद सीमित स्टॉक के कारण इसकी कीमतें भी बढ़ रही हैं। पैरासिटामोल जैसी दवाइयों में इस्तेमाल होने वाले जड़ी-बूटियों और अन्य कच्चे माल की कीमतें 47 फीसदी तक बढ़ गई हैं। खारी बावली के व्यापारी बताते हैं कि दवाइयों में प्रयुक्त जड़ी-बूटियों की सप्लाई भी मिडल ईस्ट संकट के कारण बाधित है। घरों में कुकिंग गैस की कमी और समय की कमी के कारण लोग रेडी-टू-ईट और पैक्ड फूड की ओर बढ़ रहे हैं। अमेज़न इंडिया पर इंस्टेंट नूडल्स, पैकेट बंद मील और स्नैक्स की मांग 15 फीसदी से अधिक बढ़ गई है। यह ट्रेंड सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि सोनीपत और पणजी जैसे टियर-2 शहरों में भी देखा जा रहा है। क्विक-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म अमेज़न नाउ पर मंथ-ऑन-मंथ 20 फीसदी सेल बढ़ी। वहीं दिल्ली के करीब 50,000 स्ट्रीट फूड वेंडर्स में से 20-30 फीसदी गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण बंद होने के कगार पर हैं।

28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर मिलकर हवाई हमले किए, जिनमें कई सैन्य ठिकाने और उच्च अधिकारी मारे गए। इससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बढ़ा, जो भारत का 80-85 फीसदी एलपीजी आयात मार्ग है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है, और 60 फीसदी से अधिक एलपीजी विदेश से आती है। सरकार ने कहा कि देश में एलपीजी और तेल की कोई कमी नहीं है और लोगों से अफवाहों से बचने की अपील की।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.82 लाख करोड़ से अधिक गिरावट

- वैश्विक तनाव और तेल की कीमतों ने बढ़ाई बाजार की बेचैनी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का लगभग 4 लाख करोड़ रुपये डूब गया। विशेषज्ञों का कहना है कि गिरावट के पीछे ईरान-अमेरिका तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें प्रमुख कारण हैं। रुपया भी दबाव में रहा और डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर से नीचे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया।

` पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2.82 लाख करोड़ से अधिक` गिरावट रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने शीर्ष स्थान बनाए रखा। हालांकि, इसके मार्केट वैल्यू में भी गिरावट दर्ज हुई। एचडीएफसी बैंक और टीसीएस ने सबसे ज्यादा नुकसान उठाया। इनके मार्केट कैप में भारी कमी आई, जिससे निवेशकों को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी सभी ने मार्केट कैप में गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर शीर्ष 10 कंपनियों का मार्केट वैल्यू लगभग 2.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक घट गया। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से भारतीय शेयर बाजार अस्थिर बना हुआ है।

एफपीआई ने मार्च में अब तक भारतीय शेयर बाजार से निकाले 1.14 लाख करोड़

- इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी की

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च 2026 में अब तक 1.14 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.3 अरब डॉलर) भारतीय शेयर बाजार से निकाले हैं। यह अब तक की सबसे बड़ी मासिक निकासी है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। 27 मार्च तक शेयरों की बिक्री 1,13,380 करोड़ रुपये रही। मार्च का एक कारोबारी सत्र अभी बचा है, इसलिए निकासी का आंकड़ा और बढ़ सकता है। एफपीआई ने इससे पहले अक्टूबर 2024 में एक महीने में सबसे अधिक 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी। फरवरी 2026 में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों का उच्चतम निवेश था। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार की बिकवाली के पीछे कई कारक हैं। बाजार के`` विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिम एशिया में संघर्ष, रुपये की लगातार गिरावट, खाड़ी क्षेत्र से रेमिटेंस में कमी की आशंका और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत की आर्थिक वृद्धि और कंपनियों के लाभ पर दबाव डाल रही हैं। मेरिका में उच्च बॉन्ड प्रतिफल और वैश्विक स्तर पर कड़ी तरलता ने एफपीआई को विकसित बाजारों की ओर आकर्षित किया है। शेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के चलते एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। अगर यह प्रवृत्ति जारी रही, तो भारतीय शेयर बाजार पर दबाव और बढ़ सकता है। निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

– वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे। हालांकि, कुछ कंपनियों ने मजबूती दिखाई। एलएंडटी के शेयर में 3.82 प्रतिशत की बढ़त रही। इसके अलावा एचसीएल टेक्नोलॉजीज 2.22 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.68 फीसदी, इंफोसिस 1.23 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.14 फीसदी और सनफार्मा 1.02 प्रतिशत ऊपर बंद हुए।

सीएमएस ने एफएसएस के एटीएम प्रबंधन कारोबार का 115 करोड़ में अधिग्रहण किया

मुंबई ।

सीएमएस इन्फो सिस्टम्स ने फाइनेंशियल सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स (एफएसएस) के प्रबंधित सेवाओं के कारोबार का अधिग्रहण 115 करोड़ में करने की घोषणा की है। इस सौदे में एफएसएस की परिचालन परिसंपत्तियों और ग्राहक अनुबंधों का हस्तांतरण शामिल है। कंपनी का कहना है कि यह अधिग्रहण 2026-27 की पहली तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। एफएसएस के 8,000 एटीएम जुड़ने के बाद सीएमएस के एटीएम पोर्टफोलियो की संख्या 39,000 हो जाएगी। यह कदम कंपनी को एंड-टू-एंड एटीएम प्रबंधन सेवाओं में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा। इसके साथ ही नए निजी क्षेत्र के बैंक भी कंपनी के ग्राहक बनेंगे, जिससे ग्राहक आधार और व्यापक होगा। सीएमएस के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि प्रबंधित सेवा उद्योग मजबूत हो रहा है और बैंक अब कम संख्या में भरोसेमंद भागीदारों के साथ काम करना पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एफएसएस के ग्राहक वे हैं, जिनके साथ कंपनी अपने संबंध और मजबूत करना चाहती है। इस अधिग्रहण से सीएमएस की बाजार स्थिति, बैंकिंग प्रौद्योगिकी सेवाओं और ग्राहक आधार दोनों ही मजबूत होंगे, जिससे कंपनी को लंबी अवधि में लाभ होगा।

क्रेडिट कार्ड के नियमों में 1 अप्रैल से होंगे बड़े बदलाव

- बदलावों का मकसद बड़े खर्चों पर निगरानी बढ़ाना

नई दिन्ली

। अब वित्तीय वर्ष में अगर किसी कार्ड से 10 लाख रुपये या उससे अधिक खर्च होता है, तो बैंक इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इसकी जानकारी दे सकता है। विदेश में किए गए बड़े खर्चों पर भी नजर रहेगी। यदि खर्च आपकी आय के अनुरूप नहीं है, तो नोटिस मिल सकता है। 1 अप्रैल से सभी नए और मौजूदा क्रेडिट कार्ड पेन नंबर से लिंक होंगे।

पेन के बिना कार्ड जारी नहीं होगा। इसका मतलब है कि आपका कार्ड आपकी टैक्स पहचान का हिस्सा बन जाएगा। अगर आप कंपनी कार्ड का निजी खर्च करते हैं, जैसे ट्रैवल या मनोरंजन, तो यह टैक्स योग्य लाभ माना जाएगा। खर्च के सबूत (बिल/इनवॉइस) रखना जरूरी होगा, वरना यह राशि आपके वेतन में जोड़कर टैक्स लगेगा। अब इनकम टैक्स का भुगतान क्रेडिट कार्ड से भी किया जा सकेगा। यह सुविधा तब मददगार है जब तुरंत नकदी उपलब्ध न हो।

हालांकि, प्रोसेसिंग फीस और बिल देर से चुकाने पर ब्याज देना पड़ सकता है।

क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट अब पेन कार्ड के पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार होगा। यह नए आवेदन या पते अपडेट करने में आसान बनाता है।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

– शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्रे ति` किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्रे ति ` किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्रे ति` किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्रे ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान-यूएस संघर्ष से तेल की कीमतों में उछाल, महंगाई का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली ।

ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव ने दुनिया भर में महंगाई के खतरे को बढ़ा दिया है। एक ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, अगर संघर्ष जून तक चलता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच सकती हैं, जिसकी संभावना 40 फीसदी है। दूसरी ओर, कंपनी ने 60 फीसदी आशावादी संभावना भी जताई है, जिसमें संघर्ष जल्द ही कम हो सकता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के प्रमुख तेल मार्गों में से एक है, और ईरान द्वारा इसका नियंत्रण तेल आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है। 27 मार्च को दो चीनी जहाजों को मार्ग से रोकने के बाद ब्रेंट क्रूड 111.06 डॉलर और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई 97.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। मेरीन ट्रे फिक की रिपोर्ट के अनुसार, यह इस मार्ग को पार करने वाले बड़े कंटेनर जहाजों पर पहला प्रतिबंध है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को इस मार्ग को खोलने के लिए 10 दिन का समय दिया और इस अवधि में ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले से रोकने का ऐलान किया। ट्रंप के अनुसार, बातचीत सकारात्मक दिशा में चल रही है। अगर संघर्ष जल्दी हल होता है, तो तेल की कीमतों में स्थिरीकरण संभव है और वैश्विक महंगाई पर नियंत्रण आ सकता है।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति संकट में, आईएमएफ से जुटाएगा 1.2 अरब डॉलर लोन

नई दिल्ली।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था संकट की स्थिति में है। फरवरी 2026 में महंगाई दर बढ़कर 7 फीसदी हो गई, जबकि जनवरी में यह 5.8 फीसदी थी। महंगाई के मुख्य कारण खाद्य पदार्थ, बिजली और ईंधन की बढ़ती कीमतें हैं। मार्च में पेट्रोल की कीमत लगभग 321 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और डीजल 335 रुपये प्रति लीटर हो गई। मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से यह बढ़ोतरी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के साथ स्टाफ-स्तरीय समझौता किया है। इसके तहत पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर का लोन मिल सकता है। इसमें 1 अरब डॉलर 'एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी' और 210 मिलियन डॉलर 'रेज़ीलियंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी' के तहत दिए जाएंगे। इससे पहले पाकिस्तान को आईएमएफ से 3.3 अरब डॉलर का लोन मिल चुका है। नई मंजूरी के बाद कुल लोन 4.5 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। आईएमएफ के अनुसार पाकिस्तान की जीडीपी ग्रोथ 2026 में लगभग 3.6 फीसदी रहने का अनुमान है। हालांकि, बढ़ती महंगाई और आर्थिक कमजोरी विकास को सीमित कर रही है। देश लगातार अपने बचाव के लिए विश्व बैंक और आईएमएफ से वित्तीय सहायता मांगता रहा है।

सोने में तेज उतार-चढ़ाव- लंबी अवधि में चमक बरकरार, शॉर्ट टर्म में दबाव

सेंट्रल बैंकों की रिकॉर्ड खरीद से सपोर्ट, लेकिन ऊंची ब्याज दरें और बिकवाली से कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच सोने की कीमतों में इन दिनों भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां सेंट्रल बैंक लगातार बड़ी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। ताजा विश्लेषण के अनुसार, ग्लोबल गोल्ड रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 30 फीसदी तक पहुंच गई है, जो 1991 के बाद का उच्चतम स्तर है। अनुमान है कि इस साल सेंट्रल बैंक लगभग 800 टन सोने की खरीद कर सकते हैं, जो कुल वार्षिक उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है। यह ट्रेंड लंबे समय में कीमतों को मजबूती देता है। हालांकि, शॉर्ट टर्म में सोने पर दबाव बना हुआ है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से निवेशक सोने से दूरी बना रहे हैं।

रूस ने पेट्रोल निर्यात पर लगाई रोक, भारत पर इसका असर ज्यादा नहीं

– रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर रोक लगाई

मॉस्को ।

रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर अस्थायी रोक लगाने का निर्णय लिया है। उप-प्रधानमंत्री और ऊर्जा मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने इस कदम को घरेलू सप्लाई सुनिश्चित करने और पेट्रोल की कीमतें नियंत्रित रखने के लिए जरूरी बताया। नोवाक ने कहा कि मिडिल ईस्ट में इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल और पेट्रोलियम बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। रूस रोजाना लगभग 1.2 से 1.7 लाख बैरल पेट्रोल निर्यात करता है। रूस के पेट्रोल उत्पादों के बड़े खरीदार देशों में चीन, तुर्की, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर शामिल हैं। इन देशों को निर्यात रोकने से सप्लाई में कमी और कीमतों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। वैश्विक बाजार में इस कदम का असर तेल और पेट्रोलियम की कीमतों पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत सीधा पेट्रोल आयात नहीं करता, बल्कि देश कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) आयात करता है, जिसे अपने रिफाइनरी नेटवर्क में प्रोसेस करके पेट्रोल और डीजल बनाया जाता है। भारत अपनी जरूरत का करीब 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें से लगभग 20 फीसदी रूस से आता है। भारत रोजाना लगभग 56 लाख बैरल कच्चा तेल रिफाइन करता है, जिससे न केवल घरेलू जरूरत पूरी होती है बल्कि तैयार ईंधन का निर्यात भी होता है। इसलिए, रूस की पेट्रोल निर्यात रोक का भारत पर सीधा असर बहुत कम होने की संभावना है। हालांकि, वैश्विक सप्लाई में कमी के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। पहले से ही तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं, जिससे भारत को तेल महंगाई का अप्रत्यक्ष असर महसूस हो सकता है।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिर की छत गिरी, महिला श्रद्धालु की मौत, दो घायल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के त्रिची में प्रसिद्ध सामयापुरम मरियम्मन मंदिर के मंडपम में सो रही एक महिला श्रद्धालु की छत का हिस्सा गिरने से मौत हो गई। सामयापुरम मरियम्मन मंदिर तमिलनाडु के सबसे बड़े शक्ति मंदिरों में से एक है। दूर-दूर से श्रद्धालु पैदल चलकर यहां आते हैं, रात को मंडपम में रुकते हैं और सुबह माता मरियम्मन के दर्शन करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थंजावुर जिले से अपने परिजनों के साथ आई नथिया (32) अन्य श्रद्धालुओं के साथ मंडपम में सो रही थी। रात को अचानक छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर तीन महिलाओं पर आ गिर गया। नथिया को भी इस हादसे में गंभीर चोटें आईं उसकी मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दो अन्य महिलाओं को वहां मौजूद दूसरे श्रद्धालुओं ने बचाया और अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह सवाल उठ रहे हैं कि इतने बड़े और प्रसिद्ध मंदिर में इमारत की नियमित जांच क्यों नहीं होती और श्रद्धालुओं की सुरक्षा का जिम्मा कौन लेगा। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। एक तरफ जहां लोग आस्था लेकर आते हैं वहीं इस तरह की घटनाएं मंदिर प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

पटना के दलदली रोड में भीषण अग्निकांड, मकान में फंसे 4 लोग, फायरकर्मियों ने किया रेस्क्यू

पटना (एजेंसी)। राजधानी के गांधी मैदान थाना क्षेत्र अंतर्गत दलदली रोड में शनिवार देर रात एक आवासीय मकान में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना रात करीब 2:30 बजे की है, जब प्रेम कुमार नामक व्यक्ति के मकान में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि महज पांच मिनट के भीतर पूरी बिल्डिंग धू-धू कर जलने लगी। आग की तेज लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के घरों के लोग और दुकानदार जान बचाकर बाहर की ओर भागे। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि संकरी गलियां और पतले रास्ते होने के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया हालांकि, जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक मकान के भीतर रखा सारा कीमती सामान जलकर राख हो चुका था। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और ब्लैकमेलिंग मामले का आरोपी गिरफ्तार

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 28 मार्च को सिटी थाना फिरोजपुर झिरका में मामला दर्ज किया गया। यह केस हरियाणा धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2022 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। इस संबंध में शिकायतकर्ता महिला, जो पंजाबी समुदाय से बताई जा रही है, ने आरोप लगाया है, कि आरोपी जाहिर पुत्र यूनुस ने पहले उससे ऑनलाइन दोस्ती की। बाद में शादी का झांसा देकर उसे मेवात क्षेत्र में बुलाया, जहां एक होटल में उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने घटना के दौरान अश्लील वीडियो बना लिया और बाद में उसी के जरिए उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि आरोपी लगातार धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालता रहा और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपी ने महिला को धमकाकर वहां से भगा दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और न्याय की मांग की। पुलिस ने आरोपी की पहचान जाहिर पुत्र यूनुस, निवासी फिरोजपुर झिरका के रूप में की है और उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी अजायब सिंह ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बीजेपी सांसद और विधायक ने किया कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

-पालम की बदलेगी तस्वीर, भविष्य की योजनाओं पर होगा तेजी से काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और विधायक कुलदीप सोलंकी ने शनिवार को 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का औपचारिक शुभारंभ किया। इन योजनाओं के तहत क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं, जैसे सड़कों, गलियों, नालियों और पार्कों को आधुनिक और बेहतर बनाया जाएगा। एक शिलान्यास समारोह के दौरान बिधूड़ी और सोलंकी ने विकास कार्यों की नींव रखी। इस बजट से पालम गांव में होगी सड़क और ड्रेनेज (जल निकासी) व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, क्षेत्र के पार्कों में दो नए जिम और बच्चों के लिए लगाए जाएंगे झूले, राजनगर की गलियों का पुनर्निर्माण, गोकल गार्डन की सड़क, शिक्षा भारती से रामफल चौक तक की सड़क, सेक्टर-7 की मुख्य रोड और वर्धमान माल से दादा देव श्मशान घाट तक की सड़क का निर्माण कार्य शामिल है। सांसद बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पूरे पालम विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए कुल 187 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। उन्होंने पिछले एक साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि दिल्ली में आरोग्य मंदिर, इलेक्ट्रिक बसें, अटल कैंटीन और स्कूलों में कंप्यूटर जैसी सुविधाओं पर तेजी से काम हुआ है। उन्होंने भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में यमुना की सफाई, सीवर मास्टर प्लान और पानी की पुरानी पाइपलाइनों को बदलने जैसी बड़ी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। इन कार्यों के पूरा होने से दिल्ली तेजी से विकास के पथ पर दौड़ती नजर आएगी।

पुरुलिया रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा... बंगाल में अगर बीजेपी आई तो लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, कि यदि बीजेपी राज्य में सत्ता में आती है, तो वह बंगाल की पारंपरिक खान-पान संस्कृति पर रोक लगा सकती है। बीजेपी के आने पर लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे।

रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ऐसे विचारों को बढ़ावा देती है, जिनमें मछली, मांस और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध की बात कही जाती है। उन्होंने दावा किया कि यह बंगाल की सांस्कृतिक पहचान पर सीधा हमला होगा। उन्होंने भाजपा पर धार्मिक और जातीय विभाजन करने के साथ ही दंगे भड़काने के आरोप भी लगाए।

टीएमसी सुप्रीमो ममता ने बीजेपी शासित राज्यों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां आदिवासियों का शोषण होता है और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा टीएमसी के खिलाफ जारी की गई 'चार्जशीट' निराधार है और असल में भाजपा को अपने पिछले रिकॉर्ड का जवाब देना चाहिए। उन्होंने गुजरात के दंगों का जिक्र करते हुए बीजेपी की आलोचना की।

इसके साथ ही ममता बनर्जी ने राज्य सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी चुनाव से पहले लाभ देने का वादा करती है, लेकिन बाद में योजनाओं को बंद कर देती है।

चुनाव आयोग की प्रक्रिया 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि करीब 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें उनके समर्थक शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों को लेकर भी असंतोष जताया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

भारत की पाकिस्तान-बांग्लादेश बॉर्डर पर एंटी ड्रोन-सेंसर से निगरानी : चीन सीमा पर पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर और गलवान झड़प के बाद सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर एंटी-ड्रोन, सेंसर और लेजर की मदद से निगरानी की जा रही है। वहीं, लद्दाख में चीन सीमा पर 29 नए आउटपोस्ट तैयार किए गए हैं। साथ ही भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की सालना रिपोर्ट 2024-25 के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान सीमा पर जम्मू क्षेत्र और भारत-बांग्लादेश सीमा पर धुबरी में 5-5 किमी इलाके में 'कंप्रीहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम' (सीआईबीएमएस) के दो पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। सीआईबीएमएस कई तकनीकों और संसाधनों का एक नेटवर्क है। वहीं, म्यांमार सीमा पर अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में 'हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम' पर काम जारी है। सीमाओं पर ड्रोन के बढ़ते खतरे को देखकर सुरक्षा बलों को स्पेशल ट्रैनिंग और मॉडर्न उपकरणों से लैस किया जा रहा है। यह सिस्टम अवैध हवाई घुसपैठ का पता लगाने और खत्म करने में प्रभावी है। जीआईएस लेयर और पीएम गति शक्ति पोर्टल का इस्तेमाल सीमावर्ती बुनियादी ढांचे की सटीक मैपिंग और रणनीतिक योजना बनाने के लिए हो रहा है। यह संवेदनशील इलाकों की निगरानी सुनिश्चित करता है। आईटीबीपी ने 2022 से 2024 के बीच 29 नए बॉर्डर आउटपोस्ट बनाए हैं। इससे कुल संख्या 209 हो गई है। यह बढ़ोतरी जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद की गई है। तब आईटीबीपी के 180 आउटपोस्ट थे। नए आउटपोस्ट बनने से दूर-दराज के हाई-एल्टीट्यूड इलाकों में आईटीबीपी की सालभर मौजूदगी बनी रहेगी। साथ ही फॉरवर्ड पोस्ट के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, 2017-18 में आईटीबीपी औसतन 173 पेट्रोलिंग प्रति माह करता था। यह संख्या 2023-24 में बढ़कर करीब 500 प्रति माह हो गई, यानी करीब 3 गुना बढ़ोतरी हुई है।

अमेठी में पुलिस ने सपा कार्यकर्ता के घर से 1400 लीटर पेट्रोल-डीजल किया जब्त

अमेठी। यूपी के अमेठी में डीजल-पेट्रोल की कमी की अफवाहों और पेट्रोल पंप पर लग रही भीड़ को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में सपा कार्यकर्ता के घर से भारी मात्रा में तेल बरामद किया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने बरामद तेल को जब्त करते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरा मामला जनपद अमेठी कोतवाली क्षेत्र के भरेथा निधि के पुरवा गांव का है। जहां शनिवार को प्रशासन को सूचना मिली थी की कि किसी घर में बड़ी मात्रा में डीजल और पेट्रोल रखा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने करीब 1400 लीटर डीजल-पेट्रोल बरामद किया है। तेल को चार नीले ड्रम, एक पानी की टंकी और चार छोटे डिब्बों में भरकर अवैध रूप से डंप किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर तेल जमा करने वाले दयाराम यादव के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू कर तेल जब्त कर लिया है। वहीं दयाराम यादव समाजवादी पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता और पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति का करीबी बताया जा रहा है। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद सप्लाई विभाग के अधिकारी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं इस मामले को लेकर सप्लाई इंस्पेक्टर शुभम चौधरी ने बताया की सूचना पर पहुंचकर छापा मारा गया।

बिना पट्टे के कुत्ते को घुमाया, सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधा तो लगेगा जुर्माना

-दिल्ली नगर निगम के बदलेंगे नियम, लोकसभा में जन विश्वास विधेयक हुआ पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने पुराने नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर ली गई है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास विधेयक, 2026 पेश किया है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ाना और पुराने कानूनों को आज के समय के मुताबिक प्रासंगिक बनाना है। नए विधेयक में यदि कोई मालिक अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे के सड़क पर घुमाता है, तो उसे अब 50 रुपए के बजाय 1,000 रुपए जुर्माना देना होगा। इसी तरह सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधने पर भी जुर्माने की राशि 100 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और पेशाब करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पहले इसके लिए 50 रुपये का जुर्माना लगता था, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपए किया जा रहा है। गंदगी न हटाने पर पहली बार पकड़े जाने पर चेतावनी दी जाएगी, लेकिन दूसरी बार उल्लंघन करने पर सीधे 500 रुपए का जुर्माना लगेगा। कूड़ा फेंकने या सड़क पर गंदगी बहाने पर भी अब 50 के बजाय 200 रुपए देने होंगे।

विधेयक में कई अन्य नागरिक नियमों के उल्लंघन पर भी दंड बढ़ाया गया है। मकान नंबर मिटाने पर जुर्माना 50 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है। खतरनाक आतिशबाजी पर 50 की जगह पर अब 500 रुपए देने होंगे। निगम अधिकारी को परिसर में आने से रोकने पर जुर्माना 50 से बढ़कर 500 रुपए किया जा रहा है। आदेश के बाद भी असुरक्षित इमारत में रहने पर जुर्माना 200 से बढ़ाकर 1,000 रुपए किया गया है। विधेयक में एक मानवीय बदलाव भी किया गया है। पुराने नियम के तहत, यदि कोई सफाईकर्मी बिना सूचना दिए काम से गायब रहता था, तो उसे एक महीने की जेल हो सकती थी। नए प्रस्ताव में इस अपराध की श्रेणी को खत्म कर दिया गया है और जेल की जगह केवल 500 रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य करने बने कानून

-आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य बनाने के लिए कानून बनाया जाए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग उठाई थी। कंग ने कहा था कि आज हमारे समाज में तलाक और घरेलू हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। जब नया रिश्ता जुड़ता है तो लड़की के बारे में बहुत जांच-पड़ताल की जाती है, लेकिन लड़कों को लेकर उतनी जांच-पड़ताल नहीं होती। उनका कहना था कि शादी के समय लोग इस तरह की चीजें छिपा लेते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार से मांग है कि एक कानून बनाया जाए कि शादी के समय डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि शादी के बाद कई बार सामने आता है कि लड़का गंभीर रूप से बीमार है या फिर वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। इससे महिलाओं के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कंग ने कहा कि दूल्हे के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए कि वह मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और डोप टेस्ट का सर्टिफिकेट लड़की वालों के सामने पेश करे और तभी शादी हो।

कांग्रेस के उज्जवल रमण सिंह ने सरकार से ऑनलाइन कारोबार पर अंकुश लगाने और छोटे एवं मझौले व्यापारियों के हितों के संरक्षण की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को शून्य काल में इस बारे में नियम बनाने और छोटे दुकानदारों और मझौले व्यापारियों का व्यवसाय को बचाने के उपाय करने की सरकार से मांग की। वहीं सपा के वीरेन्द्र सिंह ने किसानों के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने पर बिल बढ़कर आने तथा प्रीपेड मीटर लगाने से उन्हें हो रही कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनकी समस्यायें दूर करने की मांग की।

बीजेपी के निशिकांत दुबे ने मुस्लिमों और ईसाइयों से विवाह करने वाली आदिवासी युवतियों का अनुसूचित जनजाति का दर्जा समाप्त करने की मांग की। बीजेपी के ही चन्दूभाई छगनभाई शिहोरा ने गुजरात के सुरेन्द्र नगर इलाके के नमक किसानों को बारिश से हुए नुकसान की भरपाई करने और उन्हें भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। सपा के आनंद भदौरिया ने यूपी में शहीदों और संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किये जाने का मुद्दा उठाया और इसके दोषियों को सजा देने की मांग की। कांग्रेस के डॉ. प्रशांत यादव राव पडोले ने 2027 की जनगणना के लिए तय प्रारूप के कॉलम में अन्य पिछड़ा वर्ग को भी जोड़ने की मांग की।

25 साल पुराना सपना सच, भारत के सबसे बड़े एयरपोर्ट से अगले 60 दिनों में शुरू होंगी उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को किए गए इस उद्घाटन के बाद अब सभी की निगाहें कमर्शियल ऑपरेशंस शुरू होने पर टिकी हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम की अंतिम मंजूरी मिलते ही यहाँ से व्यावसायिक उड़ानें पूरी तरह शुरू हो जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले 45 से 60 दिनों के भीतर सभी सुरक्षा मानक पूरे कर लिए जाएंगे और एयरपोर्ट एंट्री पास जारी होने के बाद स्टेकहोल्डर्स अपना काम शुरू कर सकेंगे।

लगभग 6,200 हेक्टेयर भूमि पर पांच चरणों में विकसित किए जा रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का पहला चरण 11,200 करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर तैयार हुआ है। शुरुआत में यहाँ से घरेलू उड़ानों का परिचालन होगा, जिसमें दिल्ली और मुंबई जैसे मेट्रो शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए सेवाएं विस्तार लेंगी। जहाँ तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सवाल है, इसमें थोड़ा अधिक समय लग सकता है क्योंकि इसके लिए आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग की गहन समीक्षा और मंजूरी अनिवार्य है। हालांकि, इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कनेक्टिविटी के मामले में यह एयरपोर्ट देश के सबसे सुगम हवाई अड्डों में से एक होगा। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े सड़क मार्गों से जोड़ा गया है। साथ ही रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी पर भी तेजी से काम चल रहा है। एयरपोर्ट के आसपास फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क और सेमीकंडक्टर पार्क जैसी औद्योगिक इकाइयां विकसित की जा रही हैं। इस परियोजना से सीधे तौर पर 50,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। तकनीकी रूप से यह एयरपोर्ट वैश्विक स्तर का है। पहले चरण में 3,900 मीटर लंबा रनवे तैयार किया गया है, जो आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और हर मौसम में उड़ान भरने की सुविधा से लैस है। यहाँ 40 एकड़ में विमानों की मरम्मत के लिए विशेष केंद्र बनाया गया है। भविष्य में यहाँ कुल 8 रनवे बनाने की योजना है। एयरपोर्ट का डिजाइन बनारस के घाटों और भारतीय हवेलियों की वास्तुकला से प्रेरित है, जो इसे सांस्कृतिक पहचान भी देता है। फार्म टू ग्लोबल मार्केट मॉडल के तहत यहाँ से पश्चिमी यूपी के किसानों के उत्पाद और राज्य के करीब 1 करोड़ एमएसएमई उद्योगों का सामान सीधे वैश्विक बाजारों तक पहुँच सकेगा।

बाबा खरात ने पति को किया बाहर, महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया रेप

-ज्योतिषी खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज, व्यापारी से ठगे लाखों

मुंबई, (एजेंसी)। नासिक के स्वयंभू बाबा और ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज हुआ है। सरकारवाड़ा पुलिस थाने में दो नए केस दर्ज किए गए हैं। एक शिकायत में कहा गया है कि खरात ने नेवासा फाटा अहिल्यानगर के एक व्यापारी से 2.6 लाख रुपए ठगने का आरोप है। वहीं दूसरा मामला महिला के यौन शोषण का है। आरोप है कि अगस्त 2024 से दिसंबर 2024 के बीच अशोक खरात ने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला का आरोप है कि चार महीने के अंदर अशोक खरात ने चार बार उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता की शादी 2013 में हुई थी। एक बेटी का जन्म हुआ और फिर पति से अनबन हो गई। 2022 में एक रिश्तेदार ने दंपती को अशोक खरात से मिलवाया। उनकी सलाह के बाद पति-पत्नी साथ रहने लगे। अगस्त में दंपती खरात से मिलने गया था। खरात ने पति से बाहर इंतजार करने को कहा और इसके बाद महिला को अंदर ले गया। तांबे के बर्तन में कोई नशीला पदार्थ दिया।

पुलिस ने बताया कि खरात ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और धमकी भी दी कि अगर यह बात किसी से बताई तो दैवीय शक्तियां जीवन तबाह कर देंगी। इसके बाद खरात ने कई बार उसे बुलाकर रेप किया और जीवन खराब होने के डर से महिला चुप रही। रेप मामले में खरात की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता सब कुछ बताने की हिम्मत जुटा पाई। महाराष्ट्र में नासिक के स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ पुलिस हेल्पलाइन के जरिए 100 से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं जिनमें लगभग 70 फीसदी शिकायतकर्ता महिलाएं हैं।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को कहा कि कई पीड़ित, विशेष रूप से महिलाएं, बदनामी के डर, सामाजिक कलंक और आरोपी के राजनीतिक संबंधों के कारण शिकायत देने में संकोच कर रहे थे। इसे हल करने के लिए अधिकारियों ने पीड़ितों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक गोपनीय हेल्पलाइन शुरू की, जिसे काफी प्रतिक्रिया मिली है। खरात के खिलाफ आरोपों में धोखाधड़ी और यौन शोषण दोनों शामिल हैं। पुलिस जांच कर रही है और अधिकारियों ने सभी पीड़ितों से बिना किसी डर के आगे आने का आग्रह किया है। इसके साथ ही खरात के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

चुनावों में जमकर बंट रहीं मुफ्त की रेबड़ियां, महिलाओं के खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपये होंगे जमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेताओं ने वोट खरीदने का एक आसान और सरल रास्ता अपना लिया है। ये बात कोई और नहीं बल्कि आम आदमी कहता सुना जा रहा है। इस बार के चुनावों में राज्यों में होड़ लगी हुई है मुफ्त में रेबड़ियां बांटने की। नतीजा आम आदमी की जेब से निकलकर सीधे साढ़े 24 सौ करोड़ रुपए महिलाओं को बांट दिए जाएंगे। ताकि उन्हे वोट मिले और सत्ता पर काबिज हो जाएं।

5 राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक दलों ने सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए कैश ट्रांसफर यानी सीधे नकद सहायता को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। एक विश्लेषण के अनुसार, चुनावी राज्यों में चार प्रमुख सरकारें महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 24,500 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर रही हैं।

इन दलों का चुनावी वादा भी यही है कि यदि वे दोबारा सत्ता में आते हैं, तो अगले पांच वर्षों तक यह वित्तीय सहायता निर्बाध रूप से जारी रहेगी। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो इन चार राज्यों में कुल 17.89 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 4.1 करोड़ महिलाएं इन नकद योजनाओं की सीधी लाभार्थी हैं। यानी कुल वोटरों का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा सीधे तौर पर इन योजनाओं से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों में इस नकद राजनीति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ सरकार ने स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खातों में 2-2 हजार रुपये डाल दिए हैं। वहीं, असम में बिहू उत्सव के उपलक्ष्य में महिलाओं को 4-4 हजार रुपये की सहायता दी गई है। केरल की वामपंथी सरकार स्त्री सुखम नकद योजना के जरिए करीब 10 लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दे रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी प्रसिद्ध लक्ष्मी भंडार योजना की राशि में 500 रुपये की बढ़ोतरी की है। दिलचस्प बात यह है कि खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद बंगाल सरकार को इस योजना के लिए अगले साल 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ेगा।

पिछले पांच वर्षों के चुनावी रुझान बताते हैं कि महिलाओं को नकद सहायता देने वाले राज्यों की संख्या 1 से बढ़कर अब 15 हो गई है। ये राज्य सालाना लगभग 2.46 लाख करोड़ रुपये 13 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में भेज रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने इस रेवड़ी संस्कृति के दुष्प्रभावों पर भी चिंता जताई है। आंकड़ों के अनुसार, झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास बजट का 81 प्रतिशत हिस्सा नकद ट्रांसफर में खर्च कर रहा है। इसके चलते महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को बुनियादी विकास कार्यों और अन्य महत्वपूर्ण खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। कई विकास परियोजनाएं धन के अभाव में अधूरी पड़ी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल नकद योजनाओं के दम पर चुनाव जीतना हमेशा संभव नहीं होता। सीएसडीएस के निदेशक प्रो. संजय कुमार के अनुसार, अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक ही फॉर्मूले पर चल रही हैं, लेकिन यह हमेशा सफल नहीं होता।

उदाहरण के तौर पर, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें भारी-भरकम नकद योजनाओं के बावजूद सत्ता बचाने में विफल रहीं। इसके उलट, मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना और कर्नाटक में गृह लक्ष्मी जैसी योजनाओं को गेमचेंजर माना गया। वर्तमान में चुनावी राज्यों में मुफ्त राशन, मुफ्त गैस सिलेंडर और बेरोजगारी भत्ते जैसे वादों की झड़ी लगी हुई है, जिसने मतदाताओं को लुभाने की जंग को और तेज कर दिया है।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को पांच बार की विजेता रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का पहला मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। रॉयल्स की कप्तानी युवा रियान पराग करेंगे। वहीं सीएसके की कप्तानी रूतुराज गायकवाड़ के पास है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के सीएसके जाने के बाद पराग को कप्तानी दी गयी है। वहीं सीएसके नये नेतृत्व के तहत ही रूतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतरेंगी।

इस मैच में दोनो ही टीमों में शामिल कुछ स्टार खिलाड़ी अपनी ही पुरानी टीमों से टकराते दिखें। लंबे समय तक रॉयल्स में रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस बार सीएसके की ओर से खेलेंगे जबकि सीएसके के रविन्द्र जडेजा रॉयल्स की ओर से उतरेंगे। ऐसे में दोनों ही टीमों का रोमांचक मुकाबला होगा। सीएसके को सैमसन के आने से एक अच्छा बल्लेबाज और विकेट कीपर मिलेगा। वहीं जडेजा के आने से रॉयल्स की गेंदबाजी और बल्लेबाजी बेहतर होगी। सामने अपनी पुरानी टीमों को चुनौती देने की बारी होगी।

सैमसन ने हाल में टी20 विश्व कप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनके फार्म में होने का लाभ सीएसके को मिलेगा। वह सीएसके टीम के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी शुरु करेंगे। सैमसन के पास लंबी पारी खेलने का अनुभव है जिसका लाभ सीएसके को मिलेगा। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। ऐसे में सैमसन को उनकी कमी पूरी करनी होगी। धोनी के बार होने से बायें हाथ के युवा स्पिन ऑलराउंडर प्रशांत वीर को टीम में अवसर मिल सकता है। इसके अलावा युवा कार्तिक शर्मा पर भी सबकी नजरें रहेंगी। कार्तिक तेजी से खेलने के लिए जोन जाते हैं।

सीएसके के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है। युव बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस अब पहले से बेहतर हो चले हैं। वहीं शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। वहीं

सीएसएस की गेंदबाजी कुछ कमजोर नजर आती है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी नूर अहमद, अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद के पास रहेगी।

वहीं रॉयल्स की बात करें तो जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। टीम की बल्लेबाजी की कमान यशस्वी जायसवाल के पास रहेगी। टीम में युवा वैभव सूर्यवंशी भी नये रिकार्ड बनाना चाहेंगे। वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायेर के होने से भी टीम को लाभ मिलेगा। रॉयल्स की गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर के अलावा कोई भी ऐसा गेंदबाज नहीं है जो विशेष हो। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं पर वह बेहतर गेंदबाज शामिल नहीं कर पायी है। स्पिन गेंदबाजी की कमान जडेजा और रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रूतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे , आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

सबालेंका ने मियामी ओपन खिताब जीता, सनशाइन डबल भी हासिल किया

मियामी (एजेंसी)। बेलारुस की स्टार खिलाड़ी आर्यंका सबालेंका ने मियामी ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले के फाइनल में अमेरिका की कोको गाफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा और इस जीत के साथ ही सबालेंका ने लगातार दूसरी बार मियामी खिबाब जीतने के साथ ही सनशाइन डबल की उपलब्धि भी हासिल कर ली। सनशाइन डबल तब होता है जब कोई खिलाड़ी एक ही सत्र में इंडियन वेल्स और मियामी में जीत हासिल करता है। सबालेंका ने इससे पहले इंडियन वेल्स में भी खिताब जीता था। सबालेंका अब साल 2022 में पोलैंड की इगा स्वीटेक के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ , किम क्लीजिस्टस और विक्टोरिया अजारेंका ने ही ये खिताब जीता है। इस प्रकार सबालेंका सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं।सबालेंका ने खिताब मुकाबले का पहला सेट 6-2 से जीत लिया पर दूसरे सेट में गॉफ़ ने 6-4 से सेट जीतकर अच्छी वापसी की पर तीसरे सेट में सबालेंका ने एक बार फिर बाजी मार ली और शानदार सर्विस और विनर्स की सहायता से मैच जीत लिया। यह सबालेंका के करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब है। वहीं कुल मिलाकर उनका 30वां खिताब है। इसमें चार ग्रैंड स्लैम एकल, दो ग्रैंड स्लैम डबल्स और कई डब्लयूटीए 1000 टाइटल शामिल हैं।

ओलंपिक पदक जीतना हर खिलाड़ी का होता है सपना : अनाहत

मुंबई (एजेंसी)। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी

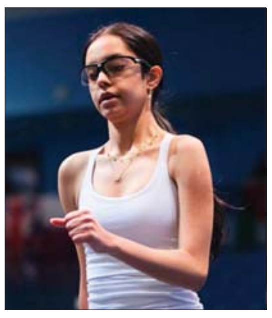

इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

आईपीएल के शुरुआती मैच में ही बने कई रिकार्ड

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल के पहले ही मैच में एक साथ कई रिकार्ड बने हैं। इस मैच में आरसीबी ने 15.4 ओवर में ही 202 रन बनाकर आईपीएल में सबसे तेजी से 200 रन बनाने का लक्ष्य अपने नाम किया। इससे पहले सबसे तेज 200 रनों का रिकार्ड राजस्थान रॉयल्स के नाम था जो उसने पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 15.5 ओवर में 212 रन बनाये थे। वहीं इस मैच में विराट कोहली ने नाबाद 69 रन बनाये। स प्रकार वह एक स्थल पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान ने

80 रनों की पारी के साथ ही अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किये।

विराट ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 बार पचास रन बनाए हैं। वहीं एक ही मैदान पर सबसे ज्यादा अर्धशतक के मामले में इंग्लैंड के जेम्स विंस दूसरे नंबर पर हैं। विंस के नाम द रोज बाउल, साउथैम्प्टन में 27 अर्धशतक का रिकार्ड है। कोहली ने आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 4000 रन बनाने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इसके अलावा वह टी-20 क्रिकेट में 13,572 रन के साथ पाकिस्तान के शोएब मालिक को पीछे छोड़ते हुए छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।वहीं सनराइजर्स ने इस मैच में 201 रन बनाने के साथ ही आरसीबी के खिलाफ खिलाफ सातवीं बार 200 से अधिक रन बनये हैं। वहीं सनराइजर्स के ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं।

कप्तान स्टोक्स चोटिल कोने के कारण अगले दो माह तक खेल से बाहर हुए , गाल की हड्डी टूटी

लंदन ।इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण अगले दो महीने के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। स्टोक्स के गाल की हड्डी एक थ्रो लगने से टूट गयी है।ऐसे में अब वह दो माह बाद ही खेल के मैदान में वापसी कर सकेंगे।स्टोक्स की फरवरी में ही सर्जरी भी हुई थी।इसी कारण वह डरहम के लिए काउंटी सीजन के पहले महीने में उपलब्ध नहीं थे।डरहम अकादमी में स्टोक्स जब सर्जरी से उबरकर अभ्यास कर रहे थे तभी नेट्स में गेंद उनके चेहरे पर लग गयी।स्टोक्स इंग्लैंड लायंस की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे।पाकिस्तान शाहीन्स के खिलाफ यूएई में व्हाइट–बॉल सीरीज में भी वह फिटनेस टेस्ट में असफल रहे थे।स्टोक्स डरहम की ओ से अगले सप्ताह केंट के खिलाफ सीजन ओपनर में खेलने वाले थे पर अब उनके सपनों पर पारी फिर गय है।टीम के मुख्य कोच ने कहा कि स्टोक्स शायद 8 मई से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ पांचवें मैच से पहले नहीं खेल पाएंगे। वहीं डरहम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने कहा कि इस प्रकार लगातार चोटिल होने से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं।कैंपबेल ने कहा, 'यह घटना और भी खतरनाक हो सकती थी।अगर गेंद कुछ सेंटीमीटर अलग दिशा में लगती और उनकी आंख पर लग जाती, तो परिणाम क्या होता।इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।राहत की बात ये रही कि वह बच गये हैं।'

धोनी के बाहर होने से मिल सकता है युवा कार्तिक को अवसर

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआती मैचों से बाहर होने के कारण सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने पहले मुकाबले में युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को अवसर दे सकती है। धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं।ऐसे में वह शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे।कार्तिक को सीएसके ने नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा है। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक बन गये हैं। सीएसके पिछले सत्र से ही इस खिलाड़ी को खरीदना चाहती थी। इसी कारण उसे हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास के लिए भेजा गया।कार्तिक मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के साथ विकेटकीपिंग भी करते हैं।ऐमें में टीम उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना चाहेगी। कार्तिक ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के पहले ही मैच में शतक लगाया था और इसके बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे। विजय हजारे ट्रॉफी 2024–25 में उन्होंने 445 रन बनाए और टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने 11 पारियों में 334 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 162.92 रहा।कार्तिक भी धोनी की तरत मैच फिनिशर बनना चाहते हैं।

आईपीएल से हटने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत : गावस्कर

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ केवल दो साल का प्रतिबंध ही काफी नहीं है।हससे भी अधिक सख्त कदम उठाने चाहिये जिससे कि कोई भी भविष्य में इस प्रकार से धोखा न करे।गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार से कई खिलाड़ी बहानेबाजी करते हैं उसे रोकने के लिए आईपीएल आयोजकों का कठोर नियम बनाने चाहिये। आईपीएल शुरु होने के ठीक पहले कुछ विदेशी खिलाड़ियों के अचानक वापस नाम लेने से टीमों की रणनीति बिखर गयी है।नाम वापस लेने वालों में इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक भी शामिल है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का प्रतिबंध लगता है पर गावस्कर का मानना है कि इससे अधिक अधिक कठोर कदमों की जरुरत है। गावस्कर ने कहा, 卐यह एक कठिन मामला है।डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें 'द हंड्रेड' की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो वह आईपीएल खेल रहे होते।'द हंड्रेड' में अच्छी कीमत पर खरीदे जाने के बाद, वह आईपीएल को छोड़ने और यह कहने में काफी खुश थे कि वह अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं।' उन्होंने साथ ही कहा, 'लेकिन हां, इस बारे में बीसीसी को भी सोचना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि दो साल का प्रतिबंध साफ तौर पर काम नहीं कर रहा है।आपको कुछ ऐसा करना होगा जिसका असर हो।जब तक इसका खिलाड़ी पर और उसके आईपीएल में वापसी के अवसरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तब तक यह नियम काम नहीं करेगा।卐 डकेट के लीग से हटने के फैसले ने खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और लीग के नियमों पर सवाल उठने लगे हैं।

सैफ चैंपियनशिप 2026: बांग्लादेश से 1-1 से ड्रॉ खेलने के बावजूद ग्रुप में टॉप पर रहा भारत

माले (मालदीव) (एजेंसी)। भारतीय अंडर-20 पुरुष फुटबॉल टीम ने सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला और ग्रुप बी में टॉप पर जगह बनाई।

मैच की शुरुआत दोनों टीमों ने संभलकर की। बांग्लादेश ने मैदान की चौड़ाई का इस्तेमाल कर भारतीय डिफेंस को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन भारत का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया। धीरे-धीरे भारत ने खेल पर पकड़ बना ली और सेट-पीस (कॉर्नर, फ्री-किक) से मौके बनाने शुरू किए।

भारत के लिए मैच में पहला गोल विष्णु यादव ने 17वें मिनट में किया। उन्होंने कॉर्नर किक पर शानदार हेडर लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस टूर्नामेंट में उनका दूसरा

गोल था, हालांकि बांग्लादेश ने हार नहीं मानी और पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में ही वापसी कर ली। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद अब्दुल रियाद फहीम ने शानदार गोल करते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद भारत और बांग्लादेश के फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने कई प्रयास किए, लेकिन दोनों टीमों का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया।

पहले हाफ के अंत में एक फाउल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच जमकर बहस देखने को मिली। इस दौरान बांग्लादेश के कोच और भारत के गोलकीपिंग कोच को रेड कार्ड दिखाया गया।

दूसरे हाफ में भारत ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया और कई मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं कर सका। टीम ने जीत के लिए आखिर तक कोशिश की, लेकिन बांग्लादेश के डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन किया। इस ड्रॉ के बावजूद भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि टीम पहले ही पाकिस्तान को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी थी। बेहतर प्रदर्शन के चलते भारत ग्रुप में पहले, जबकि बांग्लादेश दूसरे स्थान पर रहा।

भारतीय टीम की अब सेमीफाइनल में भिड़ंत भूटान से होगी। वहीं, टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश का सामना नेपाल से होगा।

विराट में अब भी किसी युवा बल्लेबाज जैसी रनों की भूख देखकर होती है हैरानी: अश्विन

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेली पारी की जमकर प्रशंसा की है। विराट इस मैच में पारी की शुरुआत से लेकर जीत का टिके रहे। इसी को लेकर अश्विन ने कहा है कि उनके अंदर आज भी रनों की पहले जैसी ही भूख है जो मुख्य रुप से युवा बल्लेबाजों में होती है।

अश्विन ने कहा, मुझे इस उम्र में वह काफी अजीब लगता है। मैं कभी-कभी हमारी बातचीत के दौरान उसे यह बताता हूं। वह 40 के आस-पास बल्लेबाज कर रहा था, एक साझेदारी चल रही थी और आरसीबी आराम से आगे बढ़ रही थी। वह पहला एक रन लेने के लिए दौड़ा, वहीं रुक गया जबकि दूसरा बल्लेबा अभी आधा भी नहीं पहुंचा था पर विराट पहले से ही दूसरा एक रन लेने का प्रयास कर रहा था। वह लेग साइड पर 57 मीटर की बाउंड्री थी और यह दिखाता है कि वह अभी भी गेम में कितना उत्साह लाता है।

अश्विन ने साथ ही कहा, वह जो कहता है, वही करता है। ऐसा लगता है जैसे वह लोगों को यह बताने के लिए एक शो कर रहा हो कि गेम कैसे खेलना चाहिए, इसे मेहनत से खेलना चाहिए और इसे वैसे ही खेलना चाहिए जैसा इसे खेला जाना चाहिए। विराट ने जो किया, उसके बारे में यह बात मेरे लिए सबसे अलग थी और अगर आससीबी इसी तरह बल्लेबाी करने वाली है, तो विराट को बस पूरे 20 ओवर खेलने की जरूरत है। विराट मैदाने पर टिके रहें तो रन आते रहंगे।

जापान ग्रांप्री : मर्सिडीज के 19 वर्षीय एंटोनेली ने लगातार दूसरी F1 रेस जीती

सुजुका ।मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (स्न1) रेस जीत ली।इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा।फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे।मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे।एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं।सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है।उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन (शीर्ष स्थान से रेस शुरू करने का अधिकार) से जीत दर्ज की थी।तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं।वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एंटोनेली ने कहा, 'चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं।' उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा।इस युवा ड्राइवर ने कहा, 'मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ।मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।'

अब लीवरपूल को छोड़ रहे सालाह

लंदन ।स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह लंबे समय के साथ के बाद अब इंग्लैड के लीवरपूल क्लब को छोड़ रहे हैं।सालाह ने कहा कि ये उनका लिवरपूल एफसी के साथ अंतिम सत्र है। वह अगले सत्र में अब किसी नई टीम से खेलेंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा है कि लीवरपूल के साथ उनका समय पूरा हो गया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि अब मेरी विदायी का समय है। मैं क्लब में बिताये समय को हमेशा याद रखूंगा।सालाह का अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का अनुबंध हुआ था, वहीं क्लब की ओर कहा गया है कि उन दोनो के बीच सब कुछ तय हो गया है।इससे अब वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। सालाह ने क्लब की ओर से 34 मैचों में 10 गोल किए हैं। ये साल 2017 में क्लब में आने के बाद से उनके सत्र के सबसे कम गोल हैं।पिछले कुछ समय में मैदान के बाहर की परेशानियों से वह जूझते रहे हैं।दिसंबर में लीड्स के साथ 3–3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें बाहर करने का प्रयास किया था।साथ ही कहा था कि मुख्य कोच आर्नेट स्लॉट के साथ भी उनके संबंध खराब हो गये थे।था।उनके इसी साल जनवरी में क्लब से बाहर होने की संभावनाएं थीं पर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद उनको टीम में जगह मिल गयी।अब देखना होगा कि वह अगला सत्र किस टीम से खेलते हैं।

हमारा लक्ष्य खिताब फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना है : पाटीदार

–विराट अपने खेल के शिखर पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सत्र के पहले ही मैच में जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि हम खिताब बचाने की मानसिकता के साथ नहीं उतरे हैं। पाटीदार के अनुसार आरसीबी लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फिर से खिताब जीतना चाहती है। आरसीबी ने अपने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएत) को छह विकेट से हराय है जिससे उसके हौंसले बलंद हैं। पाटीदार ने कहा कि वह टीम के अभियान को खिताब की जगह खिताब हासिल करने वाला मानते हें।

उन्होंने कहा, हम इस मानसिकता के साथ नहीं खेल रहे हैं कि कुछ बचाना है। हमने 2025 में जो किया, वह बीती बात थी। अब हम इस बार फिर खिताब जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी के अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। इसी को लेकर पाटीदार ने कहा, लक्ष्य का पीछा करने में कोहली शीर्ष पर हैं। मुझे हमेशा से ही उनकी बल्लेबाजी पसंद रही है और डगआउट से उन्हें खेलते देखना बहुत शानदार रहता है।

उन्होंने कहा, कोच एंडी फ्लावर और मुझे भी लगता है कि वह अपने खेल के सबसे उच्च स्तर पर हैं। उनकी पारी की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह मेरे आदर्श हैं और मैंने उन्हें नेट्स पर उसी ऊर्जा और तत्परता के साथ खेलते देखा है। मैं उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखकर बहुत कुछ सीख रहा हूं। वहीं मैच में तीन विकेट लेकर सनराइजर्स पर अंकुश लगाने वाले डफी को लेकर उन्होंने कहा, वह टी20 का विशेषज्ञ गेंदबाज है और हमें उस पर काफी भरोसा है। जिस तरह से वह खेल रहा है, जबर्दस्त है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शुरू की तुम्बाड 2 की शूटिंग

सोशल मीडिया पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई की एक खास जगह पर साथ देखा गया। दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के लिए साथ आए है। यह एक हॉरर फिल्म है, जिसे लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। जानिए, फिल्म में नवाजुद्दीन किस तरह का किरदार करेंगे और कहां पर इसकी शूटिंग हो रही है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई के मड आइलैंड में देखा गया। इस दौरान अपने फिल्म क्रू के साथ दिखाई दिए। सोहम शाह, नवाजुद्दीन सिद्दीकी से बातचीत करते थे। यह दोनों फिल्म 'तुम्बाड 2' की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। बता दें कि 2018 में रिलीज हुई हॉरर, थ्रिलर फिल्म 'तुम्बाड़' का यह सीक्वल है। 'तुम्बाड 2' का दर्शक काफी वक्त से इंतजार कर रहे हैं। अब इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। नवाजुद्दीन के किरदार की जहां तक बात है तो उनके किरदार का नाम पांडुरंग होगा। फिल्म भी इमोशनल और साइकोलॉजिकल है। इसमें नवाज के किरदार में कई परतें होंगी। कहानी को लेकर भी मेकर्स का कहना है कि यह पिछली फिल्म से ज्यादा डरावनी होगी। 'तुम्बाड' की बात करें तो साल 2018 में रिलीज हुई इस डार्क फैंटेसी-हॉरर फिल्म में लालच के दुष्परिणामों को दिखाया गया था। फिल्म की कहानी 20वीं सदी की शुरुआत के एक छोटे से गांव तुम्बाड में सेट है। इसमें मुख्य भूमिका में विनायक राव और 'हस्तर' नाम का एक श्रापित देवता है। फिल्म काफी डरावनी थी और दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

अलाया एफ ने होंठ और नाक की सर्जरी की अफवाहों पर दी प्रतिक्रिया

अलाया एफ सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी फिटनेस व ब्यूटी टिप्स अक्सर शेयर करती रहती हैं। अलाया ने हाल ही में मुंबई के एक फैशन शो में रैंप वॉक किया था। इस शो के दौरान उनके लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें आईं। जिस पर अब आलिया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

लुक्स को लेकर ट्रोल हुई अलाया

हाल ही में मुंबई के एक फैशन वीक में रैंप वॉक करने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि अलाया ने अपनी नाक और होंठ की सर्जरी करवा ली है। इस पर अलाया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट करके जवाब दिया। वीडियो में अलाया ने अपने चेहरे को जूम करके कहा, 'दोस्तों, कमेंट्स में बहुत लोग कह रहे हैं कि मैंने नाक और होंठ की सर्जरी करवाई है। मैं वादा करती हूं, मैंने कुछ भी नहीं करवाया है।'

मालिश का है कमाल

अलाया ने आगे कहा, 'अगर मैंने सर्जरी करवाई होती तो मैं खुशी-खुशी आपको बता देती। मैं ऐसी नहीं हूं जो बात छुपाऊं या झूठ बोलूं। देखो, नाक वही है, होंठ भी वही हैं। बस रोशनी का फर्क है। अच्छी आदतें, ज्यादा पानी पीना और चेहरे की मालिश से चेहरा अच्छा लग रहा होगा। लेकिन सर्जरी बिल्कुल नहीं हुई है।'

अलाया एफ का करियर

अलाया ने फिल्म 'जवानी जानमन' से डेब्यू किया था। उसके बाद उन्होंने 'फ्रेडी', 'ऑलवेज प्यार विद डीजे मोहब्बत' और 'यू-टर्न' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा वह फिल्म 'श्रीकांत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' में भी नजर आई थीं। वह पूजा बेदी और फरहान फर्नीचरवाला की बेटी हैं।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में हुई कमल हासन की एंट्री

'कल्कि 2' की शूटिंग को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर जानकारी आ रही है। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' की शूटिंग पूरी की है। 'कल्कि 2' में एक और अभिनेता की एंट्री होने की जानकारी सामने आई है, जो साउथ से हैं।

हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इनमें वह अपने किरदार अश्वत्थामा के लुक में नजर आ रहे हैं और कमल हासन के साथ गले लगते हुए भी दिख रहे हैं। दोनों ने आखिरी बार 1985 में फिल्म 'गिरफ्तार' में साथ काम किया था। बिग बी ने 40 साल बाद फिर से कमल के साथ काम करने की उन्होंने खुशी जताई।

साउथ अभिनेता की हुई एंट्री

123 तेलुगु की खबर के अनुसार, दुलकर सलमान और जेडी चक्रवर्ती भी 'कल्कि 2' में नजर आएंगे। यह दोनों इन दिनों हैदराबाद में 'कल्कि 2' की शूटिंग कर रहे हैं। प्रभास बाद में इस शूटिंग में जुड़ेंगे। निर्माता जल्द ही 'कल्कि 2' को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं।

'कल्कि 2' के बारे में

'कल्कि 2' का निर्देशन नाग अश्विन कर रहे हैं। यह फिल्म हिंदू धर्मग्रंथों से प्रेरित पौराणिक साइंस फिक्शन पर आधारित है। पहले भाग में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी ने काम किया था। यह 'कल्कि' सिनेमाई ब्रह्मांड की शुरुआत थी, जो 2898 ईस्वी में काशी शहर की कहानी बताती है।

करण जौहर के शो का हिस्सा नहीं हैं नेहा धूपिया

करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन की घोषणा हो चुकी है। इसके बाद से ही लगातार दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसमें कई सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं। अभिनेत्री नेहा धूपिया के भी 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आने की चर्चाएं थीं। अब अभिनेत्री ने खुद इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है। 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में बतौर कंटेस्टेंट अपने नाम को लेकर चल रही अफवाहों पर नेहा धूपिया ने विराम लगा दिया है। नेहा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करके इस मामले को स्पष्ट किया। उन्होंने लिखा, 'न तो मैं 'ट्रेटर' हूं और न ही 'इन्नोसेंट'। मैं बस डबल डेट पर जाने में व्यस्त हूं। जल्द आ रहा है।' अपनी पोस्ट के जरिए नेहा ने न सिर्फ करण जौहर के शो का हिस्सा होने से इनकार किया, बल्कि एक आगामी प्रोजेक्ट की ओर भी इशारा किया। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन उनकी पोस्ट ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी है।

रणबीर के साथ काम करना चाहते हैं मोहित सूरी

पिछले काफी दिनों से ऐसी खबरें चल रही हैं कि रणबीर कपूर 'सैयारा' फेम निर्देशक मोहित सूरी की अगली फिल्म में नजर आएंगे। अब खुद मोहित सूरी ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि रणबीर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा होंगे या नहीं।

बातचीत के दौरान मोहित सूरी ने रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान स्टार बताया। इसी दौरान मोहित ने ये भी स्पष्ट किया रणबीर कपूर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि रणबीर कपूर मेरी अगली फिल्म में नहीं हैं मैं सचमुच उनके साथ काम करना चाहता हूं और मुझे उम्मीद है कि वह भी मेरे बारे में ऐसा ही सोचते हैं। मैं उनसे मिलने गया था और साथ में काम करने का इरादा रखता हूं। इस बीच खबरें आ रही हैं कि हम पहले से ही एक फिल्म साथ में कर रहे हैं। रणबीर और मैं एक दूसरे को जानते हैं क्योंकि वह मेरे करियर की शुरुआत से ही मुझे फॉलो कर रहे हैं।

काश मेरी फिल्म के हीरो होते रणबीर

निर्देशक ने आगे रणबीर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उन गिने-चुने अभिनेताओं में से एक हैं और इतने बड़े स्टार हैं, जो 'आवारापन' जैसी फिल्म की सराहना करते हैं। भले ही वह रिलीज के समय फ्लॉप हो गई थी। वह मुझे अक्सर कहते हैं कि यह मेरी बेहतरीन फिल्मों में से एक है। आमतौर पर अभिनेता आपसे आपकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म के बारे में बात करते हैं और कहते हैं कि वही आपकी सबसे अच्छी फिल्म है। जबकि रणबीर मेरी एक फ्लॉप फिल्म के बारे में बात कर रहे हैं। रणबीर में वो सब खूबियां हैं जो मैं अपनी फिल्म के हीरो में चाहता हूं। उनमें वो गहराई और बारीकियां हैं जो मेरी तरह की फिल्मों के लिए जरूरी हैं। फिलहाल मेरी फिल्म में रणबीर कपूर नहीं हैं। काश होते। रणबीर कपूर की आगामी फिल्मों की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' जैसी दो बड़े बजट की फिल्में हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणबीर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। जबकि साई पल्लवी सीता, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखाई देंगे।

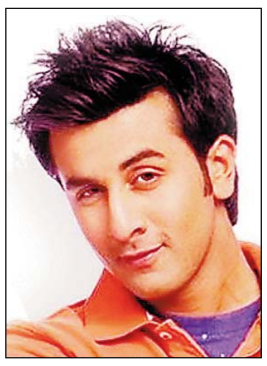

मेरे और श्रुति के बीच कोई खटास नहीं

अदिवी शेष की फिल्म 'डकैत' इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, फिल्म जितनी अपनी कहानी को लेकर सुर्खियों में है, उससे ज्यादा इसकी कास्टिंग में आए बदलाव को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। शुरुआत में इस फिल्म का हिस्सा रहीं श्रुति हासन बीच में ही बाहर हो गईं, जिसके बाद मृणाल ठाकुर की एंट्री हुई। अब इस पूरे मामले पर अदिवी शेष ने खुलकर बात की है।

श्रुति हासन के फिल्म छोड़ने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो यह काम करने के तरीके का फर्क था। हर एक्टर का अपना वर्किंग स्टाइल होता है और कभी कभी वह आपस में मैच नहीं करता। अगर क्लैश हो जाए तो काम करने में मजा नहीं आता और उसका असर फिल्म के फाइनल आउटपुट पर भी दिख सकता है।'

श्रुति के पास तब कई बड़ी फिल्में थीं

वह आगे बताते हैं, 'मेरा शूटिंग स्टाइल थोड़ा स्लो है। मैं जल्दी जल्दी शूट नहीं करता, बल्कि समय लेकर काम करना पसंद करता हूं। वहीं श्रुति के पास उस वक्त बड़ी फिल्मों की डेट्स थीं, जिनमें रजनीकांत सर की फिल्म भी शामिल थी। ऐसे में उनके लिए हमारी फिल्म को उतना समय देना मुश्किल हो रहा था। मुझे लगा कि मैं उन्हें ज्यादा परेशानी में डाल रहा हूं और अगर मैं अपने वर्किंग पैटर्न में बदलाव करता तो फिल्म पर असर पड़ता। इसलिए हमने आपसी समझ से अलग होने का फैसला लिया। सब कुछ अच्छे नोट पर हुआ, कोई विवाद नहीं था। मैं उन्हें हमेशा बेस्ट विश करता हूं।'

एक्ट्रेस के जाने से डर नहीं लगता, काम पर भरोसा है

एक्ट्रेस के अचानक बाहर होने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'मैं इस मामले में ज्यादा घबराता नहीं हूं। मेरे लिए फिल्म से ज्यादा अहम वह कला है जिसके पीछे हम काम कर रहे हैं। अगर हम ईमानदारी से मेहनत करें और अपने काम के साथ न्याय करें, तो बाकी चीजें अपने आप संभल जाती हैं।'

मृणाल ठाकुर की एंट्री पर अदिवी शेष बताते हैं, 'श्रुति के जाने के बाद हमने मृणाल को फिल्म सुनाई। सुबह 10 बजे हमने उन्हें पिच किया और दोपहर 1 बजे तक उन्होंने हाँ कह दी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आमतौर पर जवाब आने में हफ्ते या महीने लग जाते हैं, लेकिन उन्होंने तुरंत दिल से कहा कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई।' वह कहते हैं, 'मृणाल बहुत खूबसूरत, टैलेंटेड और बेहद डाउन टू अर्थ हैं। उनसे बात करना बहुत आसान है, वो बहुत स्वीट हैं। मैं कहूंगा कि फिल्म में वो इसकी सोल हैं, जबकि मैं गुस्सा और फ्यूरी वाला हिस्सा हूं।'

अनुराग कश्यप के साथ बेहतरीन रहा अनुभव

अनुराग कश्यप के साथ काम करने के अनुभव पर अदिवी शेष कहते हैं, 'हमें एक बहुत अच्छा एक्टर और शानदार क्राफ्ट्समैन मिला। साथ ही ऐसा लगा जैसे इंडिया के बेस्ट डायलॉग राइटर हमें बोनस में मिल गए। उनकी हिंदी बहुत अच्छी है और उन्होंने जिस सादगी के साथ काम किया, वो कमाल का था। जब हम स्क्रीन पर उन्हें देखते हैं तो वो काफी सख्त और रिबेल लगते हैं, लेकिन असल जिंदगी में वो बहुत ही सिंपल इंसान हैं। जब मैं पहली बार उनके घर गया और कहानी डिस्कस की, तो मैं सरप्राइज हो गया।'

CMYK

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क में हमले की साजिश नाकाम

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक बड़ी साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया। पुलिस और एफबीआई ने मिलकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो एक फिलिस्तीनी कार्यकर्ता के घर पर पेट्रोल बम से हमला करने की योजना बना रहा था। आरोपी कई हफ्तों से इस हमले की तैयारी कर रहा था और उसने बम बनाने का सामान भी इकट्ठा कर लिया था। गुप्त ऑपरेशन के जरिए पुलिस को इसकी जानकारी मिली और उसे पकड़ लिया गया। जिस महिला को निशाना बनाया गया था, उन्होंने कहा कि यह घटना डराने वाली है, लेकिन उन्हें राहत है कि समय रहते कार्रवाई हो गई।

अमेरिका में स्कूल बस हादसा, 2 छात्रों की मौत

टेनेसी, एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी राज्य में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें स्कूल बस की टक्कर में दो छात्रों की मौत हो गई और कम से कम सात लोग घायल हो गए। यह हादसा हाईवे 70 पर हुआ, जहां एक डंप ट्रक, एक कार और स्कूल बस आपस में टकरा गए। बस में कुल 25 छात्र और 5 वयस्क मौजूद थे, जो केनवुड मिडिल स्कूल से एक शैक्षणिक यात्रा पर जा रहे थे। हादसे के बाद कई घायलों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया। चार बच्चों का इलाज नैशविले के एक अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

मिसिसिपी में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर, 5 की मौत

मिसिसिपी, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के एक ग्रामीण इलाके में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। स्टोन काउंटी के कोरोनर वेन फ्लरी के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग वैन में सवार थे। वैन में मौजूद एकमात्र जीवित बची 23 वर्षीय महिला को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया है। ट्रेन में सवार किसी भी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे कंपनी के बयान के मुताबिक, यह दुर्घटना उस समय हुई जब कैनेडियन पैसिफिक कंसास सिटी की एक मालगाड़ी रेलवे क्रॉसिंग पर एक वाहन से टकरा गई। हादसा उत्तर-पश्चिम में स्थित विगिंस शहर के पास हुआ। मृतकों में वैन चालक 26 वर्षीय रयान सी. पीटरसन और आगे की सीट पर बैठीं 45 वर्षीय क्रिस्टिना कार्वर शामिल हैं। कार्वर की दो बेटियों (22 वर्षीय एमली वैंबली और 20 वर्षीय सारा बेथ वैंबली) की भी इस हादसे में मौत हो गई। इसके अलावा 23 वर्षीय डेमार्कस पर्किन्स की भी जान गई।

जिल बाइडन के सीक्रेट सर्विस एजेंट से गलती से गोली चली

फिलाडेल्फिया, एजेंसी। अमेरिका में फिलाडेल्फिया एयरपोर्ट पर एक सीक्रेट सर्विस एजेंट से गलती से गोली चल गई, जिससे वह खुद घायल हो गया। यह एजेंट पूर्व फर्स्ट लेडी जिल बाइडन की सुरक्षा में तैनात था। घटना उस समय हुई जब वह अपनी कार में था और अचानक उसकी बंदूक चल गई। गोली उसके पैर में लगी और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के अनुसार उसकी हालत स्थिर है। इस घटना से एयरपोर्ट के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ा।

चिली के स्कूल में चाकूबाजी, एक की मौत

कालामा, एजेंसी। चिली के एक स्कूल में शुक्रवार को चाकूबाजी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। यह हमला उत्तरी शहर कालामा के एक स्कूल में हुआ। पुलिस के मुताबिक एक छात्र ने तीन छात्रों और दो स्टाफ पर हमला किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। इस हमले में एक 59 साल के स्कूल कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के बाद स्कूल खाली करा लिया गया और कक्षाएं रद्द कर दी गईं। अधिकारी इसे गंभीर घटना मान रहे हैं और जांच कर रहे हैं कि यह हमला पहले से योजना बनाकर किया गया था या नहीं।

बेलारूस के राष्ट्रपति ने किम जोंग को तोहफे में दी राइफल

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने प्योंगयांग में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ मैत्री संधि पर ही दस्तखत नहीं किए, बल्कि उन्हें एक राइफल भी तोहफे में दी। बेलारूसी सरकारी समाचार बेलटा के मुताबिक, यूक्रेन के खिलाफ रूसी जंग की वकालत करने वाले दोनों नेता संधि के तहत पश्चिमी दबाव का विरोध करने और अधिक निकटता से सहयोग करने पर रजामंद हुए हैं। लुकाशेंको ने इस मैत्री संधि को बेहद अहम बताया, जबकि किम ने इसे द्विपक्षीय संबंधों के स्थिर विकास की और अधिक गारंटी देने वाली करार दिया।

स्पेन में पिता से कानूनी लड़ाई के बाद इच्छामृत्यु मिली

रेप के बाद आत्महत्या की कोशिश की थी, तीन साल से व्हीलचेयर पर थी

बार्सिलोना, एजेंसी। स्पेन में 25 साल की नोएलिया कास्तिलो ने लंबी कानूनी लड़ाई के बाद इच्छामृत्यु के जरिए गुरुवार को अपना जीवन खत्म कर लिया। नोएलिया को इच्छामृत्यु के लिए अपने पिता से भी कानूनी लड़ाई लड़ना पड़ी क्योंकि वे इसके विरोध में थे। बार्सिलोना की रहने वाली नोएलिया का 2022 में एक फैसिलिटी सेंटर में 3 युवकों ने रेप किया था। इसके बाद नोएलिया ने आत्महत्या की कोशिश की और पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी। हालांकि वह इस घटना में बच गई, लेकिन उन्हें रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लगी, जिसके कारण वह कमर के नीचे से लकवाग्रस्त हो गईं। इसके बाद से वह लगातार शारीरिक दर्द और मानसिक तनाव से जूझ रही थीं। नोएलिया ने 2024 में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन किया था, जिसे कैटेलोनिया सरकार ने मंजूरी भी दे दी थी। लेकिन आखिरी समय में उसके पिता ने अदालत में आपत्ति दर्ज कराई और प्रक्रिया रुकवा दी थी।

फोस्टर होम में कई बार यौन शोषण हुआ : नोएलिया बचपन में अपने माता-पिता के साथ ठीक से नहीं रह पा रही थीं। उसे मानसिक दिक्कतें थी और उनके माता-पिता का तलाक भी हो गया था। परिवार में समस्याएं होने की वजह से सरकार ने उन्हें 13 साल की उम्र में एक देखभाल केंद्र (फोस्टर होम) में रख दिया, ताकि उनकी देखभाल हो सके। इसके बाद वह उसी देखभाल केंद्र में रहने लगीं, जहां उन्होंने कई बार दुर्व्यवहार होने का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वहां उनके साथ कई बार यौन शोषण हुआ और आखिरी बार 2022 में तीन लड़कों ने उनके साथ गैंगरेप किया।

इच्छामृत्यु की इजाजत मिली, पिता ने विरोध किया : रेप की घटना के बाद नोएलिया की मानसिक हालत और बिगड़ गई। इससे परेशान होकर उसने पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी, लेकिन वह बच गई। इस कोशिश के बाद वह हमेशा दर्द में रहने लगीं और व्हीलचेयर पर आ गईं। करीब 18 महीने बाद उन्होंने 2021 में लागू हुए स्पेन के इच्छामृत्यु कानून के तहत अपनी जिंदगी खत्म करने की अनुमति हासिल की। लेकिन इच्छामृत्यु पाने की उनकी कोशिश का उनके पिता और एक अल्ट्रा कंसरवेटिव ग्रुप 'क्रिश्चियन लॉयर्स' ने विरोध किया। उनका कहना था कि नोएलिया की मानसिक हालत ऐसी नहीं है कि वह अपनी जिंदगी खत्म करने का सही फैसला ले सकें।

डेढ़ साल तक अदालत में चलता रहा केस : नोएलिया की इच्छामृत्यु का मामला कोर्ट में चला गया और कानूनी लड़ाई शुरू हो गई। करीब डेढ़ साल तक यह केस अलग-अलग अदालतों में चलता रहा। इस दौरान डॉक्टरों और मेडिकल विशेषज्ञों ने भी अपनी राय दी। उन्होंने बताया कि नोएलिया की हालत बेहद गंभीर है, उन्हें लगातार तेज दर्द रहता है और उनके ठीक होने की संभावना बहुत कम है। सरकार से जुड़ी एजेंसी ने भी उनकी मांग को सही माना और इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी। इसके बावजूद उनके पिता ने फैसले को चुनौती दी, जिससे मामला आगे बढ़ता गया। आखिरकार यह मामला यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय तक पहुंचा। वहां यह देखा गया कि क्या नोएलिया मानसिक रूप से अपने फैसले लेने में सक्षम हैं, क्या उन पर किसी तरह का दबाव है और क्या उनकी मांग कानून के तहत सही है। अदालत ने सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद यह माना कि नोएलिया को अपने जीवन के बारे में फैसला लेने का अधिकार है। इस फैसले के बाद उनकी इच्छामृत्यु का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया और तय प्रक्रिया के तहत इसे अंजाम दिया गया।

पिता का तर्क- बेटी मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं : नोएलिया की इच्छानुसार उन्हें 'असिस्टेड डेथ' दी गई। इच्छामृत्यु की प्रक्रिया में तीन इंजेक्शन दिए गए। पहले दो से गहरी बेहोशी लाई गई और तीसरे इंजेक्शन से दिल की धड़कन रुक गई। नोएलिया ने कहा था कि वह अपनी मौत के समय अकेली रहना चाहती हैं और नहीं चाहती थीं कि कोई उन्हें अंतिम समय में देखे।

3 साल में 1,123 लोगों को इच्छामृत्यु : स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून 2021 (जब यह कानून लागू हुआ) से लेकर 2024 के अंत तक 1,123 लोगों ने असिस्टेड डेथ ली है। नोएलिया का मामला इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि पहली बार किसी व्यक्ति के इच्छामृत्यु के अधिकार को लेकर इतनी लंबी और बड़ी कानूनी लड़ाई देखने को मिली। मौत से कुछ दिन पहले रिकॉर्ड किए गए एक टीवी इंटरव्यू में नोएलिया ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह उसका अपना फैसला है। स्पेन में इच्छामृत्यु का अधिकार केवल उन वयस्क लोगों को दिया जाता है, जो 'गंभीर और लाइलाज बीमारी' या 'गंभीर, पुरानी और अक्षम करने वाली स्थिति' से जूझ रहे हों। इसके साथ यह भी जरूरी है।

ईरान के चक्रव्यूह में घिरा इस्राइल: हिजबुल्ला और हमास के बाद अब यमन से भी हुए मिसाइल हमले

इस्राइल : इस्राइल पर एक साथ कई दिशाओं से दबाव बढ़ रहा है। ईरान लगातार मिसाइल हमले कर रहा है। हिजबुल्ला लेबनान से हमला कर रहा है। गाजा से हमास सक्रिय है और अब यमन से भी खतरा बढ़ गया है। इससे इस्राइल की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा दबाव बन गया है।

तेलअवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इस्राइल अब सिर्फ ईरान, हिजबुल्ला और हमास से ही नहीं, बल्कि यमन से भी हमलों का सामना कर रहा है। यमन से पहली बार मिसाइल दागे जाने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि इस्राइल अब चारों तरफ से घिरता जा रहा है और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस्राइली सेना के मुताबिक, शनिवार सुबह यमन की ओर से एक मिसाइल दागी गई। इसके बाद बीयर शेबा और परमाणु रिसर्च सेंटर के आसपास सायरन बजने लगे। इससे पहले भी ईरान और हिजबुल्ला लगातार हमले कर रहे थे। यमन के हूती विद्रोही, जो तेहरान समर्थित माने जाते हैं। वो अब इस युद्ध में खुलकर उतरते दिख रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

क्या यमन के हूती अब युद्ध में उतर आए हैं : हूती विद्रोही लंबे समय से यमन की राजधानी सना पर कब्जा किए हुए हैं। अब उनके प्रवक्ता ने साफ संकेत दिया है कि अगर ईरान पर हमले जारी रहे तो वे सीधे सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उंगलियां ट्रिगर पर हैं। इससे यह साफ हो गया है कि युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है।

कैसे चारो तरफ से घिरा

क्या ईरान ने भी जवाबी हमला तेज कर दिया है : इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। सऊदी अरब के एक सैन्य बेस पर ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिक घायल हुए और कई विमान क्षतिग्रस्त हुए। इससे यह संघर्ष अब और ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रूप लेता दिख रहा है। लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ने से वैश्विक व्यापार पर असर पड़ रहा है। पहले ही हूती विद्रोहियों ने कई जहाजों को निशाना बनाया है। होर्मुज से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल और गैस सप्लाई होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो रहे हैं।

वॉशिंगटन में उड़ानों पर लगा ब्रेक, एयर ट्रैफिक सेंटर में रसायनिक दुर्गंध से ठप हुआ आसमान

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन और आसपास के इलाकों में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में तेज केमिकल जैसी गंध आने के कारण कई बड़े एयरपोर्ट्स पर उड़ानों को रोकना पड़ा। अचानक लिए गए इस फैसले से यात्रियों को भारी परेशानी हुई और पूरे इलाके में हवाई सेवाएं कुछ समय के लिए ठप हो गईं। यह घटना सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल भी खड़े कर रही है। जानकारी के मुताबिक, संघीय अधिकारियों ने बताया कि पोटोमैक ट्रैकन सेंटर में तेज रसायनिक दुर्गंध महसूस की गई, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए कई एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए। जिन एयरपोर्ट्स पर असर पड़ा, उनमें रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट, वॉशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बाल्टीमोर-वॉशिंगटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट, शार्लोट्सविल-अलबेमार्ले एयरपोर्ट और रिचमंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं। यह सेंटर इन सभी क्षेत्रों की हवाई यातायात व्यवस्था संभालता है। क्यों यहां से कंट्रोल होता है ट्रैफिक? पोटोमैक ट्रैकन एक टर्मिनल रडार अप्रोच कंट्रोल सुविधा है, जो वॉशिंगटन और आसपास के कई बड़े एयरपोर्ट्स की उड़ानों को कंट्रोल करती है। यहां से तय होता है कि कौन सी फ्लाइट कब लैंड करेगी और कब उड़ान भरेगी। ऐसे में यहां किसी भी तरह की तकनीकी या सुरक्षा समस्या का सीधा असर पूरे क्षेत्र की हवाई सेवाओं पर पड़ता है। रसायनिक गंध की वजह क्या थी? फिलहाल इस गंध के पीछे की सटीक वजह साफ नहीं हो पाई है। हालांकि, अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर तुरंत उड़ानों को रोक दिया। बाद में जांच और सुरक्षा जांच के बाद हालात सामान्य होने लगे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवक्ता क्रिस्टन एल्सोप ने बताया कि कंट्रोलर धीरे-धीरे काम पर लौट रहे हैं और उड़ानें जल्द सामान्य हो जाएंगी। क्या पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना? यह इस महीने दूसरी बार है जब इसी तरह की रसायनिक दुर्गंध के कारण उड़ानों को रोकना पड़ा है। इससे पहले भी करीब एक घंटे के लिए उड़ानें बंद करनी पड़ी थीं। उस समय जांच में पता चला था।

वेलफेयर फ्रॉड को रोकने के लिए अमेरिकी सरकार ने बनाया टास्क फोर्स

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप सरकार ने वेलफेयर प्रोग्राम में फ्रॉड पर रोक लगाने के लिए एक फेडरल टास्क फोर्स शुरू की है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि यह समस्या बहुत बड़ी परेशानी बन गई है जिससे टैक्सपेयर का पैसा खत्म हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों की एक मीटिंग में उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि सरकार एंटी-फ्रॉड सेफगार्ड्स को फिर से लागू करेगा और फेडरल बेनिफिट प्रोग्राम्स में गलत इस्तेमाल का पता लगाने के लिए क्रॉस-डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन लागू करेगा। उन्होंने कहा, 'हमें फ्रॉड के मुद्दे को गंभीरता से लेना होगा। सालों से मौजूद प्रोटेक्शन बंद कर दिए गए थे और उन्हें फिर से लागू करने की जरूरत थी। हम उन एंटी-फ्रॉड प्रोटेक्शन को फिर से चालू करने जा रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि इस कोशिश में पूरी सरकार का नजरिया शामिल होगा, जिसमें स्वास्थ्य, हाउसिंग, कृषि और वित्त के कामों को संभालने वाली एजेंसियों को एक साथ लाया जाएगा ताकि गड़बड़ियों की पहचान की जा सके और इंटेलिजेंस शेयर की जा सके। वेंस ने कहा, 'यह सिर्फ अमेरिकी लोगों के पैसे की चोरी नहीं है, यह उन जरूरी सेवाओं की भी चोरी है जिन पर अमेरिकी लोग भरोसा करते हैं।'

उन्होंने मिनेसोटा में मेडिकेड से जुड़ी सेवाओं का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि धोखाधड़ी की गतिविधियों के कारण ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों और उनके परिवारों के लिए निर्धारित लाखों-करोड़ों डॉलर का फंड दूसरी जगह भेज दिया गया। बता दें, ऑटिज्म एक एक न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को सामाजिक बातचीत, सामान्य बातचीत और व्यवहार में चुनौतियां आती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे परिवार हैं जिन्हें इन सेवाओं की जरूरत है, जो इन्हें नहीं ले पा रहे हैं क्योंकि लोग फ्रॉड स्कीम से अमीर हो रहे हैं।' टास्क फोर्स को लीड कर रहे एक अधिकारी ने कहा कि फ्रॉड ने सरकारी प्रोग्राम्स पर लोगों का भरोसा खत्म कर दिया है और अगर इसे रोका नहीं गया तो इसके बड़े नतीजे होंगे। अधिकारी ने कहा, 'स्कैम उस सामाजिक भरोसे को खत्म कर देता है जिस पर ये प्रोग्राम और हमारा पूरा देश निर्भर करता है।' उन्होंने इस संकट को अस्तित्व का खतरा बताया और इससे निपटने के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने का वादा किया। अधिकारी ने आगे कहा कि टास्क फोर्स अपराधियों पर मुकदमा चलाने और फेडरल बेनिफिट सिस्टम में जवाबदेही सुनिश्चित करने में न्यायिक विभाग की मदद करेगी। व्हाइट हाउस के सीनियर सलाहकार स्टीफन मिलर ने कहा कि कई वेलफेयर प्रोग्राम लिमिटेड वेरिफिकेशन के साथ चलते हैं, जिससे गलत इस्तेमाल बढ़ता है। उन्होंने कहा, 'हमारी सभी प्रणालियां एक उच्च-विश्वास वाली समाज के लिए बनाई गई थीं। कुछ मामलों में तो लोगों के नामांकन से पहले किसी तरह का सत्यापन भी नहीं किया जाता।' उन्होंने आरोप लगाया कि लोग बिना चेक के बेनिफिट पाने के लिए व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को गलत तरीके से बता सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी ने इसे अमेरिकी टैक्सपेयर के डॉलर की बड़ी चोरी बताया। मिलर ने पॉलिटिकल विरोधियों पर एनफोर्समेंट मैकेनिज्म को कमजोर करने और ओवरसाइट की कोशिशों का विरोध करने का भी आरोप लगाया और कहा कि प्रोग्राम डेटा की जांच करने की कोशिशों को रोक दिया गया था। वेंस ने कहा कि टास्क फोर्स को कैबिनेट में सभी का समर्थन है और वह जस्टिस विभाग में नए नेतृत्व के साथ मिलकर एंटी-फ्रॉड एनफोर्समेंट को तेज करने के लिए काम करेगी।

ट्रंप ने नाटो को 'कागजी शेर' कहा, सहयोगियों पर सवाल उठाए

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो की कड़ी आलोचना करते हुए उसे 'कागजी शेर' बताया और सवाल उठाया कि क्या वाशिंगटन को उन सहयोगियों का बचाव जारी रखना चाहिए, जो उनके अनुसार जरूरत के समय अमेरिका का समर्थन करने में विफल रहे। मियामी में फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव प्रायोरिटी समिट में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि जब अमेरिका को सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब गठबंधन ने उसका साथ नहीं दिया। ट्रंप ने गठबंधन के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, 'अगर वे हमारे लिए मौजूद नहीं हैं, तो हम उनके लिए क्यों मौजूद रहेंगे?' उन्होंने नाटो की प्रतिक्रिया को 'एक बहुत बड़ी गलती' बताया। ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों समेत प्रमुख यूरोपीय नेताओं के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि समर्थन की पेशकश सैन्य कार्रवाई समाप्त होने के बाद ही आई। उन्होंने मैक्रों के हवाले से कहा, 'युद्ध खत्म होते ही हम जहाज भेजेंगे।' ट्रंप ने आगे कहा, 'मुझे युद्ध खत्म होने के बाद उनकी जरूरत नहीं है।' ट्रंप ने ब्रिटेन की प्रतिक्रिया की भी आलोचना करते हुए कहा कि विमानवाहक पोत कई हफ्तों बाद ही उपलब्ध कराए जाएंगे। ट्रंप ने देरी से मिल रहे समर्थन का मजाक उड़ाते हुए कहा, 'जब युद्ध खत्म हो जाएगा, तब हम वहां मौजूद होंगे।' राष्ट्रपति ने जर्मनी की आलोचना करते हुए उनके नेतृत्व के इस बयान का जिक्र किया कि यह संघर्ष उनकी चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह हमारा युद्ध नहीं है, हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है,' इस टिप्पणी का क्रेडिट जर्मनी के चांसलर को दिया। ट्रंप ने कहा कि समर्थन की कमी ने नाटो के बारे में उनके पुराने विचार को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि नाटो एक कागज़ी शेर है, हम नाटो की मदद करते हैं, लेकिन वे हमारी कभी मदद नहीं करेंगे।' ट्रंप ने कहा, 'इससे अमेरिका को बहुत पैसा मिलेगा, क्योंकि हम नाटो पर हर साल सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करते हैं।' यह संकेत देते हुए कि भविष्य में अमेरिका की प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार किया जा सकता है। हालांकि, ट्रंप ने कई मध्य पूर्वी देशों के समर्थन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे नाटो सदस्यों की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक मजबूती से खड़े रहे। उन्होंने कहा, 'वे नाटो से भी अधिक मजबूती से खड़े रहे,' और यह भी जोड़ा कि वाशिंगटन को 'उन देशों से जबरदस्त समर्थन मिला जो नाटो क्षेत्र में नहीं थे।

श्रीलंका के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री पर 7.5 करोड़ रुपये का जुर्माना

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री केहेलिया रामबुकवेला पर 7.5 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का भारी जुर्माना लगाया। उन पर 2022 में भारतीय क्रेडिट लाइन के तहत एक गैर-पंजीकृत कंपनी से घटिया दवाएं आयात कर मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने का दोष सिद्ध हुआ है। अदालत ने अन्य वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों पर भी पांच-पांच करोड़ का जुर्माना लगाया। यह मामला श्रीलंका के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य घोटाले के रूप में देखा जा रहा है।

इंडोनेशिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू, माता-पिता ने सराहा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने शनिवार से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लागू करना शुरू कर दिया। नए सरकारी नियम के तहत अब बच्चे यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स, एक्स, बिगो लाइव और रोबॉक्स पर अकाउंट नहीं बना पाएंगे। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य बच्चों को अश्लील फिल्में, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन घोटाले और डिजिटल लत जैसी खतरनाक चीजों से सुरक्षित रखना है। इस निर्णय के साथ इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया का पहला देश बन गया है, जिसने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त रोक लगाई।

लगभग 70 मिलियन बच्चों पर होगा लागू : इंडोनेशिया के संचार और डिजिटल मामलों की मंत्री मेटुया हफिद ने मार्च में इस नियम की घोषणा करते हुए बताया कि यह लगभग 70 मिलियन बच्चों पर लागू होगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नियम का पालन कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को नियमों के अनुरूप बनाना और 16 साल से कम उम्र के खातों को रिपोर्ट कराना चुनौतीपूर्ण है। मंत्री हफिद ने कहा यह निश्चित रूप से कठिन कार्य है, लेकिन हमें अपने बच्चों को बचाने के लिए कदम उठाने होंगे। इसे लागू करना आसान नहीं, लेकिन हमें इसे पूरा करना ही होगा।

माता-पिता ने सराहा : 13 वर्षीय मौरा मुन्थे, जो रोजाना लगभग चार घंटे सोशल मीडिया

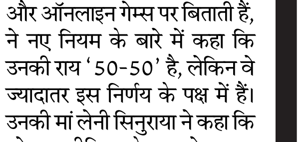

और ऑनलाइन गेम्स पर बिताती हैं, ने नए नियम के बारे में कहा कि उनकी राय '50-50' है, लेकिन वे ज्यादातर इस निर्णय के पक्ष में हैं। उनकी मां लेनी सिनुराया ने कहा कि सोशल मीडिया के चलते माता-पिता ने अपने बच्चों पर नियंत्रण खो दिया है और यह कदम बच्चों की सुरक्षा के लिए सही है। सिनुराया ने बताया, 'आजकल जब हम बच्चों को किसी रेस्तरां में देखते हैं, उनके हाथ में हमेशा फोन होता है। वे तब तक नहीं खाते जब तक उन्हें फोन नहीं दिया जाता, और अगर नहीं दिया तो वे हंगामा करते हैं। मील टाइम का मतलब है परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत करना, लेकिन अब फोन सब कुछ नियंत्रित कर रहा है।' सरकार ने कहा कि यह प्रतिबंध धीरे-धीरे लागू किया जाएगा, ताकि सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स नियमों के अनुरूप आएं और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की मांगें दुनिया भर में तेजी से बढ़ रही हैं। इसका उदाहरण ऑस्ट्रेलिया का ऐतिहासिक कानून है, जो पिछले साल लागू हुआ। हाल ही में इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत से भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करने का आग्रह किया।

नेपाल में बड़ा राजनीतिक उलटफेर : पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति में आज उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई नए प्रधानमंत्री बालेन शाह के शपथ ग्रहण के ठीक अगले दिन की गई है, जिससे देश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही जवाबदेही का नया दौर शुरू होता दिख रहा है। भक्तपुर स्थित आवास से हुई गिरफ्तारी शनिवार सुबह तड़के नेपाल पुलिस की एक विशेष टीम ने भक्तपुर के गुंडु स्थित केपी ओली के घर पर छापेमारी की और उन्हें हिरासत में ले लिया। इसी कड़ी में पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को भी सुबह करीब 5 बजे सूर्यविनायक इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

जेन-जेड प्रोटेस्ट और 77 मौतों का मामला : यह पूरी कार्रवाई पिछले साल हुए जेन-जेड' (युवा पीढ़ी) के हिंसक प्रदर्शनों की जांच के आधार पर की गई है। गंभीर लापरवाही: पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओली सरकार पर 'गंभीर लापरवाही' बरतने का आरोप लगाया है। जान-माल का नुकसान: इन प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में 77 लोगों की जान चली गई थी और देश की अरबों रुपये की संपत्ति खाक हो गई थी। इंटेलिजेंस की अनदेखी: रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों को संभावित हिंसा की चेतावनी पहले ही मिल चुकी थी।

प्रधानमंत्री बालेन शाह का बड़ा एक्शन : प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के तुरंत बाद बालेन शाह ने एक कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में जांच आयोग की रिपोर्ट को तत्काल प्रभाव से लागू करने का फैसला लिया गया।

आरोप: केपी ओली पर आरोप है कि जब देश जल रहा था, तब वे जिम्मेदारी निभाने के बजाय काठमांडू छोड़कर भाग गए थे। अब उन पर केस चलाया जाएगा, जिसमें 10 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

देशभर में हाई अलर्ट : ओली की गिरफ्तारी के बाद काठमांडू घाटी समेत पूरे नेपाल में सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। काठमांडू की सड़कों पर भारी पुलिस बल तैनात है ताकि किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन या हिंसा को रोका जा सके। गृह मंत्रालय ने संकेत दिए हैं कि इस मामले में कई अन्य बड़े अधिकारियों और नेताओं की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

ओली को मेडिकल जांच के बाद बटालियन में शिफ्ट किया जाएगा : ओली और रमेश लेखक को पुलिस जल्द ही आर्म्ड पुलिस फोर्स की महाराजगंज स्थित बटालियन नंबर-2 में शिफ्ट करेगी। दोनों नेताओं को गिरफ्तारी के बाद मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मेडिकल जांच पूरी होते ही दोनों को बटालियन में रखने की व्यवस्था कर ली गई है। यह कदम जारी कस्टडी प्रक्रिया के तहत उठाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि महाराजगंज स्थित बटालियन नंबर-2 में दोनों नेताओं को रखने की पूरी तैयारी कर ली गई है।

गिरफ्तारी से पहले बालेन की अध्यक्षता में बैठक हुई : इस मामले की जांच एक आयोग ने की थी, जिसकी अगुआई पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की ने की। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्रदर्शन के दौरान हालात को संभालने में गंभीर लापरवाही हुई। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पहले से मिली चेतावनी (इंटेलिजेंस) के बावजूद सही कदम नहीं उठाए, जिससे हालात बिगड़ गए और कई लोगों की जान चली गई। गिरफ्तारी से पहले प्रधानमंत्री बालेन शाह की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस रिपोर्ट को लागू करने का फैसला लिया गया था।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380 009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700,